

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 14]

नई विल्लो, शनिवार, अप्रैल 3, 1982 (चैत्र 13, 1904)

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 3, 1982 (CHAITRA 13, 1904) No. 14 ]

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अतग संकतन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग Ш--खण्ड 1

## [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 मार्च 1982

की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19-3-1980 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग (स्टाफ) विनियमावली, 1958 के विनियम 4 के परन्तुक के ्धीन राष्ट्रीय शिक्षा अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली ंसेक्चरर डा० रवि पी० भाटिया की नियुक्ति संघ लोक सेवा . योग के कार्यालय में भ्रवर सचिव के पद पर 4 मार्च, 1982 के औं हु से एक वर्ष की अग्रेतर श्रवधि के लिए अथवा आगामी अंदिणों तक जो भी पहले हो, जारी रखने की सहर्ष श्रनुमति प्रदान की जाती है

> य० रा० गांधी, श्रवर सचिवः फ़ते ग्रध्यक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 फरवरी, 1982

सं ए ३२०१४/३/४०-प्रशा । II---संघ लोक सेवा भायोग की समसंख्यक अधिसुचना दिना रू 31-8--1981 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग एनदद्वारा निम्तलिखित अधि-कारियों को 1-3-1982 में छह मास की अग्रेतर अवधि के लिए

श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, रु० 650-30-740 -35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० 1200 के वेतनमान में ग्राधीक्षक (त० मं०) के पद पर नदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 1. श्री एम० एम० शर्मा
- 2. श्री जगदीश लाल
- 3. श्रीमती डी० जे० लालवानी
- श्रीमती राज सेठी
- 5. कुमारी मुदर्शन हांडा
- 6. श्री ग्रार० ग्रार० भारहाज
- 2. उपर्युक्त व्यक्ति प्रवगत कर लें कि प्रधीक्षक (त० सं०) के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति से उक्त ग्रेड में नियमित विलयन <mark>भ्रथवा वरिष्ठता का उन्हें स्वतः हक नहीं मिलेगा।</mark>

मी० एल० लांगायंन श्रनुभाग श्रधिकारी कुते सचित्र मंघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 फरवरी, 1982

सं पार्व पार्व । -- गह मन्त्रालय, कार्मिक श्रीर प्रणासनिक सुधार विभाग की सहमति से बेखिए उनका पत्र

(4257)

!-6GI/82

संख्या 39017/19/79-स्था० (ख) दिनांक 24-2-1982; कार्मिक ग्रीर प्रशासिनक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 39/70/पी० पी०दिनांक 9-1-1979 की शर्ती के अनुसार संघ लोक सेबा ग्रायोग की समसंख्यक ग्राधिसूचना दिनांक 4 ग्रास्त, 1978, 14-9-1979 तथा 31 ग्रास्त, 1981 के ग्रानुक्रम में संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर डा० बी० सुग्रमण्यन की नियुक्ति को 1 मार्च, 1982 से तीन मास की अग्रेनर श्रवधि के लिए ग्रायवा श्रागमी ग्रादेशों तक जो भी पहले हो, जारी रखा गया है।

य० रा० गांधी श्रवर सचिव (प्रणा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

### गृह् मंत्रालय

## व भिन्नः एंव प्रशासनिक मुधार विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी

### नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1982

सं० पी० एफ०/एस-248/74-प्रशा०-1--केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी, श्री एस० एन० थोराट की सेवायें दिनांक 15-2-82 के अपराह्म से महाराष्ट्र राज्य पुलिस को वापस सौंपी जाती हैं।

2. उन्हें दिनांक 15-2-82 के अपराह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थिक अपराध स्कंध, बम्बई में कार्य-भार से मुक्त कर दिया गया।

### दिनांक 9 मार्च 1982

सं० ए०२००१4/244/80-प्रशा०-1--केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरोक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के प्रधिकारी श्री ए० एस० पाटिल की सेवायें दिनांक 8-2-82 के ग्राप्याह्न से महाराष्ट्र राज्य पुलिस को वापस सौंपी जाती है।

2. उन्हें दिनांक 8-2-82 के श्रपराह्म से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, श्राधिक श्रपराध स्कन्ध, बम्बई में कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

> हीरो ए० महाती प्रमासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी

## महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110066, दिनांक 12 मार्च 1982

सं० श्रो० दा० 1/145/79-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना विवेदी की 6-3-1982 के पूर्वीह्न में केवल तीन माह के लिए अथवा जम पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

### दिनांक 16 मार्च 1982

मं ० एफ ० 2/2/82-स्थापना/मा० भ्रार० पी०एफ०--राष्ट्र-पति, केन्द्राय रिजर्ब पुलिस बल के श्रा एस० दत्ता चौधरा आई० पी० एस० (गुजरात 1918) को 27 फरवरा 1982 पूर्वाह्म से ग्रगंत ग्रादेण तक, केन्द्राय रिजर्व पुलिस बल के महा-निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

## महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरा बल

नई दिल्ली-19, दिनांक 27 फरवरी, 1982

सं० ई-38013 (4)/14/81-कार्मिक—सिन्द्री से स्था-नान्तरित होने पर, श्री एस० बी० चौधरी ने 22 फेरवरी, 1982 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० सो० सी० एन० झरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भान निया।

सं० ई-38013 (4)/19/81-कार्मिक—न्यू जलपायगुरी को स्थानान्तरित होने पर श्री ए० बी० मजूमदार ने 27 जनवरी, 1982 के श्रपराह्म में के० श्री० सु० व० यूनिट, डी० एस०पी० दुर्गापुर के महायक कमांडेंड के पद का कार्यभार छोड़ दिया

> सुरेन्द्र नाथ, महानिदेशक

### रक्षा लेखा विभाग

## कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-110066, दिनांक 12 मार्च 1982

सं० प्रशा०/1/1403/4/जि०-II—-राष्ट्रपति, निम्नलिखित स्थायी लेखा श्रधिकारियों को भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान (रूपए 700-1300) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ श्राधार पर छः माह की 9 श्रीर श्रगली श्रवधि के लिए प्रत्येक नाम के के सामने दर्शाई गई नारीख से सहर्ष नियक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	•			तिथि जिसतक मंजूरी बढ़ाई गई हैं।
1					3
₹	 भवंश्री				
1.	पी० बैनर्जी				25-11-81
2.	श्रोम प्रकाण				21-1-82
3.	परिमल चटर्जी				25-11-81
4.	पी० एस० बाल।	सुक्रामनि	नयन	-	1-2-82
5.	जे० एस० भ्रग्नव	ল		•	27-11-81
	···			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	(भ्रपराह्न)

1	2			3
6.		,		7-1-82
7.	पी० एस० स्वामीनाथन		·	28-12-81
8.	डी० कृष्णामूर्ति .		•	12-1-82
9.	एस० भागीरथ			27-11-81
10.	भार० एल० सहगल			11-1-82
11.	जगदीश सिंह			28-11-81
12.	लच्छा सिंह .		1	28-11-81
13.	लक्ष्मण दास गम्भीर			27-11-81
14.	मनमोहन सिंह			4-12-81

#### दिनांक 16 मार्च 1982

सं० प्रशा०/11/1/1851/जिल्द-I—श्री मदन मोहन लाल, आई० डी० ए० एस०, जिनकी दिनांक 5-7-82 को 58 वर्ष की आयु (उनकी जन्म तिथि 6-7-24 होने के कारण) होगी, वे 31-7-82 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए जायेंगे और तदनुसार मूल नियम 56 (ए) की शर्तों के श्रनुसार दिनांक 31-7-82 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

मं ० प्रणा ०/1/1850/5/जिल्द-I—श्री राजकृष्ण बहुल, श्राई० डी० ए० एस० जिसकी दिनांक 31-8-82 को 58 वर्ष की श्रायु (उनकी जन्मतिथि 1-9-24 होने के कारण) होगी, वे 31-8-82 (श्रपराह्न) से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिए जायेंगे श्रौर तदनुसार मूल नियम 56 (ए) की शर्तों के श्रनुसार दिनांक 31-8-82 (श्रपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

श्रार० के० माथुर रक्षा लेखा श्रपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मन्त्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 9 मार्च 1982

सं० सी० इ० म्रार०/10/82/3—सूती वस्त्र (नियंत्रण) मादेश, 1948 के खण्ड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्द्वारा यह निदेश देता हूं कि म्रधिसूचना सं० सी० ई० मार०/10/77, दिनांक 15 म्रप्रेल, 1977 में समाहित सभी मादेश, उस में निर्दिष्ट दिनांक प्रर्थात 31 मार्च, 1982 के बाद, एक साल की म्रतिरिक्त म्रविध के लिए म्रप्यीत 1-4-1982 से 31-3-83 तक कार्यवाही में रहेंगे।

सुरेश कुमार श्रतिरिक्त वस्त्र ग्रायुक्त

#### उद्योग मन्त्रालय

#### श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 मार्च 1982

सं० ए-19018/516/80-प्रशासन (राजपत्नित)—राष्ट्र-पति, डा० इजातुस्लाह को दिनांक 29 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्म) से, श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग शाखा संस्थान, जम्मू में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018 (522)/81-प्रणासन (राज०)—राष्ट्र-पति, श्री एन० के० सुन्दर को दिनांक 10 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्म), से ग्रगले ग्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक निवेशक, ग्रेड-I (वैद्युत) के रूप में नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 12 मार्च 1982

सं० 12 (112)/61-प्रशासन (राजपिनत)--राष्ट्रपित जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के सहायक औद्योगिक ग्रिभिकस्पी (डिजाइनर) श्री सुधीर गुप्त को, निवर्तन की ग्रायु होने पर, दिनांक 31 जनवरी, 1982, (श्रपराह्न) से, सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की ग्रनुमित प्रदान करते हैं।

सं० 12 (428)/64-प्रशासन (राजपन्नित)—राष्ट्रपित जी, लघु उद्योग सेना संस्थान, बंगलौर के उप निदेशक (धातु कर्म) श्री एस० पी० सिन्हा को दिनांक 15 फरनरी, 1982 (श्रपराह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई में दिनांक, ग्रेड-II (धातुकर्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

### नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च, 1982

सं० 12 (732)/72-प्रशासन (राजपन्नित)—विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (जी० ए० डी०) श्री जे० एस० शेखों को निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर छेने पर बिनांक 28 फरवरी, 1982 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की श्रनु-मित देते हैं।

सं० ए-19018/200/750-प्रशासन (राजपित्रत)—-राष्ट्र-पित, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मुजफ्फरपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिकी) श्री ग्रार० एन० सिंह को दिनांक 12 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्म) से ग्रगले श्रादेशों तक, उसी संस्थान में उप-निदेशक (यांत्रिकी) के रूप में तवर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्चे, 1982

सं० प्र० 6/57(8)—महानिदेशक— पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा निम्निखिल प्रधिकारियों का प्रस्थेक

के सामने	लिखी	तारीख से सहायक निरीक्षण <mark>प्रधि</mark> क	ारी (इंजी०)
केरूप में	स्थार्या	स्प से नियुक्त करते हैं	, ,

क्ष० श्रधिकारी का नाम सं०			स्थायी किये जाने की तारीख
सर्वश्री			
1. श्राई०िसी० खन्ना			1-11-72
2. जी० कल्याण सुन्दरम			1-11-72
<ol><li>विरेश्वर प्रसाद</li></ol>			1-11-72
4. एस० एस० चौहान			1-11-72
5. एस० पी०  सा <b>ख्</b> जा		•	1-11-72
6. पी० डी० भट्ट .			1-11-72
7. सिद्धेण्वर मिश्र			1 11 72
8. एन० के० धोन्देक <sup>र</sup>			1.11-72
9. जे० वी० जोम		•	1-11-72
10. एस० के० सिन्हा		•	1-11~72
11. ए० एन० साठे			1-11-72
12. एस० सुखानन्दन			1-11-72
13. एस० नटराजन	•		1-11-72
14. स्रार० एफ० केवलरमानी			1-11-72
15. ए० एम० माथुर			1-11-72
16. एस० सी० महान		•	1-11-72
17. ग्रनिल कान्ती राय		•	9-11-72
18 ज्ञान चन्द्र			22-12-72
19. डी० एस० नरेश			9-1-73
20. एस० बी० पाल			6-6-73
21. बी० एस० घोषाल			6-10-73
22. ए० के० पालिट		•	1-11-73
23. एन० जी० एस० ग्रय्यर			1-8-74
2.4. के०के० बनर्जी			11-10-74
25. पी० एस० प्रकाशम			1-2-75
26. बी० एन० चौधरी			1-3-75
27. जी० म्रार० राव			1-10-75
28. ए०पी०घोष			1-2-76
29. वी० एस० ठाकुर		•	1-2-76
30. ग्रार <b>० जगन्ना</b> थन	•		1-2-76
31. श्री विल्वामानी .			1-2-76
32. ग्रार० बी० देवनाथ		•	1-6-76

एन० एम० पेरूमाल, उप निदेशक (प्रशासन)

## इस्पात भ्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भुवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 8 मार्च, 1982

सं० 2154 बी/ए०-32013(ए०-म्रो०)/80-19 ए०--भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित म्रधीक्षकों को

ऋ० र्स०	नाम		नियुक्ति-तिथि
1.	—		15-1-1982
_			(पूर्वाह्न)
2.	श्री ए० के० नस्कर .	-	20-1-82
	······································		(पूर्वाह्न)
3.	श्री सी० एन० दक्षिणामूर्ति	•	8-1-1982 (पूर्वाह्न)
4.	श्री बी० राम .	•	25-1-19 <b>8</b> 2 (पूर्वाह्न)

## सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय

## विज्ञापन एवं दृशय प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 मार्च 1982

सं० ए० 12025/4/80 स्था०—विज्ञापन श्रौर दृष्य प्रचार निदेशक श्री रूप चन्द शेनमार को महायक उत्पादन प्रबन्धक (बाह्य प्रचार) के पद पर श्रस्थायी रूप मे 27 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्म से, श्रगले श्रादेश तक, नियुक्त करते हैं।

> यतोन्द्र वर्मा उपनिदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशक

जे० स्वामी नाथ, महा निदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1982

सं० ए० 12026/19/79-जे० प्राई० पी० प्रणा०- I—-राष्ट्रपति ने श्री एस० जार्ज को 27 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी श्रादेशों तक जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकिसा शिक्षा श्रौर श्रनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी में रिजिस्ट्रार (शैक्षिक) के पद पर पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर निसुक्त किया है।

श्री एस० जार्ज की रजिस्ट्रार (शैक्षिक) के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 27 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा श्रनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी में लेखा श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

मं० ए० 12015/21/80-जे० श्राई० पी०-प्रशासन-I— राष्ट्रपति ने श्री पी० रंगानाथन तकनीकी सहायक जवाहर लाल स्नातकोत्तर प्रायुविज्ञान शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी को 27 जनवरी, 1982 पूर्वाह्म से भागामी प्रादेशों तक उसी संस्थान में जीव रसायन (प्रसूति एवं स्त्री रोग) के पद पर अस्थार्ट रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/10/81 (एच० क्यू०) प्रणासन-I—श्री एम० एस० मिलक आई० एम० एस० के ग्रेड-3 श्रीधकारी ने वस्त्र श्रीयुक्त (टेक्सटाइल) कार्यालय, बस्बई से तबादला होने पर उन्होंने 9 फरवरी, 1982 पूर्वाह्म में इस निवेशालय में सांख्यिकीय श्रीधकारी (योजना) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

टी० सी० जैन उप निदेशक प्रशासन (श्रो० एण्ड एम०)

## ग्रामीण विकास मन्त्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1982

मं ० ए ० 19027 | 2 | 80-प्र० तृ० — इस निदेशालय के श्रधीन फरीदाबाद में श्री धनेश्वर प्रसाद बन्दूनी को दिनांक 1 — 2 — 82 से 30 — 6 — 82 तक या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है दोनों में से जो भी पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर श्रीर सामान्य प्रतिनियुक्ति शतौं पर स्थानापन्न हिन्दी ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

# भाभा परमाणु स्रनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400 085, दिनांक 3 मार्च 1982

सं० पीए/76 (3) 80 ग्रार० III (I)—दिनांक 16 जनवरी 1982: श्री गोविन्द विष्णु मांडके की सहायक लेखा ग्रिक्कारी पद पर स्थानापन्न नियुक्ति 18 नवम्बर 1981 से 9 फ़रवरी 1982 ग्रपराह्न तक की जाती है।

सं० पीए/76 (3)/80 ग्रार० III (I)—नियन्त्रक; भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र श्री तिक्क्र कृष्ण ऐय्यर राजप्पन, स्थानापन्न सहायक लेखाकार को सहायक लेखा श्रधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस श्रनुसन्धान केन्द्र में 9 फरवरी 1982 (पूर्वाद्व) से ग्रग्रिम श्रादेशों तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 5 मार्च 1982

सं० पीए/79 (2)/81 आर 111—नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र परमाणु ऊर्जा विभाग के सहायक श्री कुंजु पिल्लै विश्वनाथन पिल्लै को सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में 1 मार्च 1982 (अपराह्म) से अग्रिम आवेशों तक स्थानापन्न रूग में नियुक्त करते हैं। मं० पीए/79 (2) 81/आर० ाप्त-निमन्तक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र भी कोनुकुंजु बालहण्णत, स्थायी सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर इस अनुसन्धान केन्द्र में 24 फरबरी 1982 (पूर्वाह्म) से अधिम अदिशों सक स्थान।पन्न रूप में निमुक्त करते हैं।

सं० पीए/79 (2)/81 श्रार० III---नरौरा परमाणु विद्युत परिमोजना से स्थानान्तरित होने पर श्री सुभाष चन्द जैन, सहायक कार्मिक श्रिधकारी ने भा० प० ग्र० केन्द्र में सहायक कार्मिक ग्रिधकारी का पदभार 26 फरवरी 1982 पूर्वाह्म से सम्भाल लिया।

### दिनांक 12 मार्च 1982

सं० पीए०/76 (3) 80/ब्रार० III—दिनांक 13-8-1981 की समसंख्यक ब्रिधिसूचना के सन्दर्भ में श्री जयन्ती लाल विमल-दास पांचाल की सहायक लेखा ब्रिधिकारी पद पर स्थानापन्न नियुक्ति को 9 जून 1981 से 9 फरवरी 1982 ब्रपराह्म तक किया जाता है।

ए० शान्ताकुमारा मैनोन उपस्थापना स्रधिकारी

## बम्बई-400085, दिनांक 8 मार्च 1982

सं ग्रम-2051/स्थापना II/908—नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र इस अनुसन्धान केन्द्र के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री बसन्त कुमार स्वामी की 13-12-1981 को हुई मृत्युको दुखःपूर्वक घोषित करते हैं।

> कु० एच० बी० विजयकर उपस्थापना ग्रधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय ग्रीर भंडार निदेगालय

## बम्बई-400001, विनांक 8 मार्च 1982

सं० कभनि/2/15/80-स्थापना/6526—परमाणु ऊर्जी विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री लक्ष्मन हरिशचन्द्रा, बागवे को इसी निदेशालय में अस्थायी रूप से रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में 1 मार्च, 1982 (पूर्वाह्न) से अन्य ग्रादेशों तक स्थानापन्न सहायक भंडार ग्राधिकारी नियुक्त किया है।

के० पी० **जोसफ** प्रणासन ग्रधिकारी

## (मद्रास क्षेत्रीय ऋय एकक)

### मद्रास-600006, बिनांक 15 मार्च 1982

मं० म क्षे ऋ ए/200 (15)/81 प्रशासन/6655—ऋय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री बी० श्री पन्ना राव को इसी निदेशालय के मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन कम में 27 जनवरी, 1982 से 12 मार्च, 1982 (प्रपराह्म) तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक भंडार प्रधिकारी नियुक्त किया है।

एसं० रंगाचारी **कृते** वरिष्ठ ऋयं ग्रिधिकारी

## (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 9 मार्च 1982

सं० प० ख० प्र०-16/7/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्हारा परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रीय संवर्ग में सहायक प्रशासनिक ग्रीधकारी के ग्रेड के स्थायी ग्रीधकारी तथा भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, बम्बई के सहायक कार्मिक ग्रीधकारी श्री डी० पी० कुलकर्णी को परमाणु खनिज प्रभाग, हैदराबाद में 22 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से श्रमले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न कृप से प्रणासनिक ग्रीधकारी ग्रेड-II नियुक्त करते हैं।

म० सु० राव वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

## **प्रन्त**रिक्ष विभाग

### इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलोर-560058, दिनांक 2 मार्च, 1982

सं० 020/3(061)/82—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्निलिखत व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिये गये पदों पर एवं लागू होने की तिथियों के पूर्वाह्न से ग्रन्तिश्व विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र में, पूर्णनः ग्रस्थाई एवं ग्रनित्तम ग्राधार पर ग्रन्थ ग्रादिशों की प्राप्ति न होने तक पदोश्नित प्रदान करते हुए हुई का ग्रनुभव करते हैं।

क <b>्</b> स०	नाम	पद	दिनांक
	श्री/श्रीमती/कु०		·
1.	प्रभाकर कुलकर्णी .	वैज्ञानिक/इंजीनियर	01-10-81
		एस० बी०	
2.	माखन सिंह राजपत	<b>वै</b> ज्ञानिक/इंजीनियर	01-10-81
,		एस० बी०	
3.	जी० एस० सीतारामन	<b>वैज्ञा</b> निक/इंजीनियर	01-10-81
		एस० बी०	
4.	भ्रार० लोकनाथन .	वैज्ञानिक/इंजीनियर	01-10-81
		एस० बी०	
5.	पी० एस० राजेन्द्रन .	वैज्ञानिक/इंजीनियर	01-10-81
		एस० बी०	
6	. एस० एस० देशिकाचार	वैज्ञानिक/इंजीनियर	01-10-81
		एस० बी०	

सं० 020/3 (061)/82—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्री सी० श्रालफॉन्स प्रभाकर की श्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो, उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में पूर्णतः अस्थायी एवं श्रनन्तिम आधार पर तथा अन्य आदेशों की प्राप्ति न होने तक दिनांक 13—11—81 के पूर्वीह्न से वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हुए वर्ष का अनुभव करते हैं।

एस० सुब्रमण्यम, प्रशासन अधिकारी-11

## पर्यटन एवं नागर विमानन मन्त्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 12 मार्च 1982

सं० ए० 32013 (मी० वि० उ० म० नि०) (तदर्थ)/1/80-स्था० I--23 फरवरी, 1982 की समसंख्यक श्राध्मूचना के श्रनुक्रम में राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्त-लिखित निदेणकों को इसी विभाग में मौसम विज्ञान के उपमहा-निदेशक के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि की दिनांक 27-2-1982 से 3 माह की श्रवधि के लिए या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं:--

- 1. डा०ए० के० मुखर्जी
- 2. डा० ए० ए० रामशास्त्री
- डा० एस० एम० कुलश्रेष्ट

णुच० एम० चौधरी मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक मौसम विज्ञान के कार्यवाहक महानिदेशक

### नई दिल्ली-3, दिनांक: 15 मार्च 1982

सं० ए० 38019/1/77 ई०(I)—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित श्रिधिकारी, श्रपने नामों के सामने .दी गई तारीख को वार्धक्य श्रायु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृक्त हो गए।

700	नाम	पदनाम	दिनांक जि-
सं०			जिसको स्रधि-
			कारी ने
			निवृतन प्रायु
			प्राप्त की
— — 1. শ্ব	 ो एस० एम० ए० श्रल्बी	 निदेशक	28-2-1982
			(भ्रपराह्न)
2. <b>A</b>	ो बी० भ्रार० शेषाद्रि	मौसम विज्ञानी	<del>व</del> र्हा
3. শ্ব	ो जी०पी० कपूर	सहायक मौसम विज्ञानी	वही
<del></del>			के० मुखर्जी,

क० मुख्जा, मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

### नई दिल्ली, दिनाक 1.1 मार्च 1982

मं० ए० 32013 (डी० जी० एमं०)/1/80-ई-1---राष्ट्रपति ने भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञान के अवर महानिदेशक श्री एस० के० दास की 5 जनवरी. 1982 के अवर हि से 4 मई. 1982 तक अववा डा० पी० के० दास के विदेश सेवा से वापस आने तक, जो भी पहले हो, सी विभाग में तर्द्य आधार पर मौसम विज्ञान के महानिदेशक नियुक्त किया है।

> ग्रो० पी० ग्रग्नवाल ग्रवर सचित्र

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1982

सं० ए० 35018/26/78-ई-1---महानिदेशक नागर विमानन ने सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड और पदेन निदेशक वाणिज्य लेखा परीक्षा, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एस० बी० एल० सबसेना, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 1-3-1982 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर मुख्यालय कार्यालय, नई दिल्ली के कार्यालय में लेखा अधिकारी (लागत) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए-19011/17/80-ई०-1---महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री बी० रामासुब्रहमण्यम, उपमहानिदेशक के निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी मेवा में निवृत्त होने पर दिनांक 28-2-1982 श्रपराह्न मे अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुधाकर गृप्ता उपनिदेणक प्रणासन

### नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

सं० ए० 32013/3/79-ई० एम०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित पांच श्रीधकारियों की उपनिदेशक/नियंत्रकः वैमारिक निरीक्षण के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 30-4-1982 तक की श्रवधि के लिए श्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने नक, इनमें में जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी हैं:---

- 1. श्री एस० रंजन
- 🤉 श्री वी० डी० मेठी
- 3. श्री टी० मी० श्राहल्यालिया
- 4. श्री सी० वी० स्वामीनायुन
- श्री ए० एन० मुखर्जी

जे० मी० गर्ग सहायक निदेशक प्रशासन क्रते महानिदेशक नागर विमानन वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादन, दिनांक 15 मार्च 1982

मं० 16/251/76-स्थापना-J--श्रध्यक्ष, वन श्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय. देहरादून ने श्री लोकपाल, सहायक व्याख्याना (श्रीभयांविकी व सर्वेक्षण) के पद से दिया त्याग पत्र 24-12-80 के श्रीपराह्न से स्वीकार किया है।

श्रोंकार नाथ कौल कुल सचिव वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

ऊर्जा मन्त्रालय

कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्थान

धनबाद, दिनांक 9 मार्च 1982

सं० प्रशासन-12 (2) 82--श्री एम० पी० मिश्र, लेखा ग्राधीक्षक को कोयला खान कल्याण श्रायुक्त के महायक मचित्र/ श्राधीक्षक केन्द्रीय चिकित्सालय के मचित्र के रूप में तारीख 8-2-82 (पूर्वाह्न) में पदोन्नत किया गया है।

डी० पाण्डा कोयला खान कल्याण श्रायक्त

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्याक्षय

कम्पनीज एक्ट 1956 के मैसर्स पाइनियर मेविंगम प्राईवेट किमिटेडड के सम्बन्ध में

षालाँग, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं० जी० पी० 1504/560 (5)—कम्पनी म्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि मैसर्स पाइनियर सेविक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> एस० श्रार० कोम कम्पनीयों का रजिस्ट्रार श्रासाम

कम्पनीज एक्ट 1956 के मेलर्म, फोनो पैनेसिया प्राईवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में

शिलांग, दिनांक 4 जनवरी 1982

मं० जी० पी०/1600/560 (5)---कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के मनुमरण में एनक्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्म, फोनो पैनेसिया प्राइवेट । मिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० द्यार० कोम कम्पनीयों का रजिस्ट्रार श्रामाम

### कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं मनोज मुप्तीज प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में

### बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1982

सं० 632/14975/560 (3)— कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मनोज मुध्तीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिषत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

श्रोम प्रकाश जैन कम्पॅनियों को श्रतिरिक्स रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई ।

### ग्राय-कर भ्रपील मधिकरण

बस्बई 400020, दिनांक 9 मार्च 1982

मं० एफ० 48-एडी (एटी)/1982---श्री के० एन० कोठी-यान, सायो हिन्दी श्रनुवादक, श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण, वन्डीगढ़ न्यायपीठ, चन्डीगढ़ को झब नियमित आधार पर (प्रोन्नति कोट में) आयकर अपील अधियः एण, इन्दोर न्यायपीठ, इन्दोर में सहायक पंजीकार के पद पर २० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 17 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से अभिने आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्री के० एन० कोठीयाल दिनांक 17 फरवरी, 1982 से दो वर्षी के लिए परीवीक्षाधीन होंगे।

बी० बी० पालेकर, प्रध्यक्ष

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 16 मार्च 1982

### श्वाद्यपत्र

सं० 358/81-82-न्तारीख 15-9-81 वाला निदश संख्या नम्बर 358 (81-82) की अनुसूची में नम्दित णब्द "में स्थित इमारत" व "सहित" **छोड़ विया जाय** और नीचे प्रकार **पढ़ लिया जाय**।

"पणजी का कंपाला रेसिडेंग्यल कालोना में स्थित खुली जगह जिसका नम्बर है प्लाट नम्बर "डी-3"

> श्रीमती मंजु माधक्रन सहायक प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 27 फरवरी 1982

निदेश मं० एएस्स्रार/81-82/399--यतः मुझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो माडल टाउन पठानकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

- प्रधीन, तारीख जुलाई 1981
को पूर्वीक्त संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास
िरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत आधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखन उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखन में यास्तियक
रूप में काथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण मं हर्द्ध किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---2---6GI/82

- श्री रतन सिंह पुत्र फकीर चंद माडल टाउन पठानकोट (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शुभा लता पत्नी मुकेण चंद, 160-माडल टाउन, पठानकोट।

(अन्तरिती)

- जैसा उपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि शा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वां क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक मकान जो माडल टाउन पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं॰ 1237/13-7-81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्रकारी पठानकोट में दर्ज है।

श्रानंद सिंह श्राई०, श्रार० एस०

सक्षम प्राधिकारी म**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चंद्रपूरी, श्रमृतसर

तारीख: 27-2-82

मोहार ः

### प्ररूप आहर्". टी. एन. एस. ------

## **कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमतसर श्रम्ससर,दिनांक 27 फरवरी 1982

निदेश सं० एएसआर/81-82/400--यक्षः मुझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो गली वलटोहावाली माहना सिंह रोड़ श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से में वर्णित है'), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती शुषमा रानी विध्वा गंगा, राम माहना सिंह रोड़, श्रमृक्षसर।

(अन्तरक)

 श्री श्रमरीक सिंह पुत्र श्रजैब सिंह, माहना सिंह रोड़, बलटोहाँ वाली श्रमससर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

श्रीर कोई
 (यह ध्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ है)

को यह भूचना जारी पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिलित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गका है।

### अनुसूची

एक मकान 183 व० ग० जो गली वलटोहाँ वाली माहना सिंह रोड़, श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 10392/ 31-7-81 रिफस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ध्रमतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपूरी श्रमतसर

दिनांक: 27-2-1982

मोहर 🌡

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस . -----

भायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 27 फरवरी 1982

निर्देश सं० एएसग्रार/81-82/401—यतः मुझे, श्रानंद सिंह, भाई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाली प्लाट हैतया जो दयानन्द नगर श्रमृतमर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ब्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन), तारीख जुलाई 1981

को पूर्विक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक स्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, व्यक्ति :---

 श्री रमेश कुमार सेट पुत्र सोहन लाल, कट्डा सफेद, ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सतींद्र कौर पत्नी डा॰ सुखपाल सिंह, 16-एफ कसटम कलोनी, लारेंस रोड़, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)

 जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

अंदि कोई

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

कार्यह सुचना जारी करके पूर्वा कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक भ्मि का प्लाट 309 व०ग० खसरा नं० 1332 मिन जो तथानंद नगर भ्रमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 10317 तिथि 30-7-81 रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भ्रमतसर में दर्ज हैं।

> श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी श्रमृतसर

तारीख: 27-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 23 फरवरी 1982

निर्देश सं० एएसश्रार/81-82/402--यतः मुझे, श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस०

आयकर प्रिमियम, (1961 का 1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिमियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूस्य 25,000/— रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एक कमरा है जो गुरू नानकपुरा अमतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाना गथा रतिकल, निम्नितिखित उद्देष्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्नविक रूप से निथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दार्थिश्व में कभी करने या उससे बचने में मुक्कि। के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उनतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री सोहत सिंह पुत्र हीरा सिंह वासी कोट बाबादीप सिंह, ध्रव सकान नं० 388 ईब्ट मोहन नगर श्रमृतसर में हैं।

(श्रन्तरक)

- श्रीमती विनोद कुमारी पत्नी भ्रवतार कृष्ण वासी मुदाभिलोवाल, तहसील भ्रजनाला, जिला भ्रमतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर संख्या नं० 2 श्रीर कोई किरायेदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो सक्त ग्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उम श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अम्स्ची

एक मकान नं० 4561/36 एम० सी० ए० जो बाजार नं० 4 गुरू नानक पुरा, कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9169/7-7-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी अमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी, श्रमृतसर

नारीख: 23-2-82

भोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 27 फरवरी 1982

निदेश सं० एएसभ्रार/81-82/403—यतः मुझे, स्रानंद सिह, स्राई० भ्रार० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो हुमेन पुरा ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मुदागर मल पुत्र हेम राज हुसेनपुरा- श्रमृतसर (अन्तरक)
- श्रीमती प्रकाण वती पत्नी ब्रहम दत शर्मा व विनोद शामा पत्नी प्रेम दत शर्मा हुसेनपुरा अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- ग्रीर कोई
   (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
   जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं० 681/15-9 जो 140 व०ग० है जो गली नं० 8 हुसैनपुरा श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9851/22-7-81 रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानंद सिंह, ध्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, ग्रमृतसर

तारीख: 27-2-82

माहरू ः

प्ररुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर **बर्श्श**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1982

निदेश सं० एएसम्रार/81-82/404—यतः मुझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस० आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कोट श्रातमा राम श्रम्तसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है). रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह जीनशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाखन लकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या।
- (ब) ऐसो किसो आय् पा किसी धन या घन्य आस्तिथीं को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के श्रदीत, निम्निखित व्यक्तियों. अर्थात:—

 श्री जय सिंह व जवंद सिंह वासी कोट रीलया राम राम श्रमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री किरपाल सिंह बासी, गली तहसीलदार, बाजार बांसावाला श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

 जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो चनन सिंह 200/-, परमजीत सिंह 220/- महीना, मैं० एस० एस० केमीकल वर्कस 175/- महीना।

'वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरूना करी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग, पांच शेड नं० 10665 जो कोट द्यातमा राम भ्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 8905/1-7-81 रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह, आई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, श्रमृतसर

दिनांक: 20-2-1982

प्रकप भाई. टी. एन्. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तासर, दिनांक 20 फरवरी 1982

निदेश सं० एएमग्रार/81-82/405--यतः मुझे, श्रानंद सिष्ठ, श्राई० श्रार० एस०

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कोट ग्रातमा राम श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (असीरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों अर्थात :---

 श्री जय सिंह व जबंद सिंह वासी कोट रिलया राम अमृत्सर।

(अन्तरक)

 श्री मुरिद्र सिंह वासी, गली तहसीलदार बाजार वांसावाला ग्रमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो चनन सिंह 200/-, परमजीत सिंह 220/- महीना, मैं० एस० एस० केमीकल वर्क्स 175/- महीना।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्नाक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

1/2 भाग पांच शेड नं० 10665 जो कोट आतमा राम अमृतसर में हैं जैसा भेल डीड नं० 8906/1-7-81 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, ग्रम्नसर

तारीख: 20--2-1982

### प्रकप आई० टी॰ एन० एस॰----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 23 फरवरी 1982

निदेण सैं० एएस्थ्र(र/81-82/406—यतः मुझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रारं० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी मं० एक शेड व खाली जमीन है तथा जो जी० टी० रोड़ ध्रमृतसर में स्थित है (धौर इसमे उपाबद ध्रनुसूची में घौरपूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय प्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जितद कुमार हरी शरण पुत्र सेठ संत लाल श्रमलतन त्रिवेनी देवी विध्या संत लाल द्वारा जितद कुमार मुखतार श्राम वासी भूणनपुरा, ग्रमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री सुरजीत चंद पुत्र किणन चंद गली नं० 5, तहसील पुरा, श्रम्तसर ।

(ग्रन्सरिती)

 जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबष्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

एक शेड 2943 व० ग० खसरा नं० 1276, 1277 जो मुलतान विङ सब ध्ररबन तहसील ध्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9614/17-7-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

श्रानंद सिंह,श्राई०श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, श्रमतस र

दिनांक: 23-2-1982

रः. सं अधिक हैं

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 23 फरवरी 1982

निवेण सं० एएसम्रार/81-82/407—यतः, मुझे, श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस० शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

ग्रौर जिसकी सं० एक शेड व खाली प्लाट है तथा जो जी विश्व रोड़ श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करुने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के भ्रिष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा । लिए:

श्रतः प्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिष्ठीन निम्निखित व्यक्तियों अर्थात् ;---3---6GI/82

- श्री जितिद्र कुमार हरी गरण पुत्र सेठ संत लाल श्रसलतन विवेणी देवी विध्वा संत लाल द्वारा जितिद्र कुमार मुखतार श्राम वासी भूगनपुरा, श्रमृतसर। (जन्तरक)
- 2. श्री सुरजीत चंद पुत्र किशन चंद, गली नं० 5,तहसील पुरा भ्रमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- ग्रीर कोई
   (त्रह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
   जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में 16त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक शोड 1494 व० ग० खसरा नं० 1276, 1277 जो सुलतान पिंड सब अरवन तहसील जैसा कि सेल डीड नं० 9624/17-7-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

ग्रानंद सिंह, ग्राई ० आर ० एस ० सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, 3 चंदरपूरी, ग्रम्तसर

तारीख: 23-2-82

मोद्दर:

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

बायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 फरवरी 1982

निर्देण मं०ऐ० पी० 3074—यतः मुझे, के० के० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे खपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्ष्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान गंगित के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर प्रस्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच नेसे अन्तरण के लिए ना पाता गंगा पतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य ने उचन अन्तरण निवित्त में बास्त्रिक रूप से कियान नहीं विद्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत, उक्त प्रधि-निराम, के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व के स्थीर करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; धीर/आ
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्थ धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 31) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग की उपचारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:---  श्री गुलजारा सिंह पुत्र बावा सिंह, गांव साबोवाल तिह ० जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री बता सिंह पुत्र धसीटा सिंह, सुरता सिंह पुत्र बंता सिंह व शंकर सिंह पुत्र शेर सिंह बासी-566-माडल टाऊन, जालंधर।

(अन्सरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है।
 (वह व्यक्ति , जिसके ग्रिधिभोग में सम्पित्त है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 2) ह में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्यात में दिया गया है।

#### अन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं ० 2882, दिनोक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> के ०के ० मिसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जासंधर

तारीख: 19-2-82

मोहर 👙

प्रकृष आहुर् . ट्री. एन. एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1982

निर्देश सं० 3075—यतः मुझे, के० के० मित्तल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का जिवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिबिक स्वयं से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-तियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिमाने में मुनिधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिसिक स्योक्तमों, अधीतः--- 1. श्री राम कुमार पुत्र हरचरन दांस, वासी 232-ग्रोल्ड डातावाला, देहरादून।

(अन्तरक)

2. डा॰ शाम लाल पुत्र बिहारी लाल वासी 289-न्यू जवाहर नगर--जालंधर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में दवी रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को य<mark>ह सुचना जारी करके</mark> पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लि**ए कार्यवाहि**यां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के नम्बन्ध में कीई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्र आ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के पाम लिखात में किये जा सकेंगे।

स्थवतीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रोर पर्वो का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिषाधित है, बही अर्थ होगा. जो उम अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/3 बी 1/1231 होशयारपुर रोड़ जालन्धर व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं ० 2973, दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> के ०के ०मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर।

तारीख: 4-3-82

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, विनांक 4 मार्च 1982

निदेश सं० 3076—यतः मुझे, के ० के ० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुद्दै किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कुदु दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी कुदने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुतरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री राम कुमार पुत्र हरचरन दास, वासी 232-श्रोल्ड डालावाला देहरादून।

(बन्तरक)

 श्रीमती लिलता कुमारी पत्नी निरन्द्र कुमार, वासी एनबी-246, लक्षमीपुरा—जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उनन सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजरण में अकायन की तारीख से 15 दिन की घवित या तरसम्बन्धी शक्तियों पर पूचना की तामीत में 30 दिन को पवित्र, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त भ्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अ। सकेंगे।

स्पव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों जा, जो उन्हा अधिनियम के अध्याय 20का में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जा उस श्रद्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 बीम्राई-1231 होशयारपुर रोड़ जालंधर व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं ० 2976, दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रींकर्ता श्रिधकारी जालंधर ने लिखा है।

> के ०के ०मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 4-3-82

प्ररूप आई°, टी. एन , एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 मार्च 1982

निदेश सं० 3077—यतः मृझे के० के० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह दिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्वमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिसित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (;) के के अधीन निम्नीनिखत व्यक्तियों, अधीतः :----  श्री राम कुमार पुत्र हरचरन दास, वासी -232-श्रोल्ड डालावाला, देहरादून।

(अन्तरक)

 श्री कुलवंत राए पुत्र दिलबाग राए, वासी एन० बी०-246, लक्षमीपुरा—जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह् व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिातबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अन्स्ची

1/3 बी॰ प्राई-1231, होणियार पुर रोड़, जालंधर व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं॰ 3012 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राप्तिकारी सहायक जायकर आयुक्त (बिरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज जालंघर

तारीख: 4-3-82

प्रकप आई० टी• एन• एत•---

का/पणर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश सं० 3078—यतः मुझें के० के० मिसल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की बारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारग है कि स्थावर संगति, जिमका उचित वा जार मूस्य 25,000/-रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गुरु हर सहाए में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय गुरु हर सहाए में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिंबत बाजार मूल्य सेक्स के दृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रांतफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से धिक्षक है भीर बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तश्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरग से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मनमोहन मिलक पुत्र भगवान दास, हजारा सिंह पुत्र वसंन सिंह, करतार सिंह पुत्र हजारा सिंह, बीना कुमारी पत्नी संत राम, वासी फिरोजपुर कैंट, मार्फत मनमोहन मिलक ।

(बन्तरक)

 श्री भ्रमोलक दास पुत्र राम चन्द, जगीर चन्द पुत्र महिंगा राम सुरिन्द्र कुमार पुत्र कशमीर चन्द, वासी चक सोतरीभ्रा वाला, उर्फ बांछी वाला, तहिं० फाजिलका।

(बन्तरितौ)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवक है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

### उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी भविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद किसी भन्य व्यक्ति हारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्होकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस<del>ुची</del>

सम्पत्ति जैसा कि खसरा नं 1477/1, 152/1, प्लाट नं एस के प्रार 32 जो कि गुरु हर सहाए में स्थित है ग्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1839 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी गुरु हर सहाए ने लिखा है।

के०के०मित्तल स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज जालंघर≀

तारीख: 5-3-82

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के यदीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश सं० 3079—यत: मुझे के० के० मित्तल, ध्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- कप्ए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची

में लिखा है तथा जो गुरु हर सहाए में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री- कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुरु हर सहाए में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवस्बर 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीष्ठक है ग्रोर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखन में वास्त्रविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (ह) अन्तरण से इंद्रे कियो आय ही बाबन, खकन पिंधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गाउससे बचने में मुविशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री मनमोहन मिलक पुत्र भगवान दास, हजारा सिंह पुत्र वसन सिंह, करतार सिंह पुत्र हजारा सिंह, वीना कुमारी पत्नी संत राम, वासी फिरोजपुर कैंट मार्फत, मनमोहन मिलक पुत्र भगवान दास, जी० ए०।

(अन्तरक)

2. श्री राम चन्द, मिह्नगा राम पुत्न छगना राम, सुरिन्द्र कुमार पुत्न कशमीर चन्द, वासी चक्क सोतरीश्रां वाला, उर्फ बांछीवाला, तिह० फाजिलका।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के निए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाणन की तारीला से 45 दिन की प्रविधि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो इकत अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि खसरा नं० 1477/1व 152/1, प्लाट नं० एस० के० भ्रार०-32 जो कि गुरु हर सहाए में स्थित हैं और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1840 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी गुरु हर सहाए ने लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

**सारीख: 5-3-1982** 

### प्ररूप माई• टी• एन• एत•---

## भागकर भाषानिवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरिक्षण)
श्रजैन रेंज जालंधर

जालंघर, दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश सं० 3080---यतः मुझे के० के० मित्तल म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- र० से ग्राधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गुरु हर सहाए में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गुरु हर सहाए में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्त्ररित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का परव्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिता (अप्रवरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय गाया गया प्रतिकल, निध्निविद्यत उद्देश्य से उद्देश भन्तरण लिखित में

(क) स्वरण में हुई किसी आय को बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में मुबिधा के निष्ण और/या

बाध्यक्ति का पे कथित बढ़ी किए गया है:-

(स. ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आहितगों ता जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर आंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अम्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाता चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

भार. अ.स. इस्त अधितिसन का अगरा 269-ग के अनुसरण में में, उभन अधितिसम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मुनीस, नुम्नीलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री मनमोहन मिलक पुत्र भगवान दास, हजारा सिंह पुत्र वसन सिंह, बीना कुमारी पन्नी संत राम, व करतार सिंह पुत्र हजारा सिंह वासी फिरोजपुर कैंट।

(भ्रन्तरक)

- श्री राम चन्त्व, मिह्गा राम पुत्न छगन राम सुरिन्द्र कुमार पुत्न कणमीर चन्त्व, वासी, चक्र सोतरीम्रां वाला, उर्फ बांछी वाला, तिहः फाजिलका। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति , जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिनबद्ध है)

को पह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उभन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी फ्राक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की सामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत अपितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में काशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबद किया अन्य अधित द्वारा, श्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दी तर गः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सम्पति जैसा कि प्रापंटी,  $57'-6'' \times 27'-1''$ , जो कि गुरु हर सहाए सें स्थित है और व्यक्ति जैसा कि विलेख नंज 1184 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी गुरु हर सहाए ने लिखा है।

कै० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज जालंधर

तारीख: 5-3-1982

मोह्नर:

प्रक्प बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3081---यतः मुझे के० के० मित्तल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया, फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्री-कर्षा ग्रीधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

 श्रीमती हरवर्ष दीप कौर पुत्नी श्री राजिन्द्र सिंह वासी श्री हरगोविन्द गढ़ तहि० फगवाडा।

(अन्तरक)

 श्री मोहन लाल पुत्र श्री जैराम वासी हदीयाबाद तहि० फगवाड़ा।

(अन्सरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्चों का, आं उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्ची

1/2 हिस्सा, श्राफ प्लाट नं० 131 171' × 63' इन्डस्ट्रीयल एरिया फगवाड़ा स्थित है और व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 997 दिनांक जुलाई 1981, को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फगवाड़ा में लिखा है।

के० के० मिसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज. जालन्धर

तारीख: 5-3-1982

प्रस्प भारत् . दर्र . एव . इस . -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज जालनाह

जालन्धर, दिनांक 5 मार्च 1982

निर्देश नं० 3082—यतः मुझे के० के० मित्तल आयक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलबंडी भाई जिला फिरोजपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिफस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के समीन, तारीस जुनाई 1981 को पूर्वोक्त संपरित के अधित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरित मों) के बीच एसे अन्तरक अन्तरण निस्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अल्य आहितयों का जिस्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा खनत अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--  श्री द्वाम सक्ष्प, ध्रोम प्रकाय, ध्रमृत लाल, सुप्तील भूषण पुत्र साधु राम, वासी मोहला अगरवाल, फिरोजपुर शहर।

(बन्तरक)

2. श्री शुगला किलोर, भनत राए पुत शुलक राए, बासी गोबर मण्डी फिरोजपुर मण्डी, सुरिन्द्र नाथ, हरीश कुमार, सुभ प्रकाश पुत्र ज्ञान चन्द्र मार्फत मकरा मल लभु राम, दाना मण्डी, तलवंडी भाई, जिला फिरोजपुर।

(बन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्टकोण में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्तिं सम्पत्ति में किन्न रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितनक है)

को वह कुष्ता जारी करने पृथीनत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध को कार्ड भी कार्क्स :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिस की अवीच या तत्सींची व्यवस्थित पर सूचना की बामीस से 30 दिन की जनिय, जो जी सुवाध नांत्र में बामान्य होती हो, जो भीतर पूर्णचक व्यक्तितों में से किसी व्यक्ति हो, जो भीतर पूर्णचक
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विक के शीवर कमत स्थापर कमारित में दिवाबद्ध किसी क्रम व्यक्ति हवारा स्थाहस्ताकारी के गास सिचित में निम्म का सकोंगे।

स्कारकारण; - इसमें प्रगुवत सक्यों और पतों का, थो उक्त सधिनियम, के सभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्य होपा जो उस कथाम में दियां गया है।

### नगृत्वी

फैक्टरी बिलडंग जो वाना मण्डी तलबंडी भाई जिला फिरोजपुर में स्थित है और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3932, दिनांक जुलाई 1981, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने सिखा है।

> मैं। के मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-3-82

महर:

### प्रस्त मार्थक टी र एकर एकर---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

### धर्जन रेंज जालनधर

जालन्धर, दिनांक 5 मार्च 1982

विशेष सं० ए० पी० मं० 3083--- यतः श्रुप्ते के० के० मिसल

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी भवोहर में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में बॉणत), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्हीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारी अ जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के खिल् भाषाम भूत्य से कम के रम्यमान प्रित्तिक से लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रम्बनान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिमात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे कन्तरण को निक् तय पाचा गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण बिनित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (कां) बन्तरण से हुन्दें किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौह/या
- (क) एंसी किसी आज जा किसी भन या अन्त अविकासों को, जिन्हों भारतीय अस्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के जधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्रीसती नरैन देवी विश्वस श्री इन्द्राज मल, वासी गली नं० 3, मण्डी श्रवोहर।

(अन्तरक)

श्रीमती हुकमा पत्नी श्री संत नरैण, वासी गली नं०
 मण्डी घडोहर।

(अन्सरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह अमिक्स, जिसके भिश्रभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिषत रखता है।
(बह काबिल, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना धारी करके पृश्लोंकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवास्थिं करका हां।

सकत सम्बद्धित को सर्वन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्पार के रावधक में प्रवस्त को तारोब से 45 विन की क्याधि का तस्त्रक्ष्य की व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विश्व को भीतर उचत स्थावर संपरित में हित-बक्ध किसी अध्य क्यांनित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकते।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

दुकान ने० 278 2 खसरा नं० 1447 जो कि मण्डी कं 1 (बरेन सारकिट अबोहर में स्थित है और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1839 दिसांक 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी प्रबोहर में लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी स**हायक वायक** र वायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, जालन्धर

बाधिक: 5-3-82

प्ररूप आहे. टी. एन. एस्.----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज जालन्घर

जालन्धर, दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3084—यतः मुझे के० के० मित्तल

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी भबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पान्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत ा--

 श्री राजिन्द्र कृमार पुक्र श्री राधेक्याम वासी गली नं 3, मण्डी श्रबोहर।

(अन्तरक)

 श्री किशन पुल श्री मोती राम वासी गली नं० 7 मण्डी श्रवोहर।

(अन्सरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिन्के बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्था के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पत्निकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं० 2708/2 खासरा नं० 1447 जो मण्डी नं० 1 (गरेन मारकीट) ग्रबोहर में स्थित है श्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2088 दिनांक ग्रगस्त 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी ग्रबोहर में लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-3-1982

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्थन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश सं० 3085—यतः मुझे, के० के० मित्तल शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा '269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे जपावद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख जुलाई 1981

का पूर्वीक्त संप्रस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करते का कारण है. कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रुश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिभल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिशा के किए; श्रीर/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के बिए।

क्सः क्रबं, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की नभीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री प्रेम सिंह पुत भ्रमर सिंह, वासी, 747, सैक्टर 11-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री जसपाल सिंह पुत्र हरबंस सिंह व श्रीमती बलजीत कौर पत्नी जसपाल सिंह, व हरबंस सिंह पुत्र काला सिंह, बाजार शेखां, जालंधर।
  (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्मशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या

### अनुसूची

क्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि कोठी नं० 209 एल माल टाऊन विलेख नं० 3207, दिनांक जुलाई—1981, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 5-3-83

### प्रक्य बाह्रं.टी.एम.एस. \*\*\*\*\*\*\*

आयंकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### शास्त्र बंदकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 मार्चे 1982

निदेश नं 3086 यतः मुझे, के के मित्तल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम् कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सकम् प्राप्तिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्थालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्प्रमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिकाल से, एसे उत्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक वे लिए तब पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिलित में पास्क-विक रूप में कथित नहीं किया ग्या है:----

- (क) नन्तरक से हुई किसी नाम की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) पेसी किसी अन्य वा किसी भूग वा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियस, या अनुकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था वा किया जाना आहिए था जियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्रीमती सुष्म वश पुती कर्नल गुरबख्श सिंह मार्फत कुलदीप सिंह : जी० ए० वासी ईएच-176ए, सिविल लाइन जालन्धर।

(भ्रम्सरक)

श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी जगधीश कुमार कण्डा;
 वासी, ईएच-176, ए, सिविल लाईन, जालन्धर।
 (ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रक्षोहस्ताक्षरी जानका है कि वह सम्पत्ति में शिक्षबंद्ध है)

को सह स्थल जारी करने पूर्वोचन संगरित के वर्षण को चिए कार्यवाहियों कारता हुत्।

### उन्ह बन्परित् के वर्षक् के प्रकार में कोई भी सार्वप्रान्त

- (क) इस सुनवा के राष्य्य में प्रकारत की दारीत से
  45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की वंबचित को नी
  नवींच नाव में सनान्य होती हो, की चीत्र पूर्वोंकर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवातः
- (ज) इत स्थान के राज्यम में प्रकाशन की धारीय से 45 विश्व के जीशर जनत स्थान्य संगरित के हित्यपूर्थ किसी सन्य न्यांति हवारा स्थाहस्ताकारी के पान तिस्ति से किस से किस सामने।

स्पष्टीकरणः — इसमें अयुक्त कथ्यां बीर पदों का, थीं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उस कथाय में दिका क्या हैं॥

### अनुसूची

व्यक्ति सथा सम्पत्ति जैसा कि, 1/4, प्रापटी नं० ईएच-176, ए, सिबिल लाईन , विलेख नं० 3053, दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता बधिकारी जाजन्थर ने लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भ्रजेन रेंज जालन्धर

तारीख: 6-3-82

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहस्रकः वायकर आयुक्तः (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1982

निदेश संव 3087—यत: मुझे के० के० मित्तल जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचास 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध में ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उन्नक्षे दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हु और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल मिम्दलिखत उद्बेद्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (\*) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्रीमती कुलबन्त कौर पत्नी कनंल गुरबंख्श सिंह माफत कुलदीप सिंह, जी० ए० बासी ईएच-176, ए, सिविल लाइन जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

- श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी जगदीश कुमार कण्डा बासी ईएच-176 ए, सिक्नि लाईन जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सें 45 विम की जबिंध वा तत्सवंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामिल से 30 विन की बविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रीक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि 1/4, प्रापर्टी नं० ई एच-176-A. विलेख नं० 3054, दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के जालन्धर में लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्क्षर

ता**रीच**: 6-3-82

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

श्रीयकरप्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर पायकत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1982

नियोग सं० 3088--यतः मुझे के० के० मित्तल (1961 का घधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारीकी, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर उससे उपावद्व में ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन तारीख जुलाई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **दृश्य**भान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई **है भौर मुझे** यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का र्जाचन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से उनत ग्रग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है।---

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त पश्चि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर घ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

द्यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा-.(1) के प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्।---

1. श्रीमती नील कमल पुत्री कर्नल गुरबक्श सिंह मार्फत कुलदीप सिंह जी० ए० वासी ईएच-176, ए, सिविल लाईन जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी अगदीश कुमार कण्डा वासी ईएच-176-ए, सिविल लाईन जालन्धर। (भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बग्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित-में किए जा सकेंगे।

**इपक्टीकरण:---इ**समें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त ग्रिधि∙ नियम के अध्याय 20- ह में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि 1/4, प्रापर्टी नं० इएच-176, ए, विलेख नं० 3055, दिनांक जुलाई 1981 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> के० के० मिलल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीखं: 6-3-82 महिर 🖫

प्रक्ष बाई • टी • एन • एस • ---स्रायकर सधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनां है 6 मार्च 1982

निदेश सं० 3089--यतः मुझे के० के० मित्तल यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ने, रेसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अप्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तर म लिखित में वास्तविक रूप में हथित नहां किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त शिधिनियम के प्रधीन कर दने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सविधा के जिए: अंर/या
- (ख) ऐसी किसी जाए या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) ह प्रयोजनार्थ जन छर्तो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के han;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं, उदत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन, निर्मार्थावत स्यवित्यों अर्थात ---5--6GI/81

- 1. श्री कुलदीप सिंह पुत्र कर्नल गुरबख्श सिंह वासी ईएच-176, ए, सिविल लाइन जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी जगदीश कुमार कण्डा वासी, ईएच-176, ए, सिविल लाईन जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भं भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि 1/4, प्रापर्टी नं० ईएच-176, ए, विलेख, नं० 3056, दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज जालन्धर<sup>ं</sup>

तारीख: 6-3-82

मोहर 🖫 🖰

प्ररूप आहू<sup>र</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3090--यतः मुझे के०के० मित्तल

आयकर अधितियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैंसा कि अनुसूचित में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

- श्री पाला सिंह पुत्र कुंचा सिंह बासी भटिंडा। निरंजन दास पुत्र सोलीग राम पुत्र राम चंच (10/90), (श्रन्तरंक)
- (2) श्री मंत राम पृत्न तिलक राम (10/90) संतोष कुमार पृत्न परपोतम दास (30/90) श्रीमती सरला देवी पत्नी सुरेश कुमार (10/90) श्रीमती श्राणागर्ग पत्नी सतपाल गर्ग (20/90) श्रीमती दया अती पत्नी तरसेम सिंह (5/90) श्रीर श्रीमती मुण्मा रानी पत्नी णिव किरपाल सिंह (5/90) द्वारा मैसर्स जींदाल पाईपस, सिरकी बाजार भठिंडा।

(श्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि अपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्सूची

सम्पत्ति 4बी-10B खसरा नं 4830 में रकवा भटिंड। व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 3480 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

के०के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रुजैन रेंज जालन्धर

तारीख: 14-3-82

भोहर:

भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश मं० 3091—यन: मुझे के० के० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह जिस्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो जमशेर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विशिष्ट है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जुलाई 1981

कां पुत्रों क्त संपत्ति के उधिन बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निमालिफित उप्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्मियों कार, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिम्बित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री कशमीरी लाल पुत्र श्री गुरदास राम श्रीर श्रीमर्ता रक्षावती पत्नी राम सरूप वासी गांव जमशेर तहसील श्रीर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री कुलदीप सिंह पुत्र नजार सिंह वासी गांव जमगोर तहसील और जिला जालन्थर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्मत्ति में एचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस गुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि का तत्सेवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उब्बत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

सम्पत्ति 28 कनाल रक्तवा जमशेर—व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2815 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> कें० कें० मित्तल सक्षम प्राधिद्यारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 14-3-82

मोहर

प्रस्य आहे. टी. एन. एस. -----

शावफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3092—यतः मुझे के० के० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---  डा० गोरा लाल पुत्र नगीना राम पोस्ट ग्राफिम बाजार भटिंडा।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती ऊषा रानी पत्नी श्री सोमप्रकाण कैमिकशल मैसर्स ए—सोम प्रकाश श्रीर क्लाथ मरचैंटस, सदर बाजार भटिंडा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में नम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

सम्पत्ति 29 2 मरबा गज हिस्सा एमसी नं जी- II-78) भाँठडा। व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं 3484 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज जालन्धर

तारीख: 14-3-82

मोहर 🕄

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3093—यतः मुझे के० के० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ग्रगस्त 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वार करते का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्म, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान गितकत का पन्दर् प्रतिमत से अहिता है आर पन्तर (गिति को) और प्रतिरित्ती (प्रतिरित्तियों) के लीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा मधा प्रतिफल, किम्पेलिं उहेर्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्विक का से गिवित नहीं किया गया है:—

- (भाः अन्तरण से हुई किसी आड की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनगर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रश्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव, उस्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में,मैं, उदत श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखित क्यस्तियों, अर्थातु:—

- डा० गोरा लाल पुत्र नगीना राम पोस्ट आफिस बाजार। (श्रन्तरक)
- 2. श्री अबहे कुमार पुत्र श्री सोम प्रकाश कैमिकशल मैनर्स ए-सोम प्रकाश श्रीर क्लाथ मरचैन्टम सदर बाजार भटिंडा।

(श्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
   जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उषत सम्पत्ति हे प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ब्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

एपढटोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही यर्थ ोजः को उप प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 292 1/2 मरवा गज (एम० सी० न० बी-II 78) भटिंडा व्यक्ति तथा सम्पत्तिं जैसा कि विलेख नं० 3641 दिनांक प्रगस्त, 1981 को रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

के० कें० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 14-3-82

प्रका आहे. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेण सं० ए० पो० नं० 3094—यतः मुझे के० के० मित्रल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूर्च। में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1981

को पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लियं; और/या
- (ख) एोसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री जोना पुत्र तम् राम वासी भटिंदा।

(भन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह पुत्र मलिकयात सिंह वासी गांव बहमैन कौर जिला भटिंडा श्रीर दर्शन सिंह पुत्र श्रवण सिंह वासी गांव मनसा खुरद, तहसील फूल जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारी घरके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य त्यिक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विशित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुसूची

सम्पत्ति 1 बी⊸0 बी खसरा नं० 5400/3531 मिन० भटिंडा

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3280 विनांक जुलाई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिडा में लिखा गया है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-3-1982

प्ररूप आहें.टो.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ती धारा 269-व (1) के अधीर सूचना

## भारत सरकार

कार्याजय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3095—यतः मुझे, के० के० मित्तन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

भौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची सें लिखा है तथा जो गांव काला बकरा में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान पितफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसरो वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धार 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री मेहरू पुत्र श्री बीरू गांव काला बकरा तहसील जालन्धर।

(म्रन्तरक)

 श्रं ि ाम भिंह, सुरिन्द्र सिंह पुत्र रेणम सिंह वासी गाँव काला बकरा तहसील जालन्धर।

(ग्रन्नरिती)

3. नैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपण्ण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

सम्पत्ति 48 कनाल काला बकरा व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं० 2854 विनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> के०के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आसकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की** धारा 269-घ (1) के अगीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेण सं० ए०पी० नं० 3096—यतः मुझे, के० के० मित्तल, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव खुरला, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जुलाई, 1981

कोर पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन पर रेने व अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्ट्रियधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

 श्रो रनवीर सिंह पुत्र बहादर सिंह, अमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह सुपुत्र रनवीर सिंह जे० ए० श्री दीपक खन्ना, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सोमा रानी पत्नी जगदीश चन्द, हुकम सिंह पुत्र संत सिंह, रमेण कुमार पुत्र देस राज, हरिकरत सिंह, जगदाण सिंह, रीता द्या, कलवन्त सिंह, जसवन्त कौर, बलवंत कौर, और खुणवंत कौर पत्नी सवरन सिंह वासी नकौदर रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ग्राहा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भन्स्ची

जमीन 4 कनाल-1 मरला जो कि गांव खुरला तह० जालन्धर में स्थित है ग्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3098 दिनांक जुलाई, 1981 के रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> कें० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) छर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-3-82

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3097—यतः मुझे, के० के० मित्तल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार महम 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला तिह० जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्षा से किया नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत प्रधिनियम के अधीन कर वेगे के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना भाहिए वा, छिपाने में सविधा के लिए;

पन पन, उन्त अधिनियन को धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-व को उपधारा (1) के सधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---6—6GI/82 1. श्री रनजीत सिंह पुत्र बहादुर सिंह, श्रमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह सुपुत्र श्री रनबीर सिंह जी०ए० दीपक खन्ना, नकोदर रोड़ जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री जगजीन मनहास पत्नी प्रिथीपाल सिंह, जगजीत सिंह पुत्न करनार सिंह जोध राज पुत्न विष्या प्रकाश गुरचरन सिंह पुत्र हरवंस सिंह भ्रौर प्रेम कौर पत्नी हरवंस सिंह जान्लधर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इप सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख, में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवित्र, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विश्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, बधोहण्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त धिवित्यम, के झड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हीना जो उस झड्याय में दिया गया है।

# भग्त्ची

जमीन 4 कनाल, 8 मरले जो कि गांव खुरला तहि० जालन्धर सें स्थित है और व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2955 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> के० के० मित्तल **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

श्रायकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रद्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3098—यतः मुझे, के० के० मित्तल

शामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्राधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 म के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र • से अधिक है और जिसकी छं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला तहि० जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981 को पृथोंकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रम्लरण से हुई किसी खाय की बाबत उक्त धिंछ-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) एसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्री रणबीर सिंह पुत्र बहादुर सिंह, श्रमरजीत सिंह गुरजीत सिंह सपुत्र रणबीर सिंह जी० ए० श्री दीपक खन्ना , नकोदर रोड़, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरनाम कौर पत्नी करतार सिंह श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी विरयाम सिंह श्रीमती कमल खन्ना पत्नी दीपक खन्ना श्रीमती दलजीत कौर, पत्नी श्री भाग सिंह, गुरपाल कौर, सुखपाल कौर सपुत्नी श्री भाया सिंह, नकोदर रोड़, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन 4 कनाल 8 मरले जो गांव खुरला में स्थित है तिहि० जालन्धर श्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3077 दिनांक जुलाई 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-3-82

प्ररूप बार्दे.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3099—-यतः मुझे, के० के० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचनं में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था था किया जाना आहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री रनवीर सिंह पुत्र बहादुर सिंह, श्रमरजीत सिंह, ग्रजीत सिंह सपुत्र रनवीर सिंह, जी० ए० दीपक खन्ना, नकोदर रोड़, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमिती श्ररता सेहगल पत्नी कुलदीप सिंह, विनोद कुमार पुत्न राम नाथ श्राफ माडल हाऊस जालन्धर, मुविन्द्रकौर पत्नी रिजन्द्र सिंह, श्रश्नवनी कुमार पुत्न दिवन्द्र नाथ, जुगिन्द्र कौर पत्नी ग्रवतार सिंह श्रौर जगदीश सिंह पुत्न भोला सिंह, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं०2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पछाकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन 4 कनाल 16 मरले जो खुरला में स्थित है ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2998 दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-3-1982

प्ररूप आइ<sup>\*</sup>. टी. एन. एस -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-थ (1) के प्रणीत सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3100—यतः मुझे, के० के० मित्तल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास चरने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-स्पए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चहेंग्य से उच्न अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर घिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री रनवीर सिंह पुत्र बहादुर सिंह, श्रमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह सपुत्र रनवीर सिंह जी० ए० हरजिन्द्र सिंह, नकोदर रोड जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी एल० एस० सन्धु, धनवन्त कौर परनी तेजा सिंह, श्रम ग्दीप सिंह, पुत्र सखजीत मिंह, कलवन्त सिंह पुत्र करतार सिंह, सितल शर्मा परनी श्ररन शर्मा वासी जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए सार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी वन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
  जिक्कित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रिचित्रम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन 4 कनाल 8 मरले जो कि गांव खुरला में स्थित है भ्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2956 दिनांक जुलाई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के जालन्धर में लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम, प्राधिकारी सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 14-3-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आर्द.टी.एन.एस.-----

न्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश मं० ए० पी० नं० 3101---यतः मुझे, के० के० मित्तन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरलो में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण किस्ति में बास्तिक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रसारण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रधि-नियन के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में को करों करों गुना बचों में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

 श्री रनवीर सिंह पुत्र बहादुर सिंह, ग्रमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह सपुत्र रनवीर सिंह, जी०ए० हरिजन्द्र सिंह, नकोदर रोड़, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती सरोज जैन पत्नी श्रमीर चन्द, शकुलता रानी पत्नी रामजी लाल, बलबीर सिंह पुत्र करतार सिंह, हरवंस कौर पत्नी प्रीतम सिंह, हरचरन सिंह पुत्र लाभ सिंह और हरवन्स कौर घौर संतोख कौर पत्नी लाल सिंह बासी 132 शक्ती नगर, जालन्धर (धन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में उचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के पीतर उक्त स्थावर संस्पति में हितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

# वनुसूची

जमीन 4 कनाल 16 मरले जो कि गांव खुरला में स्थित है ग्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3058 दिनांक जुलाई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> के० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के लभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷——

तारीख: 14-3-1982

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ज (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1982

निदेश सं० ए० पी० तं० 3102—यत: मुझे, के० के० मिलल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1981

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- 1. श्री रनवीर सिंह पुत्र बहादुर सिंह, श्रमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह सपुत्र रनवीर सिंह द्वारा जी० ए० हरिजन्द्र सिंह पुत्र मनोहर सिंह, नकोदर रोड़, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री सतपाल जागी पुत्र रोमन लाल, जोधराज गुप्ता (एच० यू० एफ) पुत्र विध्या प्रकाम गुप्ता और जै किमन पुत्र मनीराम और बीना चोपड़ा पत्नी बेद प्रकाम, श्रनील दत्ता पुत्र श्रीर श्रनीता दत्ता पुत्री श्राफ डी० के० दत्ता, जोगिन्द्र कौर पत्नी दलवीर सिंह और गुरदेव कौर पत्नी बसंता सिंह द्वारा संतपाल जागी वासी ई० श्रो० 138, जुरा गेट, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है) 🛮

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूधी

जमीन 4 कनाल 8 मरले जो कि खुरला में स्थित है श्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2997 दिनांक जालन्धर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

के० के**० मिसल** स्**भृम् प्राधिकारी** सहायक आवकार आय्**क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर** 

तारीख: 14-3-1982

प्ररूप आहूँ, टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 फरवरी, 1982

सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2349:—भ्रत: मुझे, देव-प्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाए मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

शौर जिसकी सं० मकान नं० व प्लाट नं० 78/3 का भाग तथा जो गोलवाजार बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23-9-81 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वर्ग 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना पर्राहर था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री सालिकराम पुत बारिका प्रसाद सोनी, 2 सुख सागर 3 श्रानन्दमोहन 4 मनमोहन पिसरान, सालिक-राम योनी, सा० टिकारी तहसील जिला बिलासपुर। (श्रन्तरक)
- श्री गणेश प्रसाद पुत्र मालिकराम मोनी मा टिकारी तह बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सुचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-धर्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकांगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्स श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अन्स्ची

गोलबाजार बिलासपुर स्थित प्लाट नं० 78/3 पर निर्मित मकान का एक भाग।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज गंगोती भवन, चौथी मंजिल, भोपाल,

नारीख: 20-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 फरवरी, 1982

सं० श्रार्ष० ए० सी०/ग्रर्जन/2350:---श्रतः मुझे, देव-प्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान का भाग एवं प्लाट नं० 78/3 है तथा जो गोलबाजार बिलासपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 23-7-81,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रितफल के अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरिती) (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री सालिकराम पुत्र द्वारिका प्रसाद सोनी 2, मुखसागर
 ग्रानन्द भोहन 4 मनमोहन पिसरान सालिकराम सोनी, सा०टिकारी तह० जिला बिलासपुर।

(अन्तरक)

 श्री मनहरणलाल मोनी पुत्र मालिकराम सोनी सा० टिकारी तह० जि० बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसची

गोलबाजार बिलासपुर स्थित एक मकान का भाग जो प्लाट नं० 78/2 नजुल शीट नं० 32 पर निर्मित है।

> देव प्रियपन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोती भवन, त्रौं री मंजिल, भोपाल,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख: 20-2-1982

मोहार !:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 फरवरी, 1982 सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2351:—ग्रत: मुझे देव-प्रिय पन्त.

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है,

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो लक्ष्मीपुरा वार्ड सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सागर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 8-7-1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्तित के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, तिम्ति खिन उद्देश्य में उक्त अन्तरा निजित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के पधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बनने में मुदिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, निन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 चा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिसने चें सुविधा के लिए;

अत: प्रज, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उत्तत ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन. निम्निजिखित व्यक्तियों. ग्रिथीत:—
7—6GI/82

1. श्री पुरुषोत्तम राव 2. श्री कृष्णराव पुत्न पिसरान श्री काशीनाथ टोले जि॰ लक्ष्मीपुरा सागर हाल नं॰ 1 रायपुर नं॰ 2, जबलपुर।

(अन्तरक)

 श्री राजकुमार पुत्र कस्तूरचन्द जैन जिला बरियाघाट, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रिधियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

## अनुसूची

लक्ष्मीपुरा वार्ड स्थित मकान नं० 258/2 से लगा हुग्रा प्लाट, सागर।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, गंगोती भवन, चौथी मजिल भोपाल

तारीख: 20-2-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 फरवरी 1982

सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/2352:—-यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000 रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० बैशुदा मकान है तथा जो लक्ष्मीपुरा बार्ड सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 8-7-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल किन्नितियाँ उद्देष्य में उक्त अन्तरण निम्नितियाँ नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में म्ध्वधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध वरी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 श्री पुरुषोतम राव 2. श्री कृष्ण राव, पिसरान श्री काशीनाथ राव टोले लक्ष्मीपुरा सागर, हाल नं० 1, रायपुर नं० 2, जबलपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्यारी बहू बैवा श्री राम लाल जैन सां० करैया हजारी तह० एवं जिला, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्ची

लक्ष्मीपूरा वार्ड स्थित म० नं० 258/2 सागर।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्री भवन, भोपाल,

तारीख: 20<del>-</del>2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अरुपवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1982

सं० ग्राई० ए० सी० श्रर्जन /2353:—-ग्रतः मुझे, देव-प्रिय पत्त.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सिविल लाइन्स दमोह में स्थित है (ग्रौर इमसे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दमोह में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 25-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:--  श्री लेखराज दुम्रा पुत्र भवानी दास दुम्रा 2. पृथ्वी राज दुम्रा पुत्र भवानी दास दुम्रा, दमोह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्राणादेवी पत्नी श्रभय कुमार श्रसाटी द्वारा भगवती श्रसाटी, पोस्ट मास्टर, दमोह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

सिविल लाइन्स दमोह स्थित एक प्लाट।

देवप्रय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोत्नी भवन, भोपाल,

नारीख: 23-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

फ्रर्जन रेंज भोपाल, भोपाल, दिनांक 25 फरवरी, 1982

सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2354:—श्रतः मुझे, देव प्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी प्लाट सं० ख० नं० 162/61 है तथा जो पंडरी तराई रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 6-7-1981,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्दोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिधित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिया के लिए;

ततः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण त, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती प्रेमबाई पत्नी कृपा राम साहू बैजनाया पारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

 श्री सुरेन्द्र प्रकाण झा पुत्र बी० राम प्रसाद नि० 747 शान्तिनगर, रायपुर।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मन्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अपि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

पंडरीतराई रायपुर स्थित प्लाटखसरा नं० 162/61।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोती भवन, भोपाल

तारीख: 25-2-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . श्रर्जन क्षेत्र भोपाल,

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1982

सं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन/2355---ग्रतः मुझे, देव-प्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र. से अधिक है

प्रोर जिसकी काट खनका नं 162/61 है तथा जो पंडरी तराई रायपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपबद्ध अनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप में विज्ञत है), रिजन्द्रीयली अधिकारी के कायलिय रायपुर में, रिजन्द्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, 6-7-81,

को पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य हे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिनी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों उद्देश्य में उक्त अन्तरण। लोखन में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातः—

 श्रीमती प्रेमबाई पत्नी कृषा राम साहू बैजनाथ पारा, शयपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सूभद्रा झा पत्नी सुरेन्द्र प्रकाण झा, 747, शांन्ति नगर, रायपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजधन में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु ब्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त श्रव्यां और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

पंडरीतराई, रायपुर स्थित खसरा नं० 162/61 का प्लाट।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्नी भवन, भोपाल

नारीख: 25-2-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन क्षेत्र, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी, 1982

सं० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2356:---भ्रतः मुझे, देव-प्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बंधि, जिसका अस्ति बोजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० नं० 255 का भाग है, तथा जो भाटापारा में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत, 21-7-1981,

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके टश्यमान प्रतिफाल से, एसे टश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निचित नास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अधृत्ः---  श्री प्रहलाव शर्मा पुत्र सुखदेव प्रसाद शर्मा नि० भाटापारा, रायपुर।

(अन्तरक)

 श्री मा० शिशपाल, 2. विजय कुमार 3. संजय कुमार पुत्र किशनलाल बालानी नि. भाटापारा, रायपुर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रमुखीं

हाटरी बाजार (सिधी मार्केट) भाटापारा स्थित म० नं० 255 का एक भाग, रायपुर।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्नी भवन, चौथी मंजिल, भोपास

तारीख: 25-2-1982

प्ररूप आही. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी, 1982

सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2357:—श्रतः मुझे,देव प्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति. जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं मकान नम्बर 255 का भाग है तथा जो हटरीबाजार में भाटापारा में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 21-7-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गृइंहै और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप मे किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 श्री प्रहलाद शर्मा पृत सुखदेव प्रसाद शर्मा भाटापारा रायपुर।

(अन्तरक)

 श्री किणनलाल बालानी मृत दासुमल बालानी, हटरीबा गार (सिंधी मार्केट) भाटापारा, रायपुर। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टी करण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पतों का, जो उक्त प्रिधिः नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

हाटरीबाजार (सिंधीबाजार) भाटापारा रायपुर (स्थत मकान नं० 255 का एक भाग।

देव,प्रय पन्तः,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयक्षर आयुक्त (दिरोक्षण)
श्रर्जन रेंज, गंगोत्री भवन,
चौथी मंजिल, भोपाल

तारीख: 25-2-1982

शक्य आई.टा.णन्.एग्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल,

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी, 1982

सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2358:---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० मकान नं० 2002 है, तथा जो कडरका में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, रायपुर में, र्राजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, 23-7-1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिमाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (व.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिय में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए; शर्रिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिथा को जिए:

પ્રાથય જા હજાણે.

अत: शय, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:——  श्री मनोहर राव पुल पुल्पोतम राव नि० कुसमी तहसील बेमेतरा, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सुशील कुमार, पुत्र वीयन्द्र मल नि० रायपुर। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपभ में प्रकाशन की लारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के गीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किल्ही अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कडरका स्थित भृषि सं० नं० 209/2

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर** आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, गंगोती भवन, मंजिल क्षी, भोपाल

तारीख: 23-2-1982

प्ररूप आइ . टी . एन . एस . -----

आराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल,

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी, 1982

सं० म्राई० ए० सी०/म्रार्जन/2359:---म्रातः मुझे, देव-प्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० 213/3 है, तथा जो कडरका रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, राजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 23-7-1982

को पूर्वीक्त संपरित के उण्जित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रिल्फल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का लारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में राम्तिक हप म कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हाई किमी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय स्पान्तिसी धन या अन्य सास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
8--6GI/82

- श्री मनोहर राव पुत्र पुरुषोतम राव सा० कुसमी (श्रन्तरक)
- श्री शामनदास पुत्र जयन्दमल रायपुर। (भ्रन्तिरसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पिटित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्याख्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसची

कडरका स्थित खसरा नं० 213/3 की कृषि भूमि रायपुर

देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोत्री भवन, 4थी मंजिल भोपाल

तारीख: 23-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालेस, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1982

सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2360:----म्रतः मुझे देव प्रिय पन्तः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- भारति से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि सं० नं० 213 /3 है, तथा जो कडरका रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23-7-81,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एमि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्कट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, क्रिपान में म्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री मनोहरराव पुत्र पुरुषोतम राव सा० कुममी। (श्रन्तरक)
- श्री द्वारकादास पुव रूपचन्द रायपुर, । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंरके पूर्वोक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

कडरका स्थित कृषि भूमि सं० नं० 213/3।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोली भवन, चौथी मंजिल भोपाल।

तारीख: 23-2-1982

प्रकप पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-म** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1982

सं श्राई ० ए० सी ० श्रिजें न / 2361: — श्रतः मुझे देवप्रिय पन्तः,

म्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पश्चम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्बत्ति, जिनका उजित बाजार मूख्य 25,000/ रुपय से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब० न० (2) है, तथा जो कन्टोनमेंट जबलपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय जबलपुर में, रिजट्ट, करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, 16-7-1981,

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान इतिकल के लिए प्रत्निश्त को गई है और पूर्व पर विष्यान करने को कारण है कि प्रधापूर्वीकत संग्रोंस का उदिन बाजार मूल्य उसके दृश्यमान शिकत है, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का प्रखह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्नरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, तिम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त पन्तरण निश्वित में वास्त बिक क्ष्य से क्षित नहीं लिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की याबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्नरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने पें मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य पराध्तयों की, जिन्हें भारतीय ग्रापकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए)

अतः अब, उनन पश्चितियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधितिसम की धारा 269-न की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —  राजमाता श्रीमती प्रियम्बदा देवी पत्नी ठाकुर धर्म-राज सिंह ।

कवधी हाउम, रायपुर ।

(अन्तरक)

2. देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री ग्रार० ग्रार० सिंह 2. श्रीमती दर्शन पत्नी बी० सिंह, 3 योगेन्द्र सिंह, महेन्द्र सिंह, सत्यन्द्र सिंह, पुत्र श्रार० श्रार० सिंह, 1225 नेपियर टाउन, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त संपक्ति के अअंन के लिए कार्य**नाहियां** करता हूं।

उक्त सम्पत्ति ६ अजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मारिस रोड जबलपुर कन्टोमेंन्ट स्थित बंगला नं० 2 (ई) सर्वे नं० 101 जबलपुर।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्री भवन, चौथीं मंजिल भोपाल,

तारीख: 23-2-1982

प्ररूप आहू . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० म० न० 26/339 हैं, तथा जो रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज्ञ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 30-7-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निभ्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 सर्वश्री बालकृष्ण लाल अग्रवाल, 2. वामोदर प्रसाद श्रग्रवाल, 3. लम्बोदरप्रसाद अग्रवाल, 4. बी० पी० श्रग्रवाल, 5. श्रीमती कुंजमित पत्नी बी० पी० श्रग्रवाल, कंकालीपारा, रायपुर।

(अन्तरक)

 श्री बीरबल प्रसाद पुत्र देवकीनन्दन 2 सत्यनारायण श्रग्रवाल, सदरबाजार रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पारत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताधारी को पत्र लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त राब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कंकालीपारा स्थित म० नं० 26/339 रायपुर।

देवप्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्री भवन चौथी मंजिल भोपाल

तारीख: 23-2-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

खासका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देण सं० 381/81-82—यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 209-व के अधीर सक्षम प्राथिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर अम्पिन, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नंबर 295 ग्रीर 296 है, जो हैघासला ग्राम, सकलेशपुर कस्बा, में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सकलेशपुर ग्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 631 दिनांक 30-7-1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलियिट उद्देश्य से उदन अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री हाजी बि०एम० महमूद के पत्नी श्रीमती नूरजहान । एस्टेट मालिक, बि०एस०रोड, सकलेशपुर

(भ्रन्तरक)

 श्रो एम बैकुंट प्रभु के पुत्र श्री जि०एम० विट्टल प्रभु, बेलंक्षगर्डि, डिस्ट्रिक्ट मंगलूर ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सकलेणपुर कसबा, हैक्षासला ग्राम में स्थित 18 एके 36 गुंटा जमीन जिसका सर्वे नंबर है 295 भीर 2 एकक 8 गुंटा जमीन जिसका सर्वे नंबर है 296।

> श्रीमती मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज बंगलीर

तःरीख: 4-12-1981

मोहर 🗟

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर **आयुक्त (िनरीक्षण)** श्राजैन रेंज-भा, बंगलर

बंगलूर, दिनांक, 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० सी०ग्रार० 62/31602/81-82/एक्यू०बी०--यतः मुझे मंजु माधवन्

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 17, नया सं० 107 (होटेल शिलवाहन) है, तथा जो कर्ट स्टान्ड रोड़, जालोमेहला, बेंगलूर-53 में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ता० 20-7-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से करियत मुही किया गुमा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई जिस्सा आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए, और या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्राधनकर अधिनियम, श्राधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री बी०वी० रामचन्द्रप्पा सं० बी०-91 पोलील रोड़ बंगलुर

(अन्सरक)

'2. श्री श्रार०मंकर सं०-5, गेज्जे बसप्पा मेट्टी लेन, काटन पेट बंगलुर

(अन्तरिती)

3. मैंसर्स होटेल शालिवाइन, प्रतिनिधि है इसका पाटनर श्री के० पांडयन, गनपतम्या पिलले के पुत्र, सं० 17, नया सं० 107, कार्ट स्टान्ड रोड़, जाली मोहल्ला। बंगल्र

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पाड्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसृची

(बस्तावेज सं० 1561/81-82 ता० 20-7-

घर संपत्ति है जिसका सं 17, श्रीर नया सं० 107, (होटेल शालिबाहन) तथा जो कार्ट स्टान्ड रोड़, जाली मोहरूला, बंगलुर-53, में स्थित हैं।

> मंजू माध्रवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) **धर्जन रेंज, बंगल्**र

तारीख: 14-12-1981

मोहर :

1981)

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्देश सं०-401/81-82---यतः, मझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उलत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यर्वे नंबर 4/10 पी० है, जो थलगोडु ग्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुडिगेरे श्रंडर डाक्युमेंट नंबर 282 नारीख 6-7-1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अंगरकों) और अंगरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उवत अन्तरण निम्नित में वास्तिवक रूप से स्वीत सही कि सा नया है न

- (क) अन्तरण में हुई किमी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे तमने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का १००० के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने संस्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन. निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--  श्री/ जे० एम० वसंतकुमार जालिमने, थलगोडु ग्राम, कलसा होत्रली तालुक मुख्यिंगे।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री एच० सिगप्यया
  - (2) श्री एच०वि० श्रीनिवासय्या
  - (3) श्री एच०वि० मुख्बाराव
  - (4) श्री एच०वि० गेगगिरिराव
  - (5) श्री एम०भ्रार० पदमनाभ,

होथन गहें हेरूर ग्राम, मेगुंडा होवली, पोस्ट बसरिकट्टे, नालुक कांप्पा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त मम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय. गया है।

## अन्सूची

थलगोडु ग्राम में स्थित 8 एके काकि ल्यांड जिसका सर्वे नंबर है 4/10-पी०।

श्रीमती मंजु साधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरोक्षण) ध्रजन रेंज, बंगलोर

तारीख: 15-1-82।

# प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.—

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 5 फरवरी 82 निर्देश सं०-सि०ग्रार०नं० 62/31971/81-82/एक्यू०/बी० —यत: मंज् माधवन्

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर मंणीत जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1554, है, तथा जो बाणिविलास् रोड़, के०श्रार० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठानियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 28-7-1981

का पूर्वांक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्तित में बास्तिवक हुए से काथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से क्चने में सुविधा के लिए बार/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमतो जानकारी बाई, मार्फत श्री मोहन्लाल होल् सेल् वस्त्र व्यापारी, अशोक। रोइ, लक्शर मोहल्ला, मसूर।

(अन्तरक)

 श्रः दर्मीचन्द् बोफना,
 श्रधिकारी, श्री श्री० जैना स्वेताम्बरा तेरापंट् द्रस्ट् वाणिविलास रोड़,
 मैसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारांक में 45 दिन की अवधि या हत्यम्बन्धी व्यक्तिया। दर सन्तर की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवस्थि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांक्तयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकरेंगे।

म्यख्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों कर्य होगा जो उस अध्याय ये दिया गया ४ः

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1611/81-82 ता० 28-7-81) नं० 1554, वाणिविलास रोड़, के०श्रार० मोहस्ला मैसूर-4।

मंजु मांधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन टेंज, बंगलुर

न(रीख: 5-2-82।

प्ररूप आर्घ . टो . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 जनवरी 1982

निदेश सं०-सि०श्रार०नं० 31989/81-82/एक्यू० 'बी' ---यतः, मुझे मंजु माध्यन्

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

है, तथा जो 36th काम रोड़, 8th ब्लाक् जेयनगर भ्रौर जिसको सं० 260/37, बंगलूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी कार्यालय, जेयनगर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 19-9-81

को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

लतः अब, उर्ा अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9--6GI/82  श्री बी० मी० सुब्राय मूर्सी, 103, प्रकाशनिलयम्, शंकर मट्रोड़, शंकर पुरम्, बेंगलूर।

(अन्तरक)

 श्री ड:० एन्० नाय्डू जरगन् हली गांव, उत्तर हली होब्ली, बेंगलुर दक्षिण नालुक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2731, ता० 19-2-81)  $\label{eq:total_final} \vec{r}$ ं 260/37, 36th फ्रास्, 8th ब्लाक्, जैयनगर, बेंगलूर-II।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (जिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीखा: 27-1-82

प्ररूप **नाइ**. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक, 19 फरवरी 1982

निर्देश सं० सी०म्रा२०-62/31604/81-82/एक्यू०/ 'बी'।—यतः मुझे, मंजु माधवन्

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 36 ग्रीर प्रिमैसिस सं०-37 है, तथा जो स्टेंट्स पिक्चर हाऊस् केंम्पेगौडा रोड, बेंगलूर-9, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 10-7-1981

को पृत्रों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) श्रीमती हरदेवीबाई के बजाज, सं०-181, VI क्रास, गांधीनगर, बेंगलूर-9।
- (2) श्रीमती भगवतीबाई एल चेब्रीयां, सं०-406, XII कास, श्रार०एम विलाम एकस्टेनसन-बेंगलुर ।
- (3) श्री शामलाल के बजाज, सं०-14, डा० राधा-कृष्णन रोड IX लेन, मेलापुर, मदरास ।

- (4) श्री गिरिधर के बजाज, सं०-181, VI कास रोड़ गांधीनगर बेंगलूर-9।
- (5) श्री तुलसीदास के बजाज सं०-43, कन्नींगहांम रोड़, बेंगलूर-52।
- (७) श्री श्रीचंद के बजाज, हरदेवी चेम्बरस् पातीयान रोड, मदास-८।
- (7) श्री चंद्रकुमार के बजाज, सं०-181,  $V^{I}$  कास रोड़, गांधीनगर बेंगलूर-9।

(अन्तरक)

2. मेमर्स कौणिक एन्टरप्रेसर्स, प्रतिनिधि है श्री तल्लाम एन, नंजुंड गोट्टी, तल्लाम पेद्ध नारायन गोट्टी के पुत्र, सं०-133, कुमारा पार्क वेस्ट एकस्टेन्षन, I ब्लाक रेंलवे लेन पेरलेल रोड़, बेंगलूर-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

(दस्तावेज सं०-1456/81-82 ता० 10-7-81)

घर संपत्ति है जिसका सं०-36, (पुरानी सं०-6) भौर प्रिमेंसिस सं०-37 (पुरानी सं०-10 भौर 31) जिसका नाम है स्टेट्स पिक्चर हाऊस् तथा जो केंपेगौडा रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

चकबन्दी है।

पू० में---एल०ए०सी० ग्राफ इन्डीया के महल।

प० में--देवांग संघ महल।

उ० में--सेन्ट्रल कालेज हास्टेल कांपोन्ड।

द० में--केंपेगीडा रोड़।

मंजु माधवन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 19-2-82---

महिर :

# प्रकप धाई• टी॰ एन• एस•--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष(1)** के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 26 फरवरी 1982

निर्देश सं०सी. ग्रार. नं०-62/32769/81-82/एक्यू०/ 'बी'।——यतः मुझे मंजु माधवन्

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

**श्रौर** जिसकी सं० 143/2

तथा 43/7 है, तथा जो खेत होमकेरी, कंतुर गांव ; कोड़गु जिल्ले में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरकारा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन ता॰ 10-7-1981;

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथपाया गया प्रतिफल किस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से तुई किमी ग्राय की बाबत जनत ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐनो िन्सी श्राय या कियी बन या अस्य आस्तियौँ को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर मिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत:, अन, उबत अधिनियम, हा बारा 269ना के प्रातुमरण में, में, उब्त अधिनियम की धारा 269न्य की उपछारा (1) के अधीन, निश्निसिखत व्यक्तियों, खर्थातु !—— श्री/ डबल्यु०ए० मदय्या (तथा छे भ्रादिमियों)
श्री प्रप्यया के पुत्र,
कन्तुर गांव,।

(अन्तरक)

श्री बि० जैयगोपाल,
 ग्रौर श्री सूसा जैय गोपाल,
 मारगोडु गांव, मिक्किरि तालुक।

(अन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूचीक्य सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति ग्राग;
  - (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्त में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## भगस्ची

(दस्तावेज सं० 508, ता० 10-7-81) खेत, जो हासकेरि, कान्तुर गांव, कोड़गु तालुक में है।

विस्तार— 26.01 एकड़ एस बाई०नं०-143/2 भौर 43/7 में है। —32 05 एकड़ गोडल 'बी०' में है।

> मजु माधवन सुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 26-2-82

मोहर् 🛭

प्ररूप बा**ई**.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 17 दिसम्बर 1981,

निदेश सं० III 530/म्रर्जन/81-82 ----यतः मुझे **हृ**दय नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तौजी मं० 439, वार्ड सं०-11 सिंकल संख्या 28, सीट मं० 70, एम० एम० प्लौट सं० 293, होल्डींग सं० 276 (पुराना) है तथा, जो नया 288 श्रमकृदी मछुश्राटोली (जो श्रवेलाश लेन से जाना जाता है) थाना कदमकुश्रां, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारं ख 13-7-1981

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापृवांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती/ गैलकुमारी देवी जौजे श्री लक्ष्मण मर्मा निवासी---मौजा भेलदी थाना परसा, जिला मारण (छपरा) वर्तमान निवासी बुद्धकोलोनी पुलिस स्टेशन के समीप, पटना।

(अन्सरक)

(2) श्री हरिराम श्रग्नवाल श्रातमज श्री रुली राम श्रग्नवाल, निवासी सब्जीबाग, थाना-पीरवहौर, जिला पटना, वर्तमान पता:—

श्रम<mark>घदी मछ</mark>ुग्राटोली (जो श्रवुलाश लैन से जाना जाता। है),

थाना कदमकुम्रां, जिला ′पटना ।

(अन्तरिती)

(3) श्रंतरिती द्वारा स्वयं अधियोग (वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई। भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अन्स्ची

जमiन 5 स्राना 4 पाई हिस्सा जो  $10\frac{1}{3}$  धुर जमीन के बराबर होता है।

जिस पर तीन मंजिला मकान स्थित है [एवं जो ध्रमरूदी मछुग्राटोली (जो श्रवुलाश लैन से जाना जाता है) थाना कदमकुत्रां, जिला पटना में पड़ता है तथा पूर्णरूप से विस्ता संख्या 5296 दिनांक 13-7-81 में विणित है एवं निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

हृदय नारायण सक्षम प्रानिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख: 17-12-81

मोहर 🖫

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेश सं० III 544/ग्रर्जन/81-82 — ग्रतः मुझे हृदय नारायण

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

भौर जिसकी सं ० प्लाट नं० 161 सब प्लाट सं० 57 खता सं० 207 खेविटा नं० 9/1 है तथा जो ग्राम हीनू रांची में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीकरण अधिनित्मम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी हा 15-6-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण संहूर्य किसी आय की बाबत, उसत जिथानियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; बार्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री राधाकृष्ण विजयभागीया बल्द स्व० लक्ष्मी नारा-यण विजयभागीया, निवासी डोरन्डा थाना डोरन्डा जिला रांची श्रीर (ii) श्री राम स्वरूप विजयभागीया बल्द स्व० सूबा लाल विजयभागीया निवासी चुटीया थाना चुटीया जिला रांची
- (2) श्रीमती/ डा० (मिसीस) प्रेम लता श्रीवास्तवा जौजे श्री विनय कुमार सिन्हा निवासी ग्राम गुलाब बाग थाना वेतीया, जिला पश्चिमी चम्पारण वर्तमान निवासी लेडी डाक्टर क्वाटर, सदर ग्रस्पताल कम्पाउन्ड, रांची ।

(अन्तिरती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

## **मन्**स्ची

जमीन का रक्षा 10 कठा 6 छटांक एवं 11 वर्ग फीट एवं छोटा मकान और चाहरदिवारी सहित मौजा ग्राम हीन थाना डोरनडा जिला रांची में स्थित है एवंमूं पूर्ण रूप से विसका सं० 8607 दिनांक 30-7-81 में विणित है तथा निबन्धन जिला भ्रवर निबन्ध के पदाधिकारी रांची द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृ्दय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 17-2-82

प्ररूप आहे. टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास दिनांक 12 फरवरी, 1982

निदेश सं०-11523 — यतः, मुझे, श्रार० रविचन्द्रन धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं ० 8-बी ० / 4-6-48, है तथा जो डाक्टर, राधाकृष्णत रोड, कोयम्बट्र में स्थित है (और इससे उपाबस मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र (डाकूमेंट सं०-3418/81) में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 81 को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के प्रदेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, नम्नलिखित उद्वरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से प्रथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अरिस्तयों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अतः अत्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों सुधीतः-- (1) श्रम्मनि श्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) टी॰ग्रार॰ नंजपन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय मो दिया गया है।

## अनुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण-8बी/46-48, डाक्टर राधाकृष्णन् रोड, कोयम्बट्ट (डाक्मेंट सं०-3418181) ।

श्रार० रविचन्द्रन लक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 12-2-82

मोहर 🗠

प्ररूप आहूं.टी. एत. एस. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिनांक 1 मार्च, 1982,

निदेश सं०-127 ,128 ग्रौर 129/जू०कै०/81।—यतः; मुझे, ग्रार०रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ण के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्राय०एस० सं० 173/ 6, एस० सं० 170/2. 170/1, ग्रार० एस० सं० 171/2, एस० ए०-170/3 ग्रीर 171/1, कोन्डप्पनाथकनण्ही, सेलम टालूक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जे०एस० ग्रार० 1, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-7-81 (डाक्मेंट सं० 5170/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किता निम्नीसिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुचिधा के लिए,

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) रूत श्रम्माल और श्रदस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती नवनिटस एस० मेता ग्रीर ग्रद्रस । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अभूस्ची

(भूमी भ्रौर निर्माण—शार०एस०, सं०-173/6, एस०सं०: 170/2, 170/1, भ्रार०एस० सं०: 171/2, एस० सं० 170/3 भ्रौर 171/1 कोन्डप्पनायक्कनपट्टी सेलम टालूक—डाकूमेंटस् स०:5170/81।

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1, मद्राम

तारीख: 1-3-82

प्रारूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भूर्जन रेंज-2, मद्राम

दिनांक 2 मार्च, 1982।

निदेश सं० 11517---यतः, मुझे श्रार० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी॰एस०-1100/1 बी॰, श्रौर 1100/2-बी॰ (पारट) है, जो क्रुष्टरामपुरम् में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर (डाक्सेंट सं०-4110/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन 16 जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम द्रश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक किन निम्मिणिक न्युद्धेश्य में उकन अन्तरण जिल्वित में वास्त्रिक क्य में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मी, मी, उपन अधिनियम की धारा 269-ए औं उपधारा (1) क अधीन नियनिस्ति व्यक्तियों अर्थात:--

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी जीव्यारव घोविठंराजुलु ग्रौर सनस चेरिटीस।
- (अन्तरक) (2) श्री/श्रीमती/कुमारी श्रार०सी० डेप्प रेट्टी श्रीर श्रदरस ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## and the

भूमी--सर्वे 11001 बी श्रौर 1100/2 बी०, कृष्णनरामपुरम, (डाक्मेंट सं०-4110/81)

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-2, दद्राम

तारीख: 2-3-1982.

मोहर 🗄

प्ररूप आर्द्द . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अर्थात मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-ा, भद्रास

मद्रास. दिनांक 2 मार्च, 1982

निदेश मं० 11535—यनः, मुझे, आर० रविचन्द्रन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापन सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. न जीधक हो

और जिसकी सं० सरवे, सं० 518, 519, 520, 509 (पारट) 530, हैं, जो सिनगरल्लूर में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाकूमेंट सं० 1268/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के स्रधीन 16 ज्लाई 81

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटिश्त को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितिशों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायितव में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एंभी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने से मिकिश के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनूसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर जिम्मिति व्यक्तियों, अधीत् :--10-6GI/82

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी एस०भ्रार० पलनियप्पन
  - (अन्तरक)
- (2) श्री/श्रीमती/कुभारी रास॰राम॰ पलनिस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चन। के राजपत्र में प्रकाशन की शारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पृथा कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमी सरवे 518, 519, 520, 509 (पारट) 530, सिनगनल्लूर (डाकमेंट स० 1268/81)

> श्रार. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I मद्रास

नारी**ख**: 2-3-82

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अधिकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के घ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1982

निदेश सं०-11535.—यतः, मुझे, ग्नार० रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित दाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सरवे 520, 521, 509 (पारट) 530, है, जो सिनगनल्लूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाक्स्मेंट सं०-1269/81 में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 81

को पूर्वे कित संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण भें , जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री एस०ग्रार० पलनिययन

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० सुद्रमनियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअध्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

## अनुस्ची

भूमी-सर्वे सं० 520,521,509,530, सिनगनल्लूर (डाक्मेंट सं० 1269/81)

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मद्रास

तारीख: 2 मार्च 1982

प्ररूप आहे .टी . एन . एस . -----

# आयकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के ग्रवीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-II, मद्राम

मद्राम दिनांक-2 मार्च, 1982

निर्वेण सं०-11535 .--यतः, मृझे, ख्राप० रविचन्द्रन ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पड़वात् 'उस्त अधिविषम' कहा गया है), की घारा 269-ख के आगत नवत प्राधिकारों का, यह विश्वाम करने का व्यव्ण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रुपल्य ग्राधिक है

श्रीर जिसके (मं० सर्वे 521.509 (पारट) 522 है, जो सिनग-नल्लूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण प्र्य से बिणत है), रिजस्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिनग-नल्लूर (टाक्मेंट मं० 1270/81) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रियीम 16जुलाई 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रतीन कर देने के अन्तरण के वायिश्व में कभी करने या उसा वचने में सुश्वधः के लिए और/या;
- (श्व) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भिष्ठित्यम 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त भ्राधिनियम को बारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त भ्राधिनियम की भारा 269-म को उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री एस० भार० पलनियपन

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० गुरुगन

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रज्ञंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त तम्पति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षिप:-

- (क) इस सूचना के राजाच में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस प्चना के राज्यत्र में अक्तागन को तारीख से
  45 दिन हे भोगर उनत स्थातर भम्पत्ति में हितअब
  किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लाहरूनाक्षरी के पास
  लिखित में किए जा मर्हों।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुवत ग्रन्थों और पथीं का, जो उच्त ग्रिकिन्यम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उस शब्धाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमी---सर्वे-521, 509, 522, सिनगनल्लूर (डाक्नूमेंट सं०-1270/81)

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आशृक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 2 मार्च, 1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्-11, मद्राम

मद्रात, दिनांक 2 मार्च 1982

निवेश सं०-11535---यतः मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे-522, 509/17, 509/18, 523ए, 530 है, जो सिनगनल्लूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाकूमेंट सं० 1271/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रीन जुलाई 81

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखत में शस्तिक हम से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् िक (1) श्री एस०ग्रार० पलनियप्पन ।

(अन्त्रक)

(2) श्री एस० राम कनदस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्ल सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमी सर्वे 522, 509/17,509/18, 523ए, 530, सिनगनल्लूर (डाक्मेंट सं० 1271/81)

> ग्रार०रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

तारीख: 2 मार्च 1982

मोहार 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एस०ग्रार० पलनियप्पन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम०राम० लक्क्षमन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्राप, दिनांक 2 मार्च 1982

निदेश मं० 11535 — यतः, मुझे, श्रार० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 523, 524, 509/16(पारट) 530, है, जो सिनगनल्लूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाक्मेंट सं० 1272/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रीधीन 16 जुलाई 81

का पूर्वोक्त नपित के जिल्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एमें दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमी-सर्वे 523, 524, 509/16 (पारट) 530, सिनगनल्लूर (डाक्मेंट मं $\circ$  1272/81)

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज- II, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:—

तारीख: 2 मार्च, 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1982

निदेश सं० 11535 — यतः, मुझे, श्रारं रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ — रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मर्बे 524, 525, 509/18(पारट) 530, है, जो सिनगनल्लूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाकूमेंट सं० 1273/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1981 का

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के द्रश्यमान प्रतिपाल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करशे का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप सं कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधि यम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री एस॰ग्रार्॰ पलनियप्पन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रथ्यम्माल ग्रार०ग्रदरस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त घब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

भूमी-सर्वे 524, 525, 509/18 (पारट), 530, सिनगनल्लूर (डाकुमेंट सं० 1273/81)

ग्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2-3-82।

## प्रह्म आई० टी• एन० एस•--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1982

निदेश सं०-11535 — यतः मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 525, 526, 519 (पार्ट)/18, 509/19, 530, है, जो सिनगनल्लूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाक्नेमेंट मं०-1274/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/गा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री रास०भार० पलनिययन ।

(अन्तरक)

(2) श्री रास०रा० वेल्लिनगिरि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 पिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमी सर्वे. 525, 526, 519/18 (पार्ट) 509/19, 530, सिनगनल्सूर (डाक्मेंट सं० 1274/81)

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्राम

नारी**ख** : 2-3-82

प्ररूप भार्ड .टी. एन . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1982

निदेश सं० 11518—यतः, मुझे, भ्रार० रिवचन्द्रन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 242. 243 है, जो श्रविनाणी रोड़ कोयम्बट्टर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 4120/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 81 को को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जे० वालटर

(अन्तरक)

(2) दि माइरन एलकड़िक कमानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठों कर व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमी श्रौर निर्माण-242, 243, श्रविनाणी रोड़, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4120/81)

म्रार० रिवचन्द्रन सक्षम अधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज- , मद्रास

तारीख: 2-3-82

प्ररूप बार्इ.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायक (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1982

निर्देश सं० 11517--यत, मुझे, स्रार० रविचन्द्रन

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस-1100/1 बी० ग्रौर 1100/2 बी० 1100/3रा०, 1100/4 रा है, जो कृष्नरायपुरम् में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टूर (डाक्सेंट सं०-4113/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908(1908) का 16) के ग्रिधीन जुलाई 81

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर्षे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप में किथा नहीं किया गया है---

- (क) मृत्तर्भ से हुई किसी भाग की बाबत , उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बार्ट/बा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वैत्या के सिएह

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों मुर्णात्:— 11—6GI/81 (1) श्री जी० ग्रार० धोविठंराजुलु,

(अन्तरक)

(2) श्री एल० जी० बालकृष्णन ग्रौर ब्रदरस लिमिटेड । (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमी टी॰एस॰-1100/1 बी, 1100/2 बी॰, 1100/3 रा, 1100/4 रा, कुष्नरायपुरम (डाक्मेंट सं॰-4113/81)

म्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजन-रेंज-II मद्रास

तारीख : 2-3-82

प्ररूप् काई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1982

निर्देश सं० 11517 — यतः, मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी॰एस०-1100|1 बी॰, 1100|11 बी॰ जो कृष्नरायपुरम में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टर (डाक्सेंट सं० 4114|81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 81 की

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में स्विधा के लिए

(1) श्री जी० श्रार० घोविनठराजुलु, ग्रौर सन्स चेरिटीस

(अन्तरक)

(2) श्रीवालाजी नायबु ग्रौर ग्रदरस

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 विन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमी टी० एम० 1100 बि और 1100/IIबी कुप्तरायपुरम, कोयम्बद्भर (डाक्मेंट सं० 4114/81)

> श्रार० रविचन्द्रनं, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख : 2-3-82

प्रकृष आई. टी. एन. एस. \*\*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1982

निदेश सं० 11517 — यतः, मुझे, आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी०एम 1100/1 बी, 1100/2 बी० है, जो क्रु॰नरायपुरम् में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ में, श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० (4112/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृत्युषा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, मं, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियाँ, ज्यांत ध---

- (1) श्री जी० श्रार० घोविठंराजुल श्रौर सनस चेरिटीस (अन्तरक)
- (2) श्री नारायनस्वामी भ्रौर श्रदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिए-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमी टी० ए.म० 1100/1 बी, 1100/2 बी०, कृष्नरायपुरम् (डाकूमेंट सं० 4112/81)

भ्रार० रविचन्द्रन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉजनार, मद्रास

तारीख: 2-3-82

प्ररूप आ**र्ष**ं .टी . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गाय 269 ज (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर अध्यक्त (जिसीक्षण) अर्जाज गाँजन्य । सम्बास

मद्रारा, दिनांक 2 मार्च, 1982

निदंश मं० 11516:—यत मुझे, स्रार० रविचन्द्रन आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी०एय० 8|28, है, जो टेलुनगुपालयम (डाक्मेंट सं० 4068/81) में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बद्धर में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिका मों कमी करने या उससे वचने में सविधा के किए; और/या
- (ख) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निणिलित त्यिक्तियों, अर्थातु :--- (1) मैसर्स कुप्पन्न घौडंर श्रौर **श्रदर**स

(अन्तरक)

(2) वेलुस्वामी घोंडंर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तन सम्पत्ति को अर्जने को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविधि और पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किशी व्यक्ति हुतारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकों में।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रत्या शब्दों और पदों का, जो उन्तर अस्ति व्यापन, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमी-सर्वे 8/28, टेलुनगुमालयम (डाक्मेंट सं॰ 4068/81)

श्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मन्नास

्नारीख : 2-3--19९?

मोहर ः

# प्ररूप माई•टी०एन•एस•--

प्रायकर मर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

ं मद्वास, दिनांक 2 मार्च, 1982

निदेश सं० 11526:—यतः, मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उवित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० 41,42,43 बी०, 44, 7,8,9—श्ररकोठ, 14 श्रौर है, जो 33,—काकोठ, कोट-गिरि में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, कोटगिरि (डाक्मेंट सं० 746/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिन्तम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 जलाई 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीक्षक है श्रौर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक का मन्तरिक के से किया गया है :-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसे भाय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसा धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रय, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, चक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के प्रश्रीन निम्मलिखित क्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री मोहमव जाफर ग्रबदुल रहिमान सेयट । (अन्तरक)
- (2) मैंसर्स जारज फिलिय थ्रौर श्रदर्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्चता के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी कि पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ख्रौर पढ़ों का, जो **उक्त** श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमी-भार० एस० 41,42, 43 बी०, 44,7,8,9—-ग्ररकोठ, 14 श्रौर 33 काकोठ (डाक्मेंट सं० 746/81)

> ग्रार० रविषक्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , नई दिल्ली

तारीख : 2-3-82

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

सायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1982

निदेश सं० 11517:— यत: मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी॰एस॰ 1100/1 बी॰ 1100/2बी है, जो कृष्नरायपुरम् में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयस्त्रट्र (डाक्सेंट सं० 4111/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन 16 ज्लाई 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- (1) जी० प्रार० घोविटंराजुलु ग्रौर मनस ।

(अन्तरक)

(2) चेरिटीस पी० समिवरनं श्रीर श्रदरस । (अन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पुर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

भूमी—टी॰एस॰-1100/1वी॰ श्रौर 1100/ 2बी० कृष्नरायपुरम् (डाक्सेंट सं०-4111/81)

> श्रारं० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-१।, मदास

्तारीख----2-3-82 । .

प्राच्य आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) कं अधिन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन गाँज II. अहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 10 फरवरी, 1982

निदेश सं ० प. ० स्नार ०नं ०-1 487/एक्व / 23-II/ 81-82 :---श्रतः मझे, जी०मी० गर्गः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं०-96/1, एफ.० पी०नं० 297, सी०एस० हैं। तथा जो नं०-7462, स्टेशन रोइ, उनजा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय उनजा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-7-1981

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गुल्य, उसके द्वयमान प्रतिफाल से, एसे द्वयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निर्शिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हाई किसी माय की बाबत, उक्त मि-नियम के प्रश्नीन कर देने के धन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; षोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) ले अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रामती सुम्राबेन, भीकचन्दजी, भीकचन्द रुधनाथजी का पटनी ।
- (2) श्रीमती गानताबेन सुमारीमल, सुमारीमल कोकचन्दजी का पत्नी। दोनों उनजा में रहते है। महसाना जिला। (अन्तरक)
- (2) श्री शाह चमपालाल जे० मधकनज होता । मोमायटी उनजा जिला महमाना।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीयन सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भुचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा:
- (अप) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिकाखित हैं। वही अर्थ होगा जो उस अख्याय में दिया गया **है** ।

## अभूस्ची

जमीन ग्रौर मकान जो एस०नं० 96/1, एफ०पी० नं० 297, सी०एस० नं० 7462 स्टेशन रोड उनजा में स्थित है ग्रीर जो बिक्रीखन (नं० 665) पर उनजासब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 3-7-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-II, अहमदाबाद

नारीख :--10-2-1982 मोहर :

## प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदावाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1982

निदेण नं० पी०श्चार०नं०-1 490/एक्दी/ 23-IJ/ 81-82 :---श्रतः मुझे, जी०सी० गर्ग

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० श्रार० एम० नं० 802-803-804-805 हैं। तथा जो हीसा नं० 1/1 कास्त्रा पालनपुर सिप में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबज ग्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पालपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन 27-7-1981

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कः) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरे/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविभा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निष्टिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो पटेल बेछर भाई जेठा भाई। सणलपुरा।
- (2) बेखर भाई हीरा भाई। पालनपुर।
- (3) पटेल बेछर भाई गेला भाई। रामपुर। (सादारपुर)
- (4) पटेल रामचन्द भाई मनजी भाई।
- (5) पढेल बोरचन्द भाई रतनाभाई।, रायपुर (सादारपुर) पालनपुर मालुरवा।

(अन्तरक)

- (1) मैनर समीकुमार बाबुलाल सोमानी
- (2) मैनर जगदीशकुमार बाबुलाल सामानी। दोनों के द्वारा रक्षकतो बाबुलाल पोपदलाल सोमानी। चनदीसार।
- (3) सलीनकुमार बाबुलाल सोमानी ।, पालस रोड़ ।, पालनपुर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

खुल्ला जमीन जो बिक्रीखत पर जैसे वर्णित किया गया है वैसे सब रजिस्ट्रार पालनपुर, के कार्यालय में रजिस्ट्रेशन नं० 202002130 और 2131 पर तारीख 27-7-1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख 17-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण)
प्रार्जन रेंज-गा, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी, 1982

निर्देश सं० पी० प्राप्त नं० 1491/एक्वी०/23-Il/81-82-अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु में अधिक है

श्रीर जिसकी मं मौजे मागदाला, एस० नं० 78 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पितः का उचित बाजार मूल्यः, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिद्यात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्तलिवित उद्देश्य से उकत प्रत्तरण जिख्ति ने नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/एए
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पिधा के निए.

उतः अब, उद्भ अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित उयिक्तयों, अर्थात् :--12-601/82

- 1. (1) कामुबेन गुलाब भाई,
  - (2) दौलत भाई ग्लाब भाई
  - (3) बाबू भाई ,, गांव श्रभाव तहसील चारायासी ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती देवी बेन, नरोतम भाई छगनलाल का परिन
  - (2) जगदीश भाई रामन लाल गांव मागदाला, तह० चोरायामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पृवाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) ६व नूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों म से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जो सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमृसूची

मिलकत जो मगदाला एस० नं० 78, जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी सी ाग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाक्षाद

तारीख: 17-2-1982

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज ∏, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी, 1982

निर्देश सं० पी० एस० नं० 1492/एक्की०/23-II/81 82—अतः मुझे जी० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 32, (पी) है तथा जो गांव वासु, तह० चोरायासी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन दिनांक जुलाई, 1981

को प्वेंजित संपत्ति के उपित बाजार मूल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करूं का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइं िकती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी गांचधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 मेहरू बन, ग्रष्ठार्जी ताडी वाला, उगमनो मुहल्ला, शाहपुर, सूरत।

(अन्तरक)

 श्री कान्तीलाल , करसन भाई श्रहीर श्री सोमा भाई, हरि भाई श्रहीर, पिपलोद, तह० चोरायासी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के । जिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकयत जो नेसू, तहर चोरयासी, एस० नं० 32, जुलाई, 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II,श्रहमदाबाद

तारीख: 17-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 17 फरवरी, 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० 1493/एक्वी०/23-II/81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं 95-/2, हैं तथा जो ब्लाक नं० 2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कायिलय वम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिथम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई ही और मुफे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया ही:——

- (क्रं) जन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबत उक्त अधि-रियम के बचीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थन् :---  श्रीमती केती हासांग परिन वान्द्रा वाला, प्रापराइटर: वान एण्ड कम्पनी, मौजे गांव वाणीश्रार, तह० वलसाड ।

(ग्रन्तरक)

सत्याजीत कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड,
 89, मित्तल चैम्बर्स,
 नारीमन पोइंट, बम्बई-400021

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्यव्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मिलिकियत जो वाशीश्चार एस० नं० 95-/2, ब्लाक नं० 2, जुलाई, 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II; ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-2-1982

मोह्नर:

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1982 निर्देश सं०पी० श्चार०नं० 1494/एक्बी०/23-II/81-82-श्चतः मुझ, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० 15, ब्लाक नं० 21 तथा 28 है, तथा जो एस० नं० 19-2, गांव थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1981

को पूर्विक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमार प्रतिफल को लिए अंहरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करहे का करण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के गियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्प्रियम के निर्ण,

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मनुबेन लावजी भाई पटेल,
   थाना, तह० चोरयासी।
  - (2) जादय भाई केदार भाई
  - (3) हंसमुख भाई जादव भाई, थाना तह० चोरयासी।

(भ्रन्तरक)

 श्रीकान्त श्रोछोव लाल गाह, 12/2726, श्रगनोवार्ड, मूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:----

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वाना को राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भी हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाह्स्ताक्षणी के गास लिखित मा किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो थाना एस० नं० 15 श्रीर 19-2 ब्लाक नं० 21 श्रीर 28, जुलाई 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख 17-2-1982 मोहर : प्रारूप आई. टी. एन. एस. --

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी, 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1498/एक्वी ०/23-II/81-

82— ग्रातः मुझे जी० सी० गर्ग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करते वा कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका
उचिन बाजार मूल्य 25,000/- क्ष्म्ये में ग्रिधिक है
ग्रीर जिसकी सं० मोजे पाल, ब्लाक नं० 48 है, तथा जो सूरत
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रानुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्ष्म से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक
ज्लाई, 1981 में

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यर विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से और दृश्यमान प्रतिकृत है और दृश्यमान प्रतिकृत है और अन्तरक (अन्तरकां) प्रोर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत ग्रांतरण निखित में वास्तविक कृप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ट-नियम के अधीन कर देते के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचते में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा छिपाने मे स्विद्या के लिए;

अतः प्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नीनृष्टित स्युनित्यों, नुष्ठिहः— 1. श्री श्रनिल कुमार छोटाभाई देशाई

(भ्रन्तरक)

 श्री मनुभाई झेवर भाई पटेल, संयुक्त हिन्दु कुटुम्बा का कर्मी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त परपति के प्रवंत के उपवन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों और पधो का, जो उका अधि-नियम के यध्याय 30-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

मिलिक्यित जो गांव पाल, ब्लाक नं० 48, जुलाई, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख 17-2-1982 मोहर:

## प्रस्पं भाई० टी० एन● एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1496/एक्वी०/23-11/81-82—आतः मुझे जी० सी० गर्ग

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खंके स्रधान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 16, ग्रार० एस० नं० 284 (पी) है तथा जो प्लाट 8-ए, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रमुची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1981

की पूर्वोक्त मन्यति के उजित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निष् भन्तरित को गई है और पुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उजित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान में ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसा आय की बाबत, एक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिम्हें भारतीय आयकर माधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए खा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अस, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रमति :---

 श्री भीखींबेन बाब भाई, मणि बेन, गोपाल भाई, रानदेर रोड, गोरात, जिला—सुरत ।

(अन्तरक)

 श्री कोतुमल पारभामल, टेकचन्दाणी, गोपीपुरा, काजी मैदान, सूरत।

(अन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की धवधि, औ भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, बदी पर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गय,हैं।

## अनसची

मिलकत जो बार्ड नं० 16, श्रार० एस० नं० 284 (पी) सुरत, जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 16-2-1982 मोहरः प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रिधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निर्नाक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1982

निर्देश मं० पी० ग्रार० नं० 1497/एनवी०/23-II/81-82—ग्रतः मुझे जी० सी० गर्ग श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्व इनके पश्वात् 'उक्त ग्राधिनियन' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के प्रतीन पत्रम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनहा उवित बानार मूला 25,000/-रुपए में ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 16, श्रार० एस० नं० 284 हैं तथा जो पैकी 'लाट नं० 9, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1981

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर पुझे यह विषवान करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) और यन्तरिती (भन्तरितियों) के बोच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिविद्या उद्देश्य में उक्त धन्तरण लिखित में बास्तियक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी प्राय की जावन, उक्त अधि नियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने था उसने बचने मे सुविधा के लिए और/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपा। प्रविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियन का बार। 269-ग के, सनुसरण में, मैं, तका अधिनियन की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निमन्तिव्हित क्षतिनयों, प्रथति :--  श्री भीखीबेन, बाब्भाई, मणीबेन, गोपाल भाई रानदेर गोरत,

जिला: सुरत ।

(अन्तरक)

2. श्री किणनचन्द जयमतराई, पठाणी के हारा रीजनमल गुजनमल विष्यानी, गोपीपुरा, काजी मैदान, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारोज में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद पं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

न्यडद्वीतरगः ----इसमें प्रयुक्त गड्दों पौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्य द्वारा, जा उन प्रकाय में दिया गया है।

## अनस्ची

मिलकत जो श्रार० एस० नं० 284, (पी०) वार्ड नं० 16 सुरत जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-2-1982

भोहर :

प्ररूप आर्ड टी.एन.एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** थारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार्० नं०  $1498/{
m ps}$ वी०/23-11/81-82—श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000 र रा. से अधिक है

और जिमकी सं० प्लाट-बी/इन्ड०/201, उधना में है तथा जो भूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरयमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तररण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मं हर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 र्दा उधना, उद्योग नगर, सहकारी संघ लिमिटेड सेस्ट्रल रोड. नं० 10, उद्योग नगर, उधना ।

(अन्तरक)

थी एम० ए० कलाबाड बाला,
 प्लाट नं० 201, न्यू एक्सटेंशन, उद्योगनगर,
 उधना, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं!

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

मिलिक्यित जो प्लाट बी/इन्ड०/201, न्यू एक्सटेंशन, उद्योग नगर, उधना, जुलाई, 1982 में रजिस्टी की गई है।

> जी० सी० **गर्ग** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख: 16-2-1982

प्ररूप भाई०टी०एन०एस० --

प्रायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी, 1982

निर्वेश सं० पी०श्चार० नं० 1499/एक्वी०/23-[I/8]-82——श्चतः मुझे, जी० मी० गर्ग

व्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धाधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के धाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संस्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से धाधिक है

ग्रीर जिसकी मं० नोद नं० 1395/12/बी, वार्ड नं० 1. है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बंणित है) रिजरूट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजरूट्रीकरण ग्रिधिनिथम 1908 (1908 का 16) के श्रियीन जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीन ऐसे प्रम्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीन ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देग्य से उस्त भन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कियत किया नहीं गया है। ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अय, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसक्त में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:--13—6GI/82  श्री छगनलाल दयाभाई देणाई मंजुरा गेट, नानपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 श्री किशन लाल , छगनलाल देशाई, रूशीना को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सीमायटी सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्वति के अजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इप सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाका व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'उक्त प्रधिनियम' के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गा है।

# अनुसूची

मिलकियत जो नींद $\frac{1}{2}$ नं० 1395/12/बी, वार्ड नं० 1, जुनाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है ।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख 17-2-1982 मोहर ;

## प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्स (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार. एस० नं० 20 है. तथा जो मोजामपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण हप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बीच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम फे दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है:~

- (क) अन्तरण मं हर्ड किसी आय की बावत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निभनिलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 मीरा ऐपार्टमेन्ट को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड द्वारा रेमेशचन्दा, ग्रमृत लाल गांधी, गांधी बाजार, क्रोच।

(अन्तरक)

 जयसन्तोषी मां कन्स्ट्रवशन्स कंपनी, नबसारी बाजार, सूरत ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शिंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

मिलकत जो न्नार॰ एस० नं० 20 मोजामपुर, जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी .सी .गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 18-2-1982 मो**हर**ः प्रकृष आई० टी० एन० एस०---

# भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1501/ एक्बी०/23-II/81-82—-श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नं० 27, 26, 63, 24, भ्राली है तथा जो भ्राली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बोच मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1981

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनक दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अप अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा क लिए;

अतः मब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :──

 श्री यूनुस भाई उमरजी मूसा, शेरपुर, तह० क्रोच ।

(अन्तरक)

 नारायण लानड एस्टेट का भागीदार श्री जयन्तीभाई पान्चाल कोच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सक्षें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ध्रवि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 27, 26, 63, 24, आली, जुलाई, 1982 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारी**ख** : 18-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रमहदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1982

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 1502/एक्वी०/23-II/81-82--श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 66 (पी) ग्रीर 59-बी, भाली है तथा जो आली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यानय कोच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——  साकारी बेन नागिन लाल, हाजीखाना बाजार, क्रोच ।

(अन्तरक)

 गनेश बिल्डर्स का भागीदार श्रीमती भानुबेन इन्द्रवदन शाह कमला पोल, क्रोच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 66 (पी) ग्रौर 59-बी, श्रासी जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज न रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 18-2-1982

प्ररूप आह . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1982

निर्देश सं० ्पी० श्रार० नं० 1503/ एक्वी०/23-II/81-82—श्रतः मुक्ते, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 64, श्रौर 28 (पी), श्राली है तथा जो क्रोच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय क्रोच में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्तित सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह ग्रिश्चत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री डालसुख भाई, धनजी भाई, काणुभाई, धनजी भाई, काशीबेन धनजी भाई, माइनर जलश्रीबेन का रक्षक ऊपर लिखे हुए व्यक्तियों के कुल मुख्तयार श्री मनगुभाई, विमल भाई, ध्रचरवाडनी, खडकी, ब्रोच ।

(अन्तरक)

श्री भ्ररिवन्द कुमार केसुर भाई पटेल,
 ग्रोच, हाजी खाना, बाजार,
 ग्रोच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पध्योक्तरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रतिभाषित ही वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मिलकियत जो श्राली पाटी, एस० नं० 64, श्रौर 28 (पी) जुलाई, 1981 में रजिस्ट्रीकी गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारी**ष**: 18-2-82

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1504/एक्वी०/23-II/81-82—भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० नं० 3/2, धानगरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ब्रोच में रजिस्ट्री करण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक जुलाई, 1981

करं पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्लन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

श्री श्रहमदवाली श्रवाम
मुसावाली श्रवाम
महमद साफी श्रवदुल्ला पटेल ।
ईक्षाहीम श्रव्दुल्ला पटेल
माइनर रुकसाना, इसापवली, रक्षककतौ
श्री फजल मोहम्मद, ईसमेयिल पटेल,
इंग्री, कोच ।

(अन्तरक)

 नारायन हाउसिंग को-आपरेटिव का भागीदार चिमन भाई, सुखाभाई पानचाल, नारायण नगर श्रोफिस, नीलकान्त मन्दिर, गुजरात हाउसिंग बोर्ड, क्रोच।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकियत जो डुंग्री एस नं० 3/2, जुलाई, 1981 में  $\sqrt[3]{6}$  की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

नारीख: 18-2-1982

# श्रुक्ष्य बाइ .टी .पन् .पस् .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### सारव तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1508/एक्बी०/23-II/81-82----ग्रन: मुझे, जी० सी० गर्भ

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० नं० 93/2, गाउन्होल है, तथा जो गाउन्होल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रानकलेक्बर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिस्निविधित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी अनु या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा का या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के हैंस्ए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—

 श्री प्रभुभाई हान्सजी भाई पटेल, गाडचोल, तह० श्रानकलेण्यर ।

(अन्तरक)

 श्री कंचन लाल मथुरदास गांधी, श्रम्बाबेन, कन्चनल कतसार फिलया, श्रानकलेख्वर । सनेहल चम्पकलाल, द्रालसावाला, मीना तारूण, कबूतरखाना के पास, लल्लू भाई चकला, श्रांच ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरता हुं।

उक्तु सम्मित्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकने।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर है।

# अनुसूची

मिलकियत जो गाडरबोल एस० नं० 93/2, जुलाई, 1981 में राजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारौ महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

नारीखा: 18-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

### भारत सरकार

धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० ग्राप्त० नं० 1506/ एक्वी०/23-II/81-82—ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 413 (पी) ग्रनकलेश्वर है तथा जो ग्रनकलेश्वर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रनकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुलाई, 1981

को पृथोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(भ्रन्तरक

2. प्रधान श्रौर सचिव : वीरातनगर को०-हो० सोसायटी श्री मुधीर कुमार मगनलाल शाह, पंचायत क्वार्टर्स के सामने, श्रनकलेश्वर । श्री झनक भाई करसन भाई पटेल, श्रीरामन।का, श्रनकलेश्वर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलिकियत जो एस० नं० 413 (पी) ध्रनकलेश्वर जुलाई, 1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रमहदाबाद

तारीख: 19-2-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 1507/एक्वी० /23-II/81-82—श्रत: सुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 419,2-4 (पी) (पैकी) है तथा जो अनकलेश्वर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अनकलेश्वर रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गह है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक ख्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किनी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--14—6GI/82

 धाई ग्रहमद महमद मोताला, उनकी कुलमुक त्यार, ग्रायुब ग्रहमद मोताला, जीनालीनाका पासे, ग्रनकलेश्वर ।

(अन्तरक)

- 2. द्वार केश को० भ्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी का प्रमोटर ।
- (1) नाना भाई हंसमुखलाल कोतीया,128, प्रीतम सोमायटी ।
- (2) किशोर भाई, दया भाई कोतिया ।
- (3) रघुनाथ लक्ष्मी नारायण डालिमया,विश्वास कालोनी, भ्रानकापुरी, बरोडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकियत जो एस० नं० 419-2-4 (पी), श्रनकलेश्वर जुलाई, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भ्रजैन रेज-गा, महमदाबाद

तारीख: 19-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

थ्रर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1508/एक्की०/23-II/81-82—आत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सी० एम० नं० 1360 क 1359 है तथा जो मोटा पारसीवार्ड, बलसाड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बलसाड में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिसित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखन में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनिय्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अधितः :--

श्री नरेन्द्र भाई रामनलाल ताटिया,
 श्री महेन्द्रा भाई ,, ,,
 ६ए, उत्कर्ष सोसायटी भुपेन्द्रा,
 ग्रम्बाबाङ्ग, श्रहमदाबाद-15

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री रवन्त्रि भाई गदुभाई कन्सारा
  - (2) श्री भोगी लाल प्राणणीवनदास कन्सारा,
  - (3) श्रीकानतीलाल ,,
  - (4) श्री प्रकाण चन्द्रा भ्रार० कन्सारा
  - (5) श्री दीपक जी० कन्सारा मोटा पारसीवाड, वलसांड ।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर संगत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रौक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

## अनुसूची

मिलिक्यित जो सी० एस० नं० 1360, श्रीर 1359, वलसाड जुलाई, 1981 में रिजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-ाा, ग्रमहदाबाद

तारीख: 20-2-1982

प्ररूप भाई० दी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

श्चर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1699/23-I/81-82--श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 2028 पैकी एम० सी० नं० 973, है तथा जो पैकी कालुपुर-3, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांव 15-12-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निखान में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आप की बाबन उकन प्रक्षि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी प्रत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिखनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिका के लिए;

अतः जब उक्त अभिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम, की धारा 269- च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री मदनमोहन जयिकशन दास महेता श्रीर श्रन्य पंचनाइजी, पोल, घी कांटा, श्रहमदाबाद ।
  - (2) श्री जीतेन्द्र भाई जयिकशन वास महेता और श्रन्य न्यू कोर्मासयल स्टाफ सोसायटी, राजहंस के सामने, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।
  - (3) श्री इन्द्र वदन जयिकशनदास महेता, पंचभाईजी पोल, घी कांटा, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

 पंचवटी ग्रपार्टमेन्ट श्रानर्स एशोसियंशन की श्रोर से प्रमुख : विपिनचन्द्र धीरजलाल बोरा, पंचभाइजी पोल, घी कांटा, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्यंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी कर ग: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्सूची

श्रवित संपत्ति जो कालुपुर-3, श्रह्मदाबाद में स्थित हैं। सी० एस० नं० 2028 पैकी, एम० सी० नं० 973 पैकी क्षेत्रफल 210 वर्ग यार्ड, जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 14826, 14827, 14827/ 15-12-1981 में वियागया है।

जी० सी० गर्ग सक्षत्र प्राधिकाची सहात्रक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाव

तारीख: 16-2-82

मोष्टर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 289-म (1) के घंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

निदेश सं० पी० ब्रार० नं० 1700/एक्वी०-I/23-I/

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 12 फरवरी 1982

81-82---, झतः मुझे जी० सी० गर्ग, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के बदीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका एचित बाजार मह्य 25,000/-क से अधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 182/191, एम० सी० नं० 141 स 141-33-1 है तथा जो दरियापुर-2, म्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-12-81 को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितो (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत ७०५ ब्रिक्ट नियम, के भ्रधीन कर देने के प्रकारक के वादिश्य में कभी करने या उक्से नचने में बृविवा के लिए। और/या

प्रतिकल, निम्नाल बित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में

अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर मिसनियम; 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः, उन्त सिशिनियम की धारा 269-ग के सनु-नरण में, में, उन्त अधिनियम की आरा 260-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः।—  श्री पंचाल कालीदास हीरालाल, पंचाल गिरीश कालीदास, पंचाल मुकेश कालीदास पंचाल सैलश कालीदास परसोत्तम दास हीरालाल दरियापुर, चकला, श्रह्मदाबाद ।

(अन्तरक)

 श्री गुलाम रसूल मब्दुल रहीम शेख, मीरजापुर कसाइवाडी, हसु मीयां की चाल, श्रहमदाबाद श्री उस्मानभाई शक्रभाई श्रजमेरी, शाहपुर, हलीमजी खड़की, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पूदों का जो उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृसूची

मकान मिल्कियत जो वरियापुर-2 म स्थित है, सर्वे नं० 182/191, क्षेत्र फल 764-50-14 वर्ग मीटर तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विस्तीर्ण नं० 15532/29-12-81 में दिया गया है।

जी० क्रिसी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाद्वाद

नारी**च** 12-2-82 मोहर ः। प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी, 1982

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 1701/एक्बी/23-1/81-82--श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन, है तथा जो मानाधदर जिला, जूनागढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मानाधदर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 2-7-1981

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसकं दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्शिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अपिन्यम के ज्योन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ज़ौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ॥—  पा० धरमशी मेधनी माराडीया, मानाबदर, जिला जूनागढ़ ।

(अन्तरक)

 गायत्री नगर को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की ग्रोर से प्रमख: श्री मूलजी धरमशी, माराडीया, मानावदर, जिला जुनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिस्यिय के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हरोगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

## **बन्स्ची**

जमीन जिसका क्षेत्र फल 3966.97 वर्ग यार्ड है, जो मानावदर जिला जूनागढ़ में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन मानावदर रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 1426/2-7-1981 में दिया गया है।

> णीं० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाक्षाद

तारी**ख** 19-2-82

मोहरू 🖫

प्रारूप बार्दः टी. एन. एस्., ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० स्नार० नं० 1702/ एक्वी०/23-I/81-82—-श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रापए से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 4 पैकी, प्लाट नं० 2, 4 से 9, पूर्वीय, दिशा है नथा जो प्लाट नं० 10 ग्रीर प्लाट नं० 12 तथा 13, मानावदर, जिला जूनागढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मानावदर, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय मानावदर, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिन-यम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुलाई, 1981 के पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, रिप्त है और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कीथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्तत निधिरियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, भिम्मलिखिस व्यक्तिस्त्रों, अर्थात्ः—  मै० मगनलाल केशव जी और अन्य मानावदर ।

(अन्तरक)

 कृष्ण नगर को-म्रो-हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की म्रोर से ।
 प्रमुख—भी गोकुलदास मनजीभाई बुटानी, मानावदर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्र फल 4425-7 वर्ग यार्ड, सर्वे नं० 4 पैकी जो मानावदर, जिला जूनागढ़ में स्थित है। जिसका वर्णन मानावदर रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 1412/जुलाई, 1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षत्र प्राधिकारी स**हात्रक आय**कर आमृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख 19-2-1982 मोहर ः प्ररूप मार्र ही । एन । एम • -----

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 क्षा 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचेना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-I, ग्रहमदाक्षाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेण मं० पी० भ्रार० नं० 1703/एक्वी०/23-1/81-82—श्रतः मुक्षे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंग्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क॰ से प्रक्षिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 560/2, पैकी श्रीर सर्वे नं० 560/2, पैकी है तथा जो गांव माहपुर ताल्लुका बंधली, जिला जूनागढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मानावदर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ये दुई किसो प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घंन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) था उन्त अधितियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के लिए;

वनः प्रव, उन्त पश्चितियम को पारा 269-त के प्रतूपरण में, मैं,, उक्त प्रधितियम की धारा 269-त की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अधीत्:—— श्री भगवान जी तिकसजी भलानी,
 श्री देवराज तिकमजी भलानी,
 गांव टींबावाडी, जिला जुनागढ़।

(अन्तरक)

 मैं० एन० जी० पेपर मिल्स प्राइबेट लिमिटेड, महात्मा गांधी रोड, जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूत्रोंका सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को अनिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को जामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (मा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य क्यकित दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

ह्पव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पर्वो का, जो उक्त छिन नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम श्रध्याय में विया गया ह।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 7 एकड़, 11 गुंठा, सर्वे नं० 560/2, पैकी सर्वे नं० 560/2 पैकी जो गांव शाहपुर, जिला जूनागढ़ में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन मानावदर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1529/23-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-; श्रहमदाबाद

मारी**ख**: 19-2-82

माहर:

# प्रकप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) हे अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1704/एक्वी०/23-J/81-82—-ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 6/छा है, तथा जो कृष्णनगर, किकेट ग्राउन्ड, वेरावल में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन श्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वेरावल, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जलाई, 1981

का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से श्रधिक है और प्रग्तरक (प्रन्तरकों) और प्रग्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निक्तित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!---

- (ह) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य श्रास्तियों
  को. जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों अधीतः—

- 1. (1) श्रीमती अयश्रीबेन नरेशकुमार रदीया,
  - (2) श्री परशोत्तम भानजी कानाबार
  - (3) श्री हरिकशन प्रागजीभाई कानाबार
  - (4) श्री छेलशंकर, दूर्गाशंकर भट्ट, कृष्णनगर, बेरावल ।

(अन्तरक)

2. श्री सोनल एपार्टमेंट को० ग्रो० हाउ० सोसायटी की ग्रोर से प्रमुख: श्री रमनीकलाल बिटुल जी पोपट, कृष्ण नगर, बेरावल, जिला जुनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की भ्रवाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 79.525 वर्ग मीटर +80.268 +79.804+79.525 वर्ग मीटर, प्लाट नं० 6/छा पैकी जो क्षण्ण नगर, क्रिकेट ग्राउन्ड के नजवीक, वेरायल में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन वेरावल रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 2500, 2501, 2631 श्रीर 2632/जुलाई, 1981 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज - , भ्रहसदाबाद

तारीख: 19-2-1982

प्ररूप आहु .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, अमहदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेण सं० पी० ग्रार्० नं० 1705/एक्की०/23-1/81-82---श्रतः मुझे, जी० सी० गग,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक ह

ग्रीर जिसकी सं० 316 पैकी है तथा जो गांव णापुर, जिला जूनागढ़, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मानवादर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 6-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए;

भतः शब् , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--- 15--6GI/81

 श्री पटेल मोहन पुंजालाल नागरिया, गांत्र शापुर, जिला जुनागढ़।

(अन्तरक)

2. श्री गोरधनदास रत्नशी मारवानीया श्रीर श्रन्य गांव गापुर, जिला जूनागढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा मकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 316 पैकी क्षेत्रफल 10 एकड़ 19 गुंठा, जो गांव शापुर, जिला जूनागढ़ में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन जूनागढ़ रजिस्ट्रीकर्ना विकीखत नं० 537/ 6-7-1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

तारीख: 19-2-82

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० भ्रार्० नं०/1706/एक्ची०/23-I/81-82--भ्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिस की सं० सी० एस० नं० 1 सर्वे नं० 7672 से 7679 हैं तथा जो पोरबंदर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधिन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थां या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--  (1) कोकिला धीरजलाल ठकरार,
 की ग्रीर मे पी० ए० एच० श्री धीरजलाल जादवजी ठकरार,
 पोरबंदर।

(अन्सरक)

(2) निर्मलाबेन जयंतीलाल राजानी पीरबंदर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्तीक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## मन्स्ची

मकान जिसका क्षेत्रफल 415 वर्ग यार्ड, जो पोरबंदर में स्थित है, जिसका वर्णन पोरबंदर रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखत नं० 2462/ 7-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाब।द

दिनोक 19-2-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1 श्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश नं ० पी ० श्राप्त ० नं ० 1707/23-I/81-82--- ग्रतः मुझे, जी ० सी ० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिस की सं० 1382 ैंकी हैं तथा जो वेरावल में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वेरावल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कि शृत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री रबारी ग्ररजन भोजा ग्रौर ग्रन्य खडखल, प्ले ग्राउन्ड के लामने, वेरावल, जिला --जुनागढ़।

(अन्सरक)

(2) श्री जगजीवन हेमराज नाथवानी श्रीर श्रन्य, नाथवानी शोरी, केशोद, जिला—जुनागढ़।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अमीन जिसका क्षेत्रफल 3 एकड 26 गुंठा, सर्वे नं० 1382 पैकी जो वेरावल स्थित है जिसका वर्णन वेरावल रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 2839/ जुलाई 1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेज-1 श्रहमदााबाद

दिनांक: 19 फरवरी 1982

# प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1708/23-I/81-82~-श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की संव सर्वे नंव 3531 पैकी बोर्ड नंव 10 है तथा जो वख्वान, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बढ़वान में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के फ्रीधीन 20-7-81 हो पर्दोक्त संपत्ति के उच्चित बाजार मध्य संक

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उकत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रतीलाल विठलजी रावल, किरन सोसायटी, सुरेन्द्रनगर

(अन्तरक)

(2) श्री स्वामीनारायन प्लास्टिक इंडस्ट्रीज पटेल कानजीभाई सी, श्राराधना सोसायटी, सूरेन्द्रनगर।

(बन्ति\_रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 3574 पैकी क्षेत्रफल 2087 वर्ग यार्ड, जो वढवान में स्थित हैं, तथा जिसका वर्णन वढवान रजिस्ट्री-कर्त्ता बिक्रीखन नं० 3101/20-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक : 19 फरवरी 1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

# सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा ऋहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश नं०पी० श्रार्० नं० 1709/23-T/81-82--- प्रतः मुझे, जी०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 24 हैं नथा जो रतनपुर जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में ग्रीर पूर्णस्प से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बढवान में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-7-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अनारित को गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया ग्रांतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्पृ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

(1) श्री वजाभाई श्रमरशीभाई दलवाडी;रतनपुर,मुरेन्द्रनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रतीलाल शाह फैमीली ट्रस्ट रतनपुर, जिला—सुरेन्द्रनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बधी कि नित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के धास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जनसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 6390.12 वर्ग मीटर, सर्वे नं० 24, जो रतनपुर, जिला—सुरेन्द्रनगर में स्थित है जिसका वर्णन वढ़वान रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2951/6-7-81 में दिया गया है।

जो० सं:० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक 19 फरवरी 1982 **मोहर**ा

# प्रकप धाई • टी • एव • एस • ----

# आरमकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज- , अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश नं पी० श्रार० 1710/23-<sup>1</sup>/81-82--श्रत: मझे, जी० सी० गर्ग, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त **प्र**धिनियम कहा की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्राये से प्रक्षिक है, श्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 1928 पैकी हैं तथा जो वढवान जिला--सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वढवान में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनांक 4-7-81 को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, उनह दृश्यनात प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमात प्रतिकार का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखन उद्देश्य से उस्त प्रस्तरम निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिष्टिनियम के अभ्रोन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ज्ञब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री श्रश्यित कुमार चंदुलाल शाह श्रौर श्रन्य, स्वस्तिक सोसायटी, मुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री विष्तुभाई भीखाभाई बारोट ग्रीर ग्रन्य, कस्बा शेरी, वढवान, जिला—सुरेन्द्रनगर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अवसेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की भवित्र जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्रव्होक्तरणः → इसमें प्रयुक्त प्रब्दों और पदो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अन्त्ची

जमीन जिसका सर्वे नं० 1928 पैकी क्षेत्रफल 10238 वर्ग यार्ड, जो वढवान में स्थित हैं, जिसका वर्णन वढवान रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 293/4-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 19 फरवरी 1982

मोहार ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  ${f y}$ र्जन रेंज- ${f I}$ , म्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1982

निदेश नं ० पी० श्रार० 1711—श्रतः, मुझे, जी० सी० गर्गः, आयकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000'- रु॰ से मिलक है

भीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 727 पैकी है तथा जो मुरेन्द्रनगर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुमूची में भीर पूर्ण क्य से बणित है) रिजस्ट्रीकर भिष्ठिकारी के कार्यालय, मुरेन्द्रनगर में रिजस्ट्रीकरण भिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 1-7-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है शोर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त पश्चि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण भ्रों, भ्रों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जगजीवनभाई उजमणीभाई शाह श्रौर श्रन्यः32, मरदार सोसायटी,मुरेन्द्रनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश शांतीलाल शाह श्रौर श्रन्य, वीठल प्रैस, सुरेन्द्रनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्परित के कुर्वन के सुम्बन्ध के कार्च भी जासेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3751 वर्ग यार्ड, सर्वे नं० 527 पैकी जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन मुरेन्द्रनगर रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्री खन नं० 2859/1-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

विसांक : 19 फरवरी 1982

महर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० श्रार० 1509/एक्बी/23-II/81-82--श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 334-वी ग्रौर 337वी चाला है तथा जो वापी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पारडी में राजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के अधीन, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 , 1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रमेणचन्द्रा उतमचन्द्र णःह् सानदा चैक, वापी !

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भावना रमेशचन्द्रा शाह, मुरेशचन्द्रा श्रमरचन्द्र शाह, बेजार रोड, वापी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवािकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अधि होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसुची

मलकीयत जो चाला-एस० तं० 334-बी, 337-बी, जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II; श्रहमदाबाद

दिनांक : 22-2-1982

प्ररूप बाइं. टी. एन्. एस.-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1982

निदेश नं० पी०म्रार० 1510/ एक्वी/ 23-II/ 81-82-म्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संगरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एच० /812-ए श्रौर ए/4 है तथा जो सी० एस० नं० 2/4597-ए, स्टेशन रोड, खंबात में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 8-7-1981

करें प्वांकित सम्पति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उपित वाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा का लिए; वरि/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 16—6GI/82

(1) श्री श्रसीसभाई श्रब्दुल तैयव, प्रिन्सेस बिल्डिंग, दूसरा मंजिल, जे० जे० ग्रस्पताल के सामने, इश्राहीम रहीमतुल्ला रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) डा॰ फासलेबास फश्रुद्दीन छत्नीवाला, डा॰ सीग्रानी, डा॰ फश्रुद्दीन छत्नीवाला की परनी, प्लाट बी-4, बीच कैंडी एपार्टमेंट, वार्डन रोड, बम्बई-400026

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के राम्बर्भ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदी का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

2 गॉपस जो बिकीखत नं० भ्रार-912 पर जैसे वर्णित किया गया है वैसे बम्बई सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 8-7-1981 में रजिस्ट्री की गई ह ।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 22-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1982

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण धै कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 250-1-2 श्रौर 251 है तथा जो बारदोली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारदोली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्निलिसित व्यक्तियाँ मुर्भार्:→ (1) श्री राम भाग को० श्रो० हा० सोसायटी, का प्रमुख श्री हीरा भाई माकानणी पटेल श्रौर श्रन्य, बारबोली।

(अन्तरक)

(2) प्रमुख,
जय ग्रम्बे को० भ्रो० हा० सोसायटी,
श्री प्रवीणचन्द्रा छगनलाल पटेल श्रौर दूसरे,
बारदोली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त रुबवाँ और पदाँ का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अन्सूची

मिलाकेयत जो बारदोली एस० नं० 250-1-2+251- जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II श्रहमवाबाद

दिनांक: 23-2-1982

मोहरु 🖫

प्ररूप आहुं.टी.एन.एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं०1 512/एक्ट्री/23- /81-82-श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 432, गांव कतीरिया है तथा जो तह ० डामण में स्थित है (श्रौर इससे उपाव इ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डामण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1981 को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करगे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है भीर श्रम्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रम्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफन निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक स हुई किसो आय की बाबत, उक्त प्रधिन नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या बच्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रम-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की खपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री जेमशेदजी सोरावजी लुत, कतीरिया—नानी डामण। तहु० डामण।

(अन्तरक)

- (2) सर्वोदय एग्रीकलचरल फार्मिंग ग्रौर हाउसिंग सोसायटी, उनके क्यक्तियों के द्वारा :—
  - (1) श्री भगवान भाई माधवभाई माछी।
  - (2) श्री गोविन्दभाई छोटुभाई देसाई,
  - (3) श्री भुलाभाई गिरधरभाई भातेला,
  - (4) श्री भगवान भूला तानडेल,
  - (5) श्री वल्लभभाई फकीरमाई तानडेल
  - (6) श्री बाबाभाई धेडाभाई,
  - (7) श्री रामा भाई भगवानभाई तानडेल,
  - (8) श्रीमती जमनाबेन लल्लुभाई तानडेल सब नानी डामण, तह० डामण ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्यब्द्धोक्तरगः--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अग्नि-निवम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 432 गांव कतीरीया, नानी खामण, जुलाई, 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनांक : 23-2-82

प्ररूप थाई, टी. एन्, एस., ---

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/सी०ए० 5/एस० श्रार० कारविर/ सितम्बर 81/575/81-82--यतः मुझे, श्रार० के० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 27 ज/2 डी है तथा जो ई वार्ड, ताराबाई पार्क, कोल्हापुर में स्थित है (श्रौर इससे उना बद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुख्यम निबन्धक कार्रविर में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कृत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीम निम्नतिश्वित व्यक्तियों अधित :— (1) श्री कुमारसिन डी० निम्बालकर खर्डेंकर बानोली, त० शिरोल जि० कोल्ह्यपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एल एम० पोबार,
चीफ प्रोमोटर,
नियोजित इलेक्ट्रिसिटी इंजीनियर्स सहकारी गृहरचना
संस्था मर्यादित
बीठ बाई,
वर्षा नगर,
ब्लाक नं० 94,
कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतत्त्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पर्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्रापर्टी जो सी० एस० नं० 27 ख/2डी०, ई वार्ड, तारावाई पार्क, कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 3210 जो सितम्बर 1981 में दुय्यम निबन्धक कारविर के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रार० के० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख : 25**–2–**82

प्रकृप बार्ड. टी. एन. एसं.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 फरवरी 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/सी०ए० 5/एस० आर० कारविर/ श्रगस्त 81/576/81-82--यतः मुझे, श्रार०के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 27 ख/2 डी, (1/4 हिस्सा) है तथा जो ई वार्ड, नाराबाई पार्क, कोल्ह्रापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक कारिवर में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 1981

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्षाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या अससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ष) एंसी तिली आय या किसी धन या अल्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री फब्रेहिंसह दावासाहेब निम्बालकर खर्डेकर, दानोली, त० शिरोल, जिला कोल्हापुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एल० पोवार, चीफ प्रोमोटर नियोजित इलेक्ट्रिसिटी इंजीनियर्स सहकारी गृहरचना संस्था, मर्यादित, बी० वार्ड, वर्षानगर, ब्लाक नं० 94, कोल्हापुर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिच- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वृही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी जो सी ० एस० नं० 27 ख/2 डी०, ई वार्ड, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर में स्थित है। (1/4 हिस्सा)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3103 जी श्रगस्त 1981 में दुस्थम निबन्धक कारविर के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रार० के० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-2-82

प्रकृष आहें. टी. एन. एसु ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 फरवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/सी०ए० 5 /एस० श्रार० जलगांव/
जुलाई 81/583/81-82-यतः, मुझे, श्रार० के० श्रग्नवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या शेट गेट नं० 30/3 है तथा जो मौजे पिपराडे, त० श्रीर जिला जलगांव में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्या से विश्वत है), रजिस्टीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय

त० भीर जिला जलगांव में स्थित है (भीर इससे उराबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक जलगांव में, रजिस्ट्री करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1981 को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) श्री सखाराम गणपत श्रत्तरवे विठ्ठल पेठ, जलगांव

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवीचन्द हिराचन्द जैन, पार्टनर हिराचन्द एन्ड सन्स, जलगांव भवानी पेठ, जलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खेती की जमीन जो शेट गेट नं० 30/3, मौजे पिप्राले, त० श्रौर जि० जलगांव में स्थित है।

(जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2810 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबन्धक जलगांव के दप्तर में लिखा है।)

> श्रार० कें० भ्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-2-82

प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 फरवरी, 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/सी०एस०/एस० ग्रार० कारविर/ ग्रगस्त 81/578/81-82--यतः, मुझे, ग्रार० के० ग्रग्रवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 27 ख/2 डी० (1/4 हिस्सा) है तथा जो ई वार्ड, ताराबाई पार्क, कोल्हापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक कारिवर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित ट्द्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिति व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) श्री मानाजीराव प्रतापिसह निबालकर खर्डेकर दानोली, त० शिरोल, जि० कोल्हापुर

(अन्तरक)

(2) श्री एल० एम० पोवार, चीफ प्रोमोटर, नियोजित इलेक्ट्रिसिटी इंजीनियर्स सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादित बी वार्ड, वर्षानगर, ब्लाक नं० 94, कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

प्रापर्टी जो सी० एस० नं० 27 ख/2 डी०,ई वार्ड,ताराबाई पार्क,कोल्हापुर में स्थित है। (1/4 हिस्सा)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3021 जो श्रगस्त 1981 में दुथ्यम निबन्धक कारविर के दफ्तर में लिखा है।)

> स्रार० के० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पना

पूना, दिनांक 25 फरवरी 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/सी०ए० 5/एस० आए० कारविर/ अगस्त 81/577/81-82--यत:, मुझे, आर० के० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सी०ए० स० नं० 27 ख/2 डी० (1/4 हिस्सा) है तथा जो ई वार्ड, ताराबाई पार्क, कोल्हापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक कार्रिवर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखित में बास्तिक रूप के किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री विजयसिंह दादासाहेब निबालकर खर्डेकर दानोली, त० शिरोल जि० कोल्हापुर

(अन्तरक)

(2) श्री एल एम० पोवार, चीफ प्रोमोटर, नियोजित इलेक्ट्रिसिटी इंजीनियर्स सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादित बी वार्ड, वर्षानगर, ज्लाक नं० 94, कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूंचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

प्रापर्टी जो सी० एस० नं० 27 ख/2 डी० ई वार्ड, ताराबाई पार्क, कोल्हापुर में स्थित है। (1/4 हिस्सा)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2982 जो श्रगस्त 1981 में दुय्यम निबन्धक कारविर के दफ्तर में लिखा है।)

> श्चार० के० स्रप्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, पूना

तारीख: 25-2-82

प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 फरवरी 982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी० सी०ए० 5 एस० ग्रार० जलगांव जुलाई 81/584/81-82--यतः मुझे, ग्रार० के० ग्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० शेट गेटनं० 30/1 है तथा जो मौजे पिप्राले त० ग्रौर जिला जलगांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दुप्यम निबन्धक, जलगांव में, रजिस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1981

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्में के लिए;

गतः अन्त्र, अन्ति अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिरा, अर्थात् :---

(1) श्री सरलाबाई सखाराम ग्रन्तरदे विट्ठल पेठ, जलगांव

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवीवन्द हिराचन्द जैन, पार्टनर हीराचन्द ंड सन्स, जलगांव भवानी पेट, जलगांव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाें पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खेती को जमीन जो शेंट गट नं० 30/1, मौजे पिप्राले, त०ग्रौर जि० जलगांव में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2808 जो जुलाई 1981 में दुग्यम निबन्धक जलगांव के दफ्तर में लिखा है:)

> श्रार० के० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-2-82

माहर 🗧

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269-ध (1) के ध्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25 फरवरी 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस ग्रार जलगांव/जुलाई 81/585/81-82—यत:, मुझे, ग्रार० के० ग्रग्रवाल आयवःर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/र के भिधिक है

श्रौर जिसकी संख्या गट ग० नं० 30/2 है तथा जो मौजे प्रिप्राले ता० श्रौर जि०जलगांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, जलगांव में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अरितफस के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिविनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या ग्रन्य ग्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियाँ जर्भात् हु—— (1) सौ॰ कस्तुराबाई सखाराम श्रत्तरदे, विट्ठल पेठ, जलगांव

(अन्तरक)

(2) श्री देविचंद हीराचंद जैन, पार्टनर, हीरा चंद एण्ड सन्स, जलगांव, भवानी पेठ, जलगांव

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवित्र था नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें

स्पट्टीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत भित्तियम के सम्याय 20क में परिवाधित है, बही भाषें होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

## अनुसूची

खेती की जमीन जो किश्तें गट नं० 30/2, मौजे पिप्राले ता० ग्रौर जि० जलगांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 2809 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबंधक, जलगांव के दफ्तर में लिखा है।)

> स्रार० के० स्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 25-2-82

मोहार 🖫

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

श्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25 फरवरी 1982

निर्देश सं० सी०ए० 5/एस म्रार जलगांव/जुलाई 81/586/ 81-82—यतः, गुजे, ग्रार० के० म्रग्नवाल

श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिविक है

स्रीर जिसकी संख्या ग० नं० 57 है तथा जो मौजे खेडी बुदुक, ता० स्रीर जि० जलगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक जलगांव में, र्जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति है जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अव्वर्शित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि प्रधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोत्तान से प्रेम है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिक) है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिक) है जोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिविज्ञ उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छूप म कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
- (ख) ऐसी हिपी लां या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-हर अधिनियम 1922 (1922 जा 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सुविधा के लिए;

धतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्नियों, प्रथीत:----

- (1) (1) श्री सुपडू नथू बारी
  - (2) श्री शंकर नथुबारी
  - (3) श्री नथू तापीराम बारी सब विट्ठल पेठ, जलगांव

(अन्तरक)

(2) श्री श्रोमप्रकाश सीलाराम श्रग्रवाल पार्टनर, साईबाबा डेवलपमेन्ट कारणेरेशन, जलगांव, 122, नदी पेठ, जलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्रचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्योकरण: - इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

खेती की जमीन जो कि शेस एस० नं० 57, मौजे खेडी बुबुक, ता० श्रौर जिल्ला जलगांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 2957 जो जुलाई 1981 से दुय्यम निबंधक, जलगांव के धप्तर में लिखा है।)

> मार० के० सप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, पूना

विनांक: 25-2-82

मोहर्

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (i) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्अन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25 फरवरी 1982

निर्देश सं०सा ०ए०/एस आर टाणे/ग्रगस्त 81/597/81-82---यतः, मुझे, श्रार० के० श्रग्रवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सि० स० नं० 245 से 250 दिक्का नं० 2 है तथा जो कलवा, ता०श्रौर जि०ठाणे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक ठाणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतस्का और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नृत्तिं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी अपर या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रवं, उक्त श्रधिनियमं, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नुसिचित स्युक्तियों, स्थिति देन्त (1) मैससं रैपिड कन्स्दूक्शन कंपनी श्रीप्रसाद, मास्ती मंदिर के नजदीक, कलवा, ता० श्रौर जि० ठाणे

(अन्तरक)

(2) वि चेग्नरमन, चंद्रागिरी सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादिति, कलवा, ता और जि॰ ठाणे

(अन्तरिती)

(3) संस्था के सभासद।

(बह् व्यक्ति जिसके ग्रिधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करक पूर्याका सम्पत्ति के <mark>प्रजनेन के लिए</mark> कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सुबता के राजाब ने प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखिन में किए जा सकेंगे !

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो अबत प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी जो सि० स० नं० 245 में 250, टिक्का नं० 2 कलवा, ता० और जि० ठाणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि 785 जो श्रगस्त 1981 में दुय्यम निबंधक, ठाणें के दफ्तर से लिखा है।)

ग्रार० के० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पून<sub>ा</sub>

दिनांक: 25-2-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रीज, पूना

पुना-411004, दिनांक 26 फरवरी 1982

निर्देश सं० सी०ए० 5/एम श्रार करविर/जुलाई 81/587/81-82—यतः मुझे, श्रार० के० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा सं अधिक ही

भीर जिसकी संख्या सि० म० नं० 1, ब्लाक नं० 13-ए वार्ड है तथा जो सिटी कोल्हापुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुश्यम निबंधक करावर में, रजिस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्निलालन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीग, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री हिंदुराव बलवंतराव डाकरे, चेश्नरमेन रयत सेवा शेती धंदा उपयोगी माल उत्पादक व पुरवठा सहकारी मंडली मर्यादित ई-राडं, मकान नं० 17, जाधव वाडी, कोल्हापुर

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत श्रीपतराव बोन्द्रे सि० स० नं० 1514, ए-वार्ड कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्रापर्टी जो सि० स० नं० 1 ब्लाक नं० 13, ए-वार्ड सिटी कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 2454 जो जलाई 1981 में दुय्यम निबंधक, करबिर के दफ्तर से लिखा है।)

> म्रार० के० म्रागरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज पूना

दिनांक: 26-2-82

मोहरः

# प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 फरवरी 1982 निर्देश सं० गी०ए० 5/एस म्रारनःसिक/जुलाई 81/588/ 81-82—यतः मझे, भ्रार० के० भ्रम्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या सं० न० 646 / 7वी / 1 / 1-ए / 1-1ए / 4 है तथा जो तिलक वाडी, नासिक में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्थम निबंधक हैं नासिक में, रिजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ज्लाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष कम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के जिने; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या जिसी धन या जिय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री महादेव रामचंद्र वाघ ग्रौर 5 इतर, नासिक ।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय बच्चुलाल गुजर चंकेश्वरा इमारत, भवानी पेठ, सोलापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजणात में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

प्रॉपटी जो स॰ नं॰ 646/7-बी/1/1/1-ए/1-ए/4 तिलक वाडी, नासिक में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कः 2300 जो जुलाई 1981 में में दुय्यम निर्वधक नासिक के दफ्तर में लिखा है ।)

> श्रार० के० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 26-2-82

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 फरवरी 1982 निर्देश सं० सी० ए०5/एस भार अह्मदनगर जुलाई 81/589/ 81-82—यत: मुझे, श्रार० के० भ्रम्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्त्रीत, जिल्हा उध्चत बाजार मूल्य 25,000/राज्य राधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या स० नं० 59/1-सी है तथा जो मौजे नागापूर ता० श्रष्टमदनगर में स्थित है (श्रीर इससें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, युट्यम निबंधक, श्रहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वा क्त संपत्ति को उषित गाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार पृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिस्ति (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तियक रूप से कृष्यत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गाउसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें कर लीग आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनूसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) की अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात् ६--

- (1) (1) केसू भाऊ भोर
  - (2) भानुदास केसू भोर
  - (3) बबन केसू भीर सब नागापूर, ता० श्रौर जि० श्रहमदनगर। (अन्तरक)
- (2) (1) लक्ष्मीकान्त मल्लिकार्जन क्षीरसागर
  - (2) सौ० मंगलाबाई णरद मुथा
  - (3) श्रीमती वसंताबाई शिवलाल गांधी
  - (4) गोकुल शिवलाल गांधी
  - (5) इंद्र कुमार मोतीलाल मुथा
  - (6) प्रकाश फुलचंद कटारिया वर्धमान सारङा गली, श्रहमदनगर।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंश
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभक्तित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

## अनुसूची

खेती की जमीन जो स० नं० 59/1-सी, मौजे नागापुर ता० श्रौर जि० श्रहमदनगर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1918 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबंधक, ग्रहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।

> श्चार० के० अग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज, पुना

दिनांक: 26-2-82

## ब्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

श्चायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 फरवरी 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस भ्रार हवेली-1/जुलाई 81/59081-82---यतः मुझे, श्रार० के० अग्रवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपमे से धिक है और जिसकी संख्या सन्तं व 42-ए/3/3-ए/3-बी, पर्वती टी० पी० एस० न० 3, एफ० पी० न० 477-ए/4/ए और 477-ए/4/सी है तथा जो शाहु कालेज रोड, पेठ पर्वती, पुणे-9 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक हवेली-प्रें रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्ब से कम के अध्यमान प्रितिश्वल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित सामार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रम् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तब पाचा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुर्इ किसी आय की बायस उच्यस अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाकित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के क्लिये; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्मीसिंखिस अभितयों अथित--

- (1) (1) श्री वसंत विश्वनाथ फुले
  - (2) श्री रामकृष्ण वसंत फ्ले
  - (3) सौ० कुसुम बसंत फ्ले ।

(भ्रन्तरक)

(2) दि प्रेसिडेन्ट,
मुमेधा सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादित,
477ए/4ए, पर्वती, शाहू कालेज पथ,
पुणे-9 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राजेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकारन की नारीय से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों भीर पदीं का, जी उक्त भिवित्यम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्थ हागा जी उन चध्याय में दिया गया है।

## अनृत्ची

प्रापर्टी स॰ नं॰ 42-v/3/3-v/3-बी पर्वती टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 3, एफ पी॰ नं॰ 477-v/4/v श्रौर 477-v/4/v जो पेठ पर्वती, शाहू कालेज पथ, पुणे 9 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क॰ 131 जो जलाई 81 में दुय्यम निबंधक हवेली I के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रार० के० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 26-2-82

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के <mark>भ्रधीन सूचना</mark>

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्कन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 फरवरी 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस ग्रार राहुरी/जुलाई 81' 591/81-82—यतः, मुझे, ग्रार० के० ग्रग्नवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से

घधिक है

श्रीर जिसकी सं० गट नं० 87 है तथा जो शिलेगांव, ता० राहुरी जि० श्रहमदनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक राहुरी में, रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/क
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: प्रव, उक्त श्रधिनियम, की द्यारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की उपधारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— 8—6GI/82 (1) श्रीमती यमुनाबाई काशीनाथ तागड शिलेगांव, ता० राहुरी जि० श्रहमदनगर

(अम्तरक)

- (2) (1) गोविंद केसु तागड़
  - (2) पांडुरंग केसु तागड़ शिलेगांव, ता० राहुरी, जि० भ्रहमदनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी ध्रन्ण व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकेंगे।

स्पड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

## अनुसूची

खेती की जमीन गट नं० 87 जो शिलेगांव, ला० राहुरी जि० श्रहमदनगर में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख % 1646 जो जुलाई 1981 से दुश्यम निबंधक, राहुरी के दफ्तर में लिखा है।)

> म्रार० कें० म्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-पूना

दिनांक: 26-2-82

मोह्य 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र <mark>आयुक्त (निरीक्षण)</mark>

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411 004, दिनांक 26 फरवरी, 1982

निर्देश सं० मी०ए० 5/एम ग्रार कल्याण/जुलाई 81/592/81-82---यतः मुझे, श्रार० के० श्रग्रवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 12, हिस्सा सं० 4/3, प्लाट नं० 3 ग्रौर 4 है तथा जो मौज गजबंघन पाथलीं डोबियली ता० कल्याण जि० ठाणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनृसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री कर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक कल्याण में, राजस्ट्री करण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ज्लाई 1981

को पूर्वो कत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एरियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः— (1) श्री धर्मा ए० म्हान्ने श्रीर इतर 9 गजबंधन पाथर्ली, डोंबिवली, ता० कल्याण जि०ठाणे

(अन्तरक)

(2) श्री यणवंत सदाणिव दवणे गणेण दर्णन, मुलंड, मुंबई 400081

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवधिकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

ेस्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसकी सं० 12, हिस्सा नं० 4/3, प्लाट नं० 3 ग्रीर 4 जो मौज गजबंघन पाथर्ली, डोंबियानी ता० कल्याण, जि० ठाणे में स्थित है।

(जैसे कि राजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1083 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर से लिखा है।)

> श्रार० के० अग्रवाल सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 26-2-82

# प्राक्ष भाई• टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 फरवरी 1982

निदेश सं० ग्राई० एसी०मीए० 5/एस ग्रार वसई/जुलाई 81/593/81-82---यतः मुझे, ग्रार० के० ग्रग्नवाल आयकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें ६मके परवात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भित्रीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000-र र से अधिक है

भीर जिसकी संख्या सं० न० 23 है तथा जो नायघर ता० वसई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकार्ती भ्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक वसई में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

16) के अधान, ताराख जुलाइ 1981

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिष्कृल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत में, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत का
पन्द्रह प्रतिगत्ते पश्चिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों)
और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
य पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य में उचन अन्तरण
लिखात में वास्त्रिक का से किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त श्रीधिनियम के श्रधीत कर देते के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने वचने में सुविध के सिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी बन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिवितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर ग्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रिष्ठितियम की घारा 269-म के धनुसरण में, में, क्लक्ष धिष्ठितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरिभाऊ गोविंद घर्तक, प्रोसिडेन्ट विद्याविधिनी, नवधर ता० दसई जि० ठाणे

(अन्तरक)

(2) श्री मनिष कन्स्ट्रक्शन कंपनी 63, किका पथ, पहली मंजिल गुलाब थाडी, मुंबई-400004

(श्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी कर हपूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की प्रविध्या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी क से 30 दिन की अविध्, जो भी प्रविध्व बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा भन्नीहरूनाकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दिक्षरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा, जो उस सब्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्रापर्टी जो स० न० 23 नवधर, ता० वसई जि० ठाणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 62 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबंधक बमई के दफ्तर में लिखा है।)

> भ्रार० के० अग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज पूना

दिनांक: 26-2-82

## प्रकृप भाई० टी० एन० एस०---

त्रायकर ब्रिधिनियन, 1931 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 फरअरी, 1982

निर्देश सं० सिं० 5/एस आर जनगांव/जुलाई 81/594/81-82---यतः भुझे, धार० के० श्रग्रधाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या खंत स० न 188/1बी है तथा जो मौजे मेहरण, ता० ि जलगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से थिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम, निबंधक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वःस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं जिया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धार 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धार 269-म की उपधारा (1) क अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः--

- (1) श्री मुरलीधर सोनू खड़कें सौ० विजया मुरली धर खड़कें (के लिये) गायवाडा जलगांव (श्रन्सरक)
- (2) (1) श्री प्रविणचंद्र भिमजीभाई सेठ
  - (2) सौ० मंजुलाबाई मनोहरलाल सेठ डेमला कालोनी, जलगांव
  - (3) श्री बलीराम डधडू चौधरी श्रसोदा, ता० जि० जलगांव
  - (4) श्री खुणाल हरी भोले वाधानी ता० चालीसगांध जि० जलगांध

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी कर</mark>क पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भी समाधा हाली हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि, नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खेति की जमीन जो खेत सं० न० 188/1बी, मौजे मेहरुण, ता० ग्रीर जि० जलगांव में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख के 2917 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबंधक जलगांय के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रार० के० श्रग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पुना

दिनांक: 26-2-82

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 26 फरवरी 1982

निदेश सं० आई०ए०सी०/सी०ए० 5/एस० आरं ० नासिक/ जुलाई-81/595/81-82---थतः मुझे, आर० के० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० न० 646/78/1/1/1-ए-1-1/4 है तथा जो टिलक वाडी, नासिक में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण म्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय दुश्यम निबंधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त तम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्व स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अर्तारातयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप में कथि। नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, 1922 अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ध---

- (1) श्री महादेश रामचंद्र वाच ग्रीर 5 दूसरे नामिक (अन्तरक)
- (2) श्री दिग्विजय श्ररिधदलाल शाह, रा० सटाणा, जि० नासिक

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सुम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण .—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्रापर्टी जो स० न० 646/7बी/1/1/1-<math>v/1-v/4, तिलक वाडी नासिक में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत दिलेख क० 2299 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है ।)

> श्चार० के० श्वप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्णन रेंज, पूना

दिनांक: 26-2-82

मोहर 🖫

प्ररूप आई० टी० एत० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के घंधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पुना-411004, दिनांक 26 फरवरी 1982

निर्देश सं० मी० 5/एस श्रार जलगांव/जुलाई 81/596/81-82---यतः मुझे, ऋर० के० ऋग्रवाल

अत्यकर श्रिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-दं से श्रिधिक है

भीर जिसकी संख्या में ल गट नं 188/1ए है तथा जो मौजे मेहरूण ता जि जलगांव में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य नान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यद विश्वाम करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भाषक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उन्तर भन्तरण लिखिन में बास्तविष्ठ हमते से कार्यत मन्तरण लिखिन में बास्तविष्ठ हमते से कार्यत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर पधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः ॥ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—-

(1) श्री त्रभाकर सोनू खड़के गामवाड़ा, जलगांव

(अन्तर**क)** 

- (2) (1) श्री प्रविण चंद्र भिमजीभाई सेठ
  - (2) सौ० मंजुला बेन मनोहरलाल सेठ डेमाला कालोनी, जलगांव
  - (3) श्री खुशाल हरी भोले वाधली ता० चालीसगांव जि० जलगांच
  - (4) श्री बलीराम उघड़ चौधरी श्रसोदा, ता० जि० जलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजाद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंबे ।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

खेति की जमीन गेल स० न० 188/1ए जो मौजे मेहरुण ता० ग्रीर जि० जलगांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 2916 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रार० के० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 26-2-82

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1982

निर्देश सं० मि० 5/एम० भ्रार०ठाणे/ग्रगस्त 81/573/81-82—-यतः सुझे, भ्रार० के० श्रग्रधाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या सि० स० न० 222, टिक्का न० 3 म्यु वार्ड नं० 3 है तथा जो महागिरि कासी कसम पथ, ठाणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), राजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक ठाणे में, राजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख ग्रगस्त 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण में हुई किसी आग की बाबत उक्त ग्राधि नियम के ग्राधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किमी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम वा धनकर ग्रिधिनियम वा धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थाल:--

(1) श्री गोवर्धनदास रणछोड़दाम सचदेव छगन लाल रणछोड़ दास सचदेव हारा----ग्रीणियन लिग्रो फर्मा, स्टेणन पथ, ठाणे

(म्रन्तरक)

(2) श्री उत्तम भास्कर जोशी स्नानंद भास्कर जोशी 'तपक्रवर्षा' ऋष्णा स्टोश्चर के सामने, ठाणे (स्नन्तरिती)

को रह मुक्ता जारो करके पूर्वोक्त समात्ति के **भर्त**न के **लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्रति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धी करण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्स्**ची

प्रौपर्टी जो सि० स० न० 222 टिक्का नं० 3, म्युन्सिपल वार्ड नं० 3, महागिरी, कासी कमम पथ ठाणे में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 820 जो ग्रगस्त 81 म

(जसाक राजस्ट्राकृत विलख के 820 जा दुय्यम निबंधक ठाणे के दफ्तर से लिखा है।)

> म्नार० के० म्नग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना

दिनांक: 27-2-82

# प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्**य**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई०एसी० ए० 5/एस ग्रार बॉम्बे/ग्रगस्त 81/ 579/81-82---यतः मुझे, श्रार० के० श्रप्रवाल, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- इपए से ग्रधिक भीर जिसकी संख्या स० न० 169-ए है तथा जो गांव शहद, ता० कल्याण, जि॰ ठाणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1981 को को पर्वोक्ति संपत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुभी यह पिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री बिपित एस० अह्नेरी, पार्टेनर मैसर्स युनिवर्सल केमिकल्स (इंडिया) शारदा चेंबर्म पहिली मंजिल, न्यू मैरिन लाईन्स, मुम्बई-400020

(श्रन्तरक)

(2) सायक्लिक केमिकल्स प्राइवेट लि० इंडस्ट्रियल एंस्योरेंस इमारत, तीसरी मंजिल, चर्चगेट, मुम्बई-400020

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्षभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रौपर्टी जो सुरु नरु 169-ए, गांव शहद, तारु कल्याण जिरु ठाणे में स्थित है।

(जैसे कि राजिस्ट्रीकृत विलेख क० ग्राए० 1004 जो ग्रगस्त 1981 में दुय्यम निबंधक मुम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रार० के० ग्रग्नवान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 27-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, 30 जनवरी 1982

सं० ए० द्यार०-2/3214-15-81-82—-श्रतः मुझे, सुधा-कर वर्मा,

ग्रायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से ग्रीविक है

श्रौर जिसकी सं० बी० एस० डी० एस० नं० 32 है तथा जो यरंगल, मलाड बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, बान्द्रा, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम-1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8-7-81 को पूर्वीक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित है झीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुरुय, दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) मीर भन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रानरण लिखित में वास्तविक काम कथित नहीं कियाग्याहै:~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---19—6G1/82

- (1) श्रीमती लक्ष्मीबाई एम० बलोगी
- (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मुकीरान मारव्हा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रश्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए आ सकेंगे।

ह्वडिंदिश्य :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रीवियम के प्रस्थाय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

म्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 924/1980 श्रौर जो सब-रजिस्ट्रार, बान्द्रा, बम्बई, द्वारा दिनांक 8-7-1981 को रजिस्ट्रीकृत किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्रापिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-1-1982

माहरः

# प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -------

प्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 परवरी, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 26 ए एस० नं० 80 (पार्ट), एस० नं० 27, एच० नं० 1 (पार्ट), एस० नं० 88 (पार्ट) है तथा जो महाकाली कैन्हज रोड, श्रंधेरी (पूर्व) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-7-1981

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कण अधिनियम, या धन-कण अधिनियम, वा धन-कण अधिनियम, विश्वा ग्राप्त प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के सभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीत :---- (1) मैसर्स न्यु० इरा वेंट वर्क्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स थैमिस एजेन्सीज

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स थैमिस एजेन्सीज (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति इंगारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# अन्**स्ची**

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस० 2211/1876 श्रौर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 31-7-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 18-2-1982

मोहर:

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1982

निदेश सं० ए० श्रार० 3/1997/3/81-82---श्रतः, मुझे, सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी हैं सं एस० नं 33, एच नं 4 है तथा जो कुर्ला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारी ख 17-7-1981

को पूर्वेक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं**हु**ई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री बालासुन्नामन्यन

(अन्सरक)

(2) जीएव दाऊवभाय कन्ट्रेक्टर

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० भार०/1019/73 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 17-7-1981 की रजिस्टर्श किया गया है।

> सुधाकर वर्मी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 4-3-1982

मोहर :

# प्रकप साई • टी • एन • एस •---

श्रीयकर ग्रीव्यनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रामीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-III, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 माच 1982

निदेश सं० ए० ग्रार०-III/2002/8/81-82—ग्रतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० सं० 663/21 से 663/23 तक है तथा जो पेस्तोम सागर, चेम्बूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिक कम संक्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किंसीं माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धंन या ग्रंभ्य ग्रांस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंबिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रंबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रंतिरती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अव, उक्त ध्रिवित्यम, की ध्राप्त 269 न के प्रमुखरण में में, अक्त प्रधिनियम की घारा 269 ज की उपवारा (1) के अधीम, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, जभृति :--

- (1) श्री नागर को० ग्राप० हार्ऊसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)
- (2) श्री हरिहर पुत्र भजन समाज,

(अन्तरिती)

(3) श्री नागर को० ग्राप० हाॐसिंग सोसायटी लि० (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिप्तबद्ध
  किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० ०स० 672/81 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 21-7-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, **बम्ब**ई

तारीख: 6-3-1982

मोहर :

प्ररूप बाई॰ टी• एन• एस•--

आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-71/रेज-IV/कलकसा/1981-82---यत:, मुझे, के० सिन्हा,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 311/1 है तथा जो प्रतापपुर जिला हुगली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हुगली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27-7-1981

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृत सक्तित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वारियस्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के िलए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

(1) श्री धीरेन्द्र नाथ हाजरा

(अन्तरक)

(2) श्री प्रच्यूत कृमार साधु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मक गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन---3 क० 0 छ० 39 वर्गफुट मकान समेत, पता-311/1, प्रतापपुर, मोजा हुगली, थाना ब्चड़ा, जिला हुगली, दस्तावेज संख्या 1981 का 6117।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारो सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1V, कलकत्ता-1

तारीख: 14-12-1981

मोहरु 🖫

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

थ्र(यक्षर ध्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रष्टीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा∨ कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 14 विसम्बर, 1982

निर्देश सं० ए० सी०-72/रेंज-IV/कलकसा/1981-82---- यतः, मुझे, के० सिन्हा,

धायकर प्रिमिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 16 है तथा जो तानूपुकुर रोड, कलकत्ता-31 में स्थित है (ग्रौर इससे उापाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य ने उचन भ्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में,मैं, चन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री दुर्गा साद, निहर बिन्दू, श्रमियबिन्दू, सुशन्ता, शान्तिमय, पालबनर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री मानबेन्द्र चौधरी

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टतीकरण:--इसमंप्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो खबत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमृस्ची

जमीन—2क० 610छ० 44 वर्गफुट जमीन समेत ∤। पता—16, तानूपूक्र रोड, कलकत्ता-31, थाना नया कस्बा, जिला 24 परगना, दलिल सं० नं० 3484 का 1981।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-IV, कलकक्ता

तारीख: 14-12-1982

मोहर्:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-]∨, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० ए० सी० 85/रेंज-IV/कलकत्ता/1981-82---श्रतः, भुक्के, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो रामधंद, बर्नपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रासनसोल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 10-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—— (1) श्रीमती तारासुन्दरी विसवास

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चितरंजन बनर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन—4 क० 1 छ० मकान सहित; पता—मौजा रामबंद, बर्नेपुर, थाना हिरापुर, जिला बर्दबान, दस्तावेज सं० 5101 का 1981।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1्V, कलकत्ता

तारीख: 11-1-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टो. एन्. एस.----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के घंधीन सूचना}

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० ए० सी०-86/रेंज-IV/कलकत्ता-1981-82--यत: मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से आधिक है और जिसकी सं० है तथा जो विश्रा पो० तारागंज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फाल्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 14-7-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोच्च सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पश्ट्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरक के लिए तय पाया वया प्रतिकृत निम्नलिखित उत्तेष्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित उत्तेष्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखत वें बास्तिक स्वयं से किया नहीं किया गया है ।——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रंघीन कर देने के ग्रन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या मा किया जाना चाहिए था, खिवाने में सुविधा के लिए;

जतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अमुसरण में, मैं पक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रथीतः :-- (1) श्री दिलिप कुमार दत्ता।

(अन्सरक)

(2) श्री नारकेण्वर प्रसाद सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं बड़ी ग्रयं होगा जो उस ग्रष्टपाय में दिया गया हैं।

# **अनुस्**ची

जमीन 200 शतक मकान समेत, पता—मौजा विषरा, पो० श्रा० तारागंज, थाना डाइमन्ड हरबर, जिला 24-परगना, दस्तावेज नं० 2988 का 1981।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 11-1-1982

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-JV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देण सं० ए० सी०-87/रेंज-IV/कलकत्ता/1981-82—यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका जिवत बाजार मूल्य 25,000/- ए० में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो बिशरा, पोस्ट तारागंज, में स्थित है (भ्रौर ६ससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक एप में अभित नहीं विश्वा गया हैं:~~

- (क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किसो प्राय था किसा धन या प्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गण था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में निविधा के लिए;

श्रत: ग्रब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के प्रनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नालियन व्यक्तियों, अर्थात :---20-6G1/82 (1) श्री तारक नाथ दत्ता

(अन्तरक)

(2) श्री बद्री नारायण सिंध

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके 'पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन—947 ६० मकान के साथ। पता—माया बिशरा, पोस्ट भ्राफिस तारागंज, थाना डायमंड हावड़ा, जिला 24 परगना, दस्तावेज सं० 2989—1981।

> कें० सिन्हा सक्षम प्राप्यिकारा सहायक आयंकर आयुक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेंज TV/कलकत्ता

तारीख: 11-1-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**बावकर बृध्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269 व (1) के अधित सुचन

भारत संरकार

काय्मिय, सहायक झायकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-IV, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1982

निर्देश सं० ए० सी०-88 रेंज-/कलकत्ता/1981-82---यतः मझे, के० सिन्हा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संप्रीता निश्चाल लेकन दान्य एक 26,000 - रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 32/1 है तथा जो काली कुमार मुखर्जी लेन, हावड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रमुसूची में ग्रीर पूण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-7-1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमनी सुहासिनी बनर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री विद्यापति मुखर्जी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की सर्वधि, का भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में संक्रियों व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### जनसंची

जमीन 2 कट्ठा मकास समेत, पता 32 1, कालीकुमार मुखर्जी लेन, थाना शिवपुर, जिला हावड़ा, दस्तावेज संख्या 1981 का 4022।

> के० सित्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तापीख: : 29-1-1982

भ्रेद्भर :

प्ररूप ग्राई० डी० ग्रन एस ----

स्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 फरवरी. 1982

निदेश सं० 1006/श्रर्जन रेज-III/1981-82~-यतः मुसे, एम**ः श्रह्मद**,

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्हें इसके परवात् 'उकत स्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-च के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बंजार मरुप 25,000/- हमये से श्रधिक है

बांजार मूल्प 25,000/- क्ष्मये से श्रिधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० 9 श्रीर 9 एच है तथा जो बालीगंज
स्टेशन रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-7-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्प से कम के
वृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उग्रके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐमें
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रार
श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तारितयों) के बीच
ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चर्ष्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत उपत ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनमें बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) भी भोलानाथ घोष भौर दूसरा
- (मन्तरक)
- (2) श्री उमा चक्रवर्ती

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती तो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ब्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उत्र श्रद्धाय में दिया गया है।

# भन्स्ची

9 श्रौर 9 एच, बालीगंज स्टेशन रोड, कलकत्ता। 3 क० 5 छ० 10 वर्ग फुट जमीन पर मकान।

> एम० **भ्रहमच** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेज-III, कलकता

तारीख: 9-2-1982

मोहर:

प्ररूप भाई० डी॰ एस॰ एस॰-----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मंत्रीन सूचता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कलकत्ता/1982---यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्बत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृह्य 25,000/-६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पी०-68 ए, है तथा जो सी० श्राई० टी० स्कीम, नं० VII (एम०) थाना मानिकतल्ला, कलकत्ता-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन, तारीख 31-7-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए प्रग्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके बृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐमे वृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रश्तरकों) और प्रम्तरितों (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) श्रश्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त ब्रिश्चित्रम के भ्रेष्टींन कर देने के श्रक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरेश्वर साहा तथा धन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संध्या रानी दास

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीमती संध्या साहा (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करकै पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की भविष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारोज से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

116.79 वर्ग मीटर जमीन मकान समेत का 3/20 ग्रंण, जी० पी० 68 ए, सी० ग्राई० टी० स्कीम नं०-VII (एम०), थाना मानिकतल्ला, कलकत्ता-54 स्थित है।

के० सिन्ह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 1-3-1982

मोहर 🕹

# प्रकथ प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ (1) के मधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० सी०/रेज- $\Pi$ /कलकत्ता/1982---यनः मुझे, के० सिन्हा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च म अभीन सक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/+ हपये में ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० पी-68 ए हैं तथा जो सी० श्राई० टी० रोड, सी० श्राई० टी० स्कीम नं० VII (एम०) थाना मानिकतल्ला, कलकत्ता-54 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से व्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छितत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है छौर अन्तरिक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफत, निक्नलिखित उद्देश्य से खकत अन्तरग लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत **एक्त ग्रधि**-नियम के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त श्रविनियम की घारा 269-म के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-च की उपधारा (।) के ग्रत्रोन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्: --- (1) श्री सुरेश्वर साहा

(मन्तरक)

(2) श्री गोपालचन्द्र दास

(म्रन्तरिती)

(3) श्रीमती संघ्या साहा (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भी तर पूर्वीका क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्र किसी स्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखा में किए जा सक्ता।

राष्ट्रीकरग: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उपत ग्रिधि-नियम के प्रध्याय 20-क म परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन प्रकाय में विया गया है।

# धनुसूची

116.79 वर्ग मीटर जमीन चार तल्ला मकान समेत का 1/2 श्रंग, जो पी०-68 ए, सी० श्राई० टी० स्कीम नं० VII (एम०), थाना मानिकतल्ला, कलकत्ता-54 में स्थित है।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 1-3-1982

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कलकत्ता/1982---यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की वह जिस्साय करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका लिए जाएर मूल 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पी-68-ए है तथा जो सी० ग्राई० टी० स्कीम नं० VII (एम०), कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 31-7-1981

को प्रतिक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सुरेश्वर साहा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्ण दासी दास

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रीमती संध्या साहा

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

116.79 वर्ग मीटर जमीन मकान समेत का 1/5 ग्रंग, जो० पी०-68 ए, सी० ग्राई० टी० स्कीम नं०-VII (एम०), थाना मानिकतल्ला, कलकत्ता 54 में स्थित है।

के० सिन्हा सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त् (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीम, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 1-3-1982

मोहर 🕄

### SUPREME COURT OF INDIA

New Delbi, the 12th March 1982

No. F. 6/82-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri H. L. Chandra Mouly, Private Secretary to the Honble Judge, as Officiating Assistant Editor, Supreme Court Reports, with effect from the forenoon of March 11, 1982, until further orders.

H. S. MUNJRAL Dy. Registrar (Admn. J.). Supreme Court of India

### (ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 12th March 1982

No. F. 6/82-SCA(I).—I. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Mrs. Vijay Laxni Kapur, officiating Stenographer to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of March 5, 1982, until further

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri Subhash Chander Malik, officialing Stenographer, to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge on ad hoc basis, in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of March 5, 1982, until further orders,

> S. GHOSH Assistant Registrar (Admn.). Supreme Court of India

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 3rd March 1982

No. A-19014/9/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 19th March 1980, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to continue the appointment of Dr. Ravi P. Bhatia, Lecturer in the National Council of Educational Retearch & Training, New Delhi to the post of Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission for tary in the office of the Union Public Service Commission for of 4th March, 1982 or until further orders whichever is earlier, under proviso to Regulation, 1958.

> Y. R. GANDH! Under Secv. for Chairman Union Public Service Commission

### New Delhi, the 23rd February 1982

No. A-32014/3/80-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 31st August 1981, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following officers to officiate an Superintendent (DP) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- on an unit of the scale of the scal hee hasis for a further period of six months with effect from 1st March 1982 or until further orders whichever is envior-

- Shri M. M. Sharma
- Shri Jagdish Lal
- Smt. D. J. Lalwani Smt. Rai Sethi Miss Sudarshan Handa
- 6. Shri R. R. Bhardwaj
- 2. The above mentioned persons should note that their adhoc appointment to the post of Superintendent (DP) will not automaitcally entitle them to regular absorption or for seniority in the grade.

C. L. LANGAIN Section Officer for Secv.

# New Delhi-11, the 27th February 1982

No. P/1818-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 4th August,

1978, 14th September 1979 and 31st August, 1981, the appointment of Dr. V. Subramanyan as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission has been continued for a further period of three months with effect from 1st March, 1982 or until further orders whichever is earlier in terms of the Department of Personnel & Administrative Reforms OM No. 39/70/PP dated 9th Ian 1979; with the concurrence of the Ministry of Home Affairs. Department of Personnel & Administrative Reforms vide their letter No. 39017/19/79-19st. (B) dated 24th February 1982.

> Y. R. GANDHI Under Secy (Admn.) Union Public Service Commission

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 1st March 1982

No. PF/S-248/74-Ad.I.—The Services of Shri S. N. Thorat, an Officer of the Maharashtra State Police, on deputation to CBI as Inspector of Police are placed back at the disposal of the Maharashtra State Police w.c.f., the afternoon of 15th February 1982.

2. He was relieved from CBI, EOW Bombay on the afternoon of 15th February 1982,

### The 9th March 1982

No. A-20014/244/80-Ad.I.—The services of Shri A. S. Patil, an Officer of the Maharashtra State Police, on deputation to C.B.I. as Inspector of Police are placed back at the line of the Maharashtra State Police we fit the afternoon disposal of the Maharashtra State Police w.e.f. the afternoon of 8th February 1982.

2. He was relieved from CBI, EOW, Bombay on the ofternoon of 8th February 1982.

HERO A. SHAHANEY Administrative Officer (E)/CBI

# DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F. CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 12th March 1982

No. O.II-1445/79-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 6th March 1982 (6-3-1982) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis. whichever is earlier.

### The 11th March 1982

No. F. 2/2/82-Estt. (CRPF).—The President is pleased to appoint Shri S. Datto Chowdhury IPS (Gui-1948), Inspector General of Police, C.R.P.F. as Director General, Central Reserve Police Force, with effect from the forenoon of the 27th February, 1982 until further orders.

> A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 27th February 1982

No. E-38013(4)/14/81-PERS.—On transfer from Sindri. Shri S. B. Choudhary assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BCCL Iharia with effect from the forenoon of 22nd Jan 1982.

No. E-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer to New Jalpaiguri, Shri A. B. Mazumdar relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the afternoon of 27th January, 1982.

> SURENDRA NATH Director General

### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 12th March 1981

No. AN/I/1403/4/Vol. II—The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700-1300) on ad hoc basis for a further period of six months as noted against each:

SI. Name No.	-					Date upto which extension has been granted
S/Shri						
1. P. Banerjec					•	25-11-81
<ol><li>Om Prakash</li></ol>						20-01-82
3. Parimal Chatterjee						25-11-81
4. P.S. Balasburamanian					,	01-02-82
5. J.N. Agarwal	•		٠	•	•	27-11-81 (AN)
6. Amar Nath Gupta						07-01-82
7. P.S. Swaminathan						28-12-81
8. D. Krishnamurthy		,				12-01-82
9. S. Bhagecrathan				,		27-11-81
10. R. L. Sehgal						11-01-82
11. Jagdish Singh						28-11-81
12. Lachha Singh	•	•		-		28-11-81
13. Lachman Das Gambh	ir	•	•	Ţ.		27-11-81
14. Man Mohan Singh		•				04-12-81

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 16th March 1982

No. AN/I/1851/5/Vol.I.—Shri Madan Mohan Lal, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 5th July 1982 (his date of birth beink 6th July 1924) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31st July 1982 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department wef 31st July 1982 (AN) in terms of FR 56(a).

No. AN/I/1850/5/Vol.I.—Shri Raj Krishan Bahl, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 31st August 1982 (his date of birth being 1st September 1924) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31st August 1982 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 31st August 1982 (AN) in terms of FR 56(a).

R. K. MATHUR Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin.).

## MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 9th March 1982

No. CER/10/82/3.—In extecise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948. I hereby direct that all the directions contained in the Notification No. CER/10/77 dated the 15th April, 1977, shall continue in operation beyond the date specified therein namely 31st March 1982, for a further period of one year that is from 1st April, 1982 to 31st March, 1983.

SURESH KUMAR Additional Textile Commissioner

### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

### SMALL SCALE INDUSTRIFS

New Delhi-110011, the 11th March 1982

No. A-19018/516/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. Izzatullah as Assistant Director (Gd. I) (Chemical) at Branch Small Industries Service Institute, Jammu, with effect from the forenoon of 29th September, 1981 until further orders.

No. A.19018(522)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri MK Sunder as Assistant Director (G.1.1) (Electrical) at Small-Industries Service Institute. Madras, with effect from the forenoon of 10.9.81 until further orders.

### The 12th March 1982

No. 12(112)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri Sudhir Gupta. Assistant Industrial Designer, Small Industries Service Institute, Calcutta to retire from Government service on attaining the age of superannuation with efffect from the afternoon of 31.1.1982.

No. 12(428)/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri SP Sinha, Deputy Director (Metallurgy), Small Industries Service Institute, Bangalore as Director (Gr. II) (Metallurgy) at Regional Testing Centre. Bombay with effect from the afternoon of 15.2.82 until further orders.

### The 15th March 1982

No. 12(732)/72-Admn.(G).—The DC(SSI) is pleased to permit Shri J. S. Sekhon, Asstt. Director (Gr. II) (GAD) SISI, New Delhi. to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 28.2.82.

No. A.19018/200/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Singh. Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical), Small Industries Service Institute, Muzaffarpur as Denuty Director (Mechanical) on ad-hoc basis in the same Institute with effect from the forenoon of 12th January, 1982 until further orders.

C. C. ROY, Deputy Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 11th March, 1982

No. A6/57(8) Vol. X.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officers substantively to the post of Assistant Inspecting Officers (Engg) with effect from the dates mentioned against each:—

S. Name of Officer No.						Date of con- firmation	
1 2						3	
S/Shri							
1. J.C. Khanna			-			1-11-72	
2. G. Kalyanasundaram						1-11-72	
<ol><li>Vireshwar Prasad</li></ol>	,					1-11-72	
4. S.S. Chauhan						1-11-72	
5. S. P. Sakhuja						1-11-72	
6. P.D. Bhatt						1-11-72	
7. Sideshwar Mishra						1-11-72	
8. N. K. Dhondekar						1-11-72	
9. J.V. Jois						1-11-7	
10. S. K. Sinha						1-11-72	
<ol> <li>A. N. Sathe</li> </ol>						1-11-72	
12. S. Sukhanandan					-	1-11-73	
<ol><li>S. Natarajan</li></ol>						1-11-72	
14. R. F. Kewalramani						1-11-72	
15. A. M. Mathur						1-11-72	

			-		
i					
16.5.0	•			 	1 11 73
16. S. C. Mahan					1-11-72
17. Anil Kanti Roy					9-11-72
18. Gyan Chandra					22-12-72
19. D.S. Naresh					9-01-73
20. S. B. Paul					6-06-73
21. B.N. Ghosal					6-10-73
22. A. K. Palit					1-11-72
23. N.G.S. Iyer					1-08-74
24. K. K. Banerjee					11-10-74
25. P. S. Prakasham					1-02-75
26. B. N. Choudhury		_			1-03-75
27. G.R. Rao					1-10-75
28. A. P. Ghosh					1-02-76
29. V.S. Thakur					1-02-76
30. R. Jagannathan					1-02-76
31. G. Vilvamani					1-02-76
32. R. B. Debnath	·				1-0-676

N. M. PERUMAL Dy. Director (Admn.

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-700016, the 8th March, 1982

No. 2154B/A-32013(AO)/80-19A- The following superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Adm. Officers in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

SI. Name No	Date of appointment
1. Mrs. Meera Ghosh 2. Shri A. K. Naskar 3 C.N. Dokshinamurthy	. 15-1-1982 (FN) . 20-1-1982 (FN) . 8-1-1982 (FN)
4. ,, B. Ram	25-1-1982 (FN)

J. SWAMI NATH. Director General

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

### New Delhi, the 9th March 1982

No. A-12025/4/80-Fst.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Rup Chand Shenmar as Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in temporary capacity with effect from the Jorenoon of 27th Februray, 1982, until further orders.

Y. VARMA,
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

# New Delhi, the 6th February 1982

No A.12026/19/79(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. George to the post of Registrar (Academic) at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry on a purely adhoc basis with effect from the forenoon of 27th January, 1982 and until further orders.

Consequent on his appointment as Registrar (Academic) Shri S. George relinquished charge of the post of Accounts Officer at Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the forenoon of 27th January, 1982.

21--6GI/82

No. A. 12025/21/80(JIPA)dmn I).—The President is pleased to appoint Shri P. Ranganathan, Technical Assistant lawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, to the post of Biochemist (Obst. & Gynaec.) in the same Institute with effect from the forenoon of 27th January, 1982, in a temporary capacity and unofurther orders.

No. A.12026/10/81(HQ)Adm.I.—Consequent on his transfer from the Office of the Textile Commissioner, Bombay, Shri M. S. Maulik (a grade III officer of the I.S.S.) assumed charge of the post of Statistical Officer (Planning in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 9th February, 1982.

T. C. JAIN, Deputy Director Administration (O&M)

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 11th March 1982

No. A-19027/2/80-A.III.—Shri D. P. Bandooni is appointed to officiate as Hindi Officer in this Directorate at Faridabad on ad hoc basis on usual deputation terms w.e.f. 1.2.1982 to 30.6.1982 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. J. MANIHAR, Director of Administration, for Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 3rd March 1982

Fef. PA/76(3)80/R-III(I) dated January 16, 1982: The officiating appointment of Shri Govind Vishnu Mandke as Assistant Accounts Officer from November 18, 1981 is restricted upto February 9, 1982 (FN).

No. PA/76(3)80-R-III(1).—The Controller, B.A.R.C. appoints Shri Trikkur Krishna Iyer Rajappen officiating Assistant Accountant to officiate as Asstt. Accounts Officer on ad hoc basis in this Research Centre with effect from the forenoon of Febrary 9, 1982 until further orders.

### The 5th March 1982 i

No. PA/79(2)/81-R-III.—Controller Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kunju Pillai Vishwanathan Pillai Assistant from DAE to officiate as Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the afternoon of March 1, 1982 until further orders

No. PA/79(2)81/R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kochukunju Balakrishnan, permanent Assistant to officiate as Assistant Perasonnel Officer in this, Research Centre with effect from the forenoon of February 24, 1982, until further orders.

No. PA/79(2)/81-R-III.—On transfer from Narora Atomic Power Project, Shri Subhash Chandra Jain, Assistant Personel Officer assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in BARC with effect from the forenoon of February 26, 1982.

### The 12th March 1982

No. PA/76(3)80/R-III(I).—Reference notification of even number dated 13.8.1981 The officiating appointment of Shri Jayantilal Vanmalidas Panchal as Assistant Accounts Officer from June 9, 1981 is restricted upto February 9, 1982 (FN).

A. SANTHAKUMARA MENON, Dy. Establishment Officer

### Bombay-85, the 8th March 1982

S-2051/Estt.II/908.—The Controller, Bhabha Atom'e Research Centre regrets to announce the death of Shri Basant Kumar Swami, a permanent Assistant Personnel Officer in this Research Centre on 13-12-1981.

> (Kum.) H. B. VIJAYAKAR, Dy. Fstablishment Officer.

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 8th March 1982

No. DPS/2/15/80-Estt./6526.—The Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Laxman Harishchandra Bagwe, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of March 1, 1982, until further orders

> K. P. JOSEPH, Administrative Officer.

### Madras-600006, the 6th March 1982

No. MRPU/200(15)/81-Adm.—The Director, rate of Purchase of Stores apoints Shri V. Sripatha Rao, pmt. Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-1:B-40-1200 on an ad hoc basis in the Madras Atomic Power Project Stores of the same Directorate with effect from January 27, 1982 to Morch 12, 1982 afternoon.

> S. RANGACHARY, Senior Purchase Officer.

### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 9th March 1982

AMD-16/7/82-Rectt.—Director, Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri D. P. Kulkarni, a permanent officer in the Assistant Administrative Officer's Grade of the Centralised Cadre of the Department of Atomic Fnergy and Assistant Personnel Officer, Bhabha Atomic Research Centre, Bombay as Administrative Officer Grade II in the Atomic Minerals Division, Hyderabad in an officiating capacity with effect effect from the forenoon of further orders. February 22, 1982 until

Sr. Administrative & Accounts Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058, the 2nd March 1982

No. 020/3(061)/A/82-Director ISRO Satellite Centre is pleased to promote the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders:

Sl. Name No.		Designation	Date
S/Shri 1. Prabhakar Kulkarni 2. Makhan Singh Rajpu 3. G.S. Seetha Raman	t	Scientist/Engineer SB Scientist/Engineer SB Scientist/Engineer SB	01-10-81 01-10-81 01-10-81
<ol> <li>R. Loganathan</li> <li>P. M. Rajendran</li> <li>S.S. Deshikachar</li> </ol>		Scientist/Engineer SB Scientist/Engineer SB Scientist/Engineer SB	01-10-81 01-10-81 01-10-81

No 020/3(061)/82.—Director. ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Sri C. Alphonse Prabhakar to the Post of Scientist/Engineer SB w.e.f. 13.11.1981 FN in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on

a purely temporary and provisional basis and until further orders.

S. SUBRAMANYAM. Administrative Officer.

### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 12th March, 1982

No. A.32013(DDGM)(Ad-hoc)/1/80-E.I.—In continuation of notification of even number dated 23rd February 1982, the President has been pleased to extend the ad-hoc appointment of the undermentioned Directors in India Meteorological Department as Deputy Director General of Meteorology, in the same department for a period of three months with effect from 27.2.1982 or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier:-

- Dr. A. K. Mukherjee.
- Dr. A. A. Ramasastry
   Dr. S. M. Kulshrestha.

H. M. CHAUDHURY, Deputy Director General of Meteorology. Performing current routine duties of Director General of Meteorology

# New Delhi-3, the 15th March, 1982

No. A. 38019/I.E.—The undermentioned officers of India Meteorological Department have retired from the Government service on dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation:

S. Name No.		Designation	Dates on which officer retired
1. Shri S.M.A.	Alvi	Director	28-2-82
2. Shri V.R. So	shadri .	Meteorologist Grade I	28-2-82
3. Shri G. P. F	ζapoor .	Assistant Meteorologist	28-2-82

K. MUKHERJEE

Meteorologist (Fstablishment) for Director General of Meteorology.

## New Delhi, the 11th March 1982

No. A.32013(DGM)/1/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Additional Director General of Meteorology, India Meteorological Department, as Director General of Meteorology in the same Department on ad-hoc basis, from the afternoon of the 5th January. 1982 upto the 4th May, 1982 or till the return of Dr. P. K. Das from 1. 3 th May, 1982 or till the return of Dr. P. K. Das from foreign assignment whichever is earlier.

> O. P. AGGARWAL, Under Secy.

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

### New Delhi, the 4th March 1982

No. A-35018/26/78-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. B. L. Saxena, Section Officer in the Office of the Member Audit Board and Exit Board .... New Delhi, as Office. New officio, Director of Commercial Audit, New Delhi Accounts Officer (Cost) in the Hendquarters Office, Delhi on deputation for a period of three years with effect from 1-3-1982 (FN).

No. A-19011/17/80-E.I.—On attaining the age of super-nuation Shri V. Ramasubramanyam, Deputy Director Director annuation Shri General in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 28-2-1982

> S. GUPTA. Deputy Director of Administration.

### New Delhi, the 12th March 1982

No. A.32013/3/79-ES.—The President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointments of the undermen-tioned five officers in the grade of Dy. Director/Controller of Aeronautical Inspection for a further period upto of Aeronautical Inspection for a further period upto 30-4-1982 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier :-

- Shri S, Ranjan.
   Shri V, D, Sethi.
   Shri T, C, Ahluwalia.
   Shri C, V, Swaminathan.
   Shri A, N, Mukherjee.

J. C. GARG Assistant Director of Administration

### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Dehradun, the 15th March 1982

No. 16/251/76-Ests-I.—The resignation of his appointment as Asstt. Lecturer in Fngineering and Surveying, Eastern Forest Rangers College, Kurseong, tendered by Shri Lok Pal has been accepted by the President, FRI&Colleges, w.c.f. the afternoon of 24.12.80.

> O. N. KAUL, Registrar. Forest Research Institute & Colleges

# MINISTRY OF ENERGY (DEPARTMENT OF COAL)

### COAL MINES LABOUR WELFARF ORGANISATION

Dhanbad, the 9th March 1982

No Adm.12(2)/82.—Sri M. P. Mishra, Superintendent of Accounts (Permanent Head Clerk) has been promoted as Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner/Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospital w.e.f. 8.2.1982 (F'N).

D. PANDA. Commissioner. Coal Mines Welfare Organisation Dhanbad

# MINISTRY OF JAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ploneer Savings Private Limited

Shillong, the 4th January 1982

No. 1504(560(5))/5216-17—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Pioneer Savings Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Phono Panacea Private Limited

Shillong, the 4th January 1982

No. 1600/560(5)/5213.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Phono Panacea Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> S. R. KOM. Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, Snillong,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Manoj Movic Private Limited

Bombay-400 002, the 15th March 1982

No. 632/14975/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Manoj Movies Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 9th March 1982

No. F.48-Ad(AT)/1982.—Shri K. N. Kothiyal, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Chan-digarh Bench is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Indore Bench, Indore on regular basis (egainst promotion quota with effect from the forenoon of 17th February, 1982 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/-, until further

Shri K. N. Kothival will be on probation for two years with effect from the 17th February, 1982.

> B. B. PALEKAR, President.

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

### BANGALORE

Bangalore, the 16th March 1982

### CORRIGENDUM

Notice No. 358/81-82.—The words "and building" appearing between words "land" and "bearing" in the schedule on page 3 of notice number 358 u/s. 269D dated 15th September 1931 be omitted and read as under :-

"Land bearing plot No. D-3 of La Campala Residential colony situated at Panaji Goa."

Smt. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bangalore.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th February 1982

Ref. No. ASR 81-82/400.---Whereas, 1, ANAND SINGH IRS.

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property in Gali Voltohanwali sitated at Mahna Singh Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sushma Rani wd/o Sh. Ganga Ram, Mahna Singh Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Amrik Singh s/o Sh. Ajiab Singh r/o Mahna Singh Road, Galı Valtohanwali, Amritsar.
  (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house (area 193 sq. yds) situated in Gali Valtohanwali, Mahna Singh Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10392/dated 31-7-81 of the registering authoticy.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 27-2-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th February 1982

Ref. No. ASR/81-82/401,—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant plot in Dayanand Nagar situated at

SR Amritsar

(and more fully described in the Scheduled annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 81

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ramesh Kumar Seth s/o Sohan Lal Ktr. Safaid. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Satinder Kaur w/o Dr. Sukhpal Singh r/o 16-F Custom Colony Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

(N3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

4(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 309 sq. yds. khasra No. 1332 min situated in Dayanand Nagar. Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 10317 dated 30-7-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 27-2-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd February 1982

Ref. No. ASR/81-82/402.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing No. One house in Guru Nanak Pura, situated at Amrittar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sohan Singh s/o Hira Singh f/o Kot Baba Deep Singh Now H. No. 388 East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumari w/o Avtar Krishan r/o Village Mudh Bhilowal, Teh. Ajnala Distt. Amritsor.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

- \*(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
- \*(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One H. No. 4561/36 MCA, situated in Bazar No. Guru Nanak Pura. Kot Baba Deep Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9169/dated 7-7-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 23-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th February 1982

Ref. No. ASR/81-82/403.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Hussainpura, situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at SR Amritsar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sh. Sudagar Mal s/o Sh. Hcm Raj r/o Hussainpura. Amritsar.
  - (Transferor)
- (2) Smt Parkash Wati w/o Sh. Braham Dutt Sharma & Smt. Vinod Sharma w/o Prem Dutt Sharma r/o Hussainpura, Amritsar.

  (Transferee)
- '(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any,
  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

One residential house No. 681/15-9 (area 140 sq. yds) situated in Gali No. 8, Hussainpura, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9851/dated 22-7-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 27-2-82

### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1982

Ref. No. ASR/81-82/404.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property in Kot Atma Ram situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at SR Amritsar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Jai Singh & Jawand Singh roo Kot Ralya Ram  $\Lambda$ mritsar.

(Transferur)

(2) Sh. Kirpal Singh r/o Gali Tehsildar Bazar Bansanwala Amritsar.

(Transferee)

(3) Chanan Singh Rs. 200/-, Sh. Paramjit Singh @ Rs. 220/- p.m., M/s. S. S. Chemical Works @ Rs. (Person in occupation of the property)

"(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share in five sheds No. 10665 situated in Kot Atma Ram Amritsar as mentoined in the sale deed No. 8905 dated 1-7-81 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 20-2-82

Scal:

### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsor, the 20th February 1982

Ref. No. ASR/81-82/405.- Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Kot Atma Ram situated at

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-22-6G1/82

41) Sh. Jai Singh & Jawand Singh r/o Kot Ralya Ram

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Singh, r/o Gali Tehsildar Bazar Bansunwala, Amritsur. (Transferee)

(3) Chanan Singh Rs. 200/-, Sh. Paramit Singh @ Rs. 220/- p.m., M/s. S. S. Chemical Works @ Rs. 175/- p.m.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in five sheds No. 10665, situated in Kot Atma Rum Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8906 dated 1-7-81 of the registering authority Amritsai.

> ANAND SINGH I.R.S. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 20-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd February 1982

Ref. No. ASR/81-82/406.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shed & vacant land on G.T. Road situated at Amritsar

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jatinder Kumar, Hari Saran ss/o Seth Sant Lal Asaltan, Smt. Tarvini Devi wd/o Sh. Sant Lal through Sh. Jatinder Kumar Mukhtaraam r/o Bhushan pura Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Surjit Chand s/o Sh. Kishan Chand r/o Gali No. 5, Tehsilpura Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One shed area 2943 sq. yds. khasra No. 1276, 1277 situated on Sultanwind Sub-urbon, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9614/ dated 17-7-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 23-2-82

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd February 1982

Ref. No. ASR/81-82/407.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One shed & vacant land on G.T. Road situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jatinder Kumar, Hari Saran ss/o Seth Sant Lal Asaltan, Smt. Trivini Devi wd/o Sant Lal through Sh. Jatinder Kumar mukhtar aam r/o Bhushanpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Surjit Chand s/o Sh. Kishan Chand r/o Tehsil-puta Gali No. 5, Amritsar.

(Transferee)

A(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the taid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One shed area 1494 sq. yds. khasra No. 1276, 1277 situated in Sultanwind Sub-urban Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9624/dated 17-7-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 23-2-82

Scal:

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 19th February 1982

Ref. No. A.P. No./3074.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

AS PER SCHEDULE situated at Village Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Juliundur on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the Apparent consideration therefor by more than fixteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gulazara Singh S/o Shri Bawa Singh R/o Village Sabowal, Tehsil Jullundur.
- (2) Shri Banta Singh S/o Shri Ghasita Singh, Shri Surat Singh S/o Shri Banta Singh, and Shri Shankar Singh S/o Shri Sher Singh R/o 566, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation fo the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring DK 0M situated at Village Kingra, Tehsil Jullundur and persons as mentioned in the registration sale Deed No. 2882 of July, 1981 of the Registering Authority. Jullundur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JΛLANDHAR

Jalandhar, the 4th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3075.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

P.s. 25,000/- and bearing AS PFR SCHEDULE situated at Hoshiarpur Road, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a ofresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid ryoperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Kumur S/o Shri Harcharan Dass R/o 232 Old Dalawala, Dehradun.
- (Transferor)
  (2) Dr. Sham Lal son of Shri Behari Lal
  R/o 289, New Jawahar Nagar,
  Jalandhar

(Transferee)

(3) As No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that **Chapter.** 

### THE SCHEDULE

Property 1/3 portion of House No. B-I-1231 situated at Hoshiarpur Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2973 of July, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-3-1982

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 4th March 1982

Ref. No. A.P. No./3076.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at

Hoshiarpur Road, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Kumar S/o Shri Harcharan Dass R/o 232, Old Dalawala, Dehradun
- (2) Smt. Lalitha Kumari W/o Shri Narinder Kumar R/o N.B. 296, Laxmipura,

(Transferee)

Jalandhar.
(3) As No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

to be interested in the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 1/3 portion of House No. B-I-1231 situated at Hoshiarpur Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2976 of July, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar,

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Qalandhar

Date: 4-3-1982

-----

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 4th March 1982

Ref. No. A.P. No./3077.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
AS PER SCHFDULE situated at

Hoshiarpur Read, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Kumar S/o Shri Harcharan Dass R/o 232 Old Dalawala, Dehradun.

(Transferor

(2) Shri Kulwant Rai S/o Shri Dilbag Rai, R/o N.D. 246, Laxmiputa, Jalandhar. (Transferec)

(3) As No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 1/3 portion of House No. B-I-1231 situated at Hoshiarpur Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3012 of July, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-3-1982

Scal:

### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACOUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 5th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3078.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/and bearing
AS PER SCHEDULE situated at

Guru Har Sahai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Guru Har Sahai on November 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration 'herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sald Act. to the following persons, namely :-

- (1) Shri Man Mohan Malik S/o Shri Bhagwan Dass, Shri Hazara Singh S/o Wasan Singh, Shri Kartar Singh S/o Hazara Singh, and Smt. Veena Kumari W/o Shri Sant Ram, R/o Ferozepur Cantt, Through Shri Man Mohan Malik, Mukhtiar-am. (Transferor)
- (2) Shri Amolak Dass S/o Shri Ram Chand Shri Jagir Chand S/o Mehnga Ram, Shri Surınder Kumar S'o Shri Kashmir Chand R/o Chak Sotrian Wala Urf. Bandi Wala Teh. Fazilka.

(3) As No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property Khasra No. 1477/1 & 152/1 Plot No. S.K.R. 32 situated at Guru Har Sahai and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1839 of November 1981 of the Registering Authority, Guru Har Sahai.

> K. K. MITTAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 5-3-1982

NOTICE UNDER' SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 5th March 1982

Ref. No. A.P. No. '3079.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Guru Har Sahai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guru Har Sahai on November 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-23—6GI/82

(1) Shri Man Mohan Malik S/o Shri Bhagwan Dass, Shri Hazara Singh S/o Wasan Singh, Shri Kartor Singh S/o Hazara Singh, and Smt. Veena Kumari W/o Shri Sant Ram, R/o Ferozepur Cantt. Through Shri Man Mohan Malik S/o Shri Bhagwan Dass Mukhtiar-um,

(2) Shri Ram Chand, Mehnga Ram S/o Shri Chhanga Ram, Shri Surinder Kumar S/o Shri Kashmir Chand R/o Chak Sotrian Wala Urf. Bandi Wala

Teh. Fazilka.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property Khasra No. 1477/1 & 152/1 Plot No. S.K.R. 32 situated at Guru Har Sahai and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1840 of November 1981 of the Registering Authority, Guru Har Sahai.

> K. K. MITTAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 5-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th March 1982

Ref. No. AP. No. /3080.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guru Har Sahai

Har Sahai on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Man Mohan Malik S/o Shri Bhagwan Dass, Shri Hazara Singh S/o Wasan Singh, Shri Kartar Singh S/o Hazara Singh, and Smt. Veena Kumari W/o Shri Sant Ram, R o Fetozepur Cantt.

(Transfeior)

(2) Shri Ram Chand, Mehnga Ram Ss/o Shri Chhanga Ram, Shri Surinder Kumar S/o Shri Kashmir Chand R/o Chak Sotrian Wala Urf. Bandi Wala Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 57'-6"×27'-1" situated at Guru Har Sahai and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1184 of July, 1981 of the Registering Authority, Guru Har Sahai.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 5-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 5th March 1982

Ref. No. A.P. No./3081.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Industrial Area, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hardarsh Deep Kaur D/o Shri Rajinder Singh R/o Siri Hargobind Garh, Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal S/o Jai Ram, R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share of Plot No. 31 measuring 173' x 63' situated at Industrial Area, Phagwara and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 997 of July, 1981 of Registering Authority, Phagwara,

K. K. MITTAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date . 5-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jalandhar, the 5th March 1982

Ref. No. A.P. No./3082.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at

Officer at Talwandi Bhai, Dist. Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Ferozepur on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ram Sarup, Om Parkash, Amrit Lal, Sushil Bhushan Ss/o Shri Sadhu Ram R/o Mohalla Aggarwal, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) S/Shri Jugal Kishore, Bhagat Rai Ss/o Shri Mulk Rai R/o Gover Mandi, Ferozepur S/Shri Surinder Nath, HarishKumar, Subh Parkash Ss/o Shri Gian Chand C/o M/s. Arura Mal Labhu Ram, Dana Mandi, Talwandi Bhai, Distt. Perozepur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Factory Building situated at Dana Mandi, Talwandi Bhai, Dist, Ferozepur and persons as mentioned in Registration sale deed No. 3932 of July, 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 5-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Lalandhar, the 5th March 1982

Ref. No. A.P. No./3083.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at Mandi Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Narain Devi W/o Indraj Mal R/o Gali No. 3, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Smt. Hukma W/o Shri Sat Narain R/o Gali No. 7, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 278/2 Kh No. 1447 situated at Mandi No. 1 (Grain Market, Abohar and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1839 of July, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 5-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandbar, the 5th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3084.—Whereas, I, K. K MITUAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PFR SCHEDULF situated at Mandi Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Abohar on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajinder Kumar S/o Shri Radhey Sham R'o Gali No. 3, Mandi Abohar. (Transferor)
  - Chri Civi L'inhun C/o Chri Moti Dom
- (2) Shri Siri Kishan S/o Shri Moti Ram R/o Gali No. 7, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2708/2 Kh. No. 1447 situated at Mandi No. 1 (Grain Market) Abohar and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2088 of July, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

K. K. MITTAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Jalandhar.

Date: 5-3-1982

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 5th March 1982

Ref. No. A.P. No /3085.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULF situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Siugh S/o Shri Amar Singh R o 747, Sector 11-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh S/o Shri Harbans Singh and Smt. Baljit Kaur wife of Shri Jaspal Sngh and Shri Harbans Sngh S/o Shri Kala Singh, R/o Bazar Sheikhan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property Kothi No. 209-Lr Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3207 of July, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 5-3-1982

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 6th March 1982

Ref. No. A.P. No./3086.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PFR SCHEDULE situated at

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Jalandhar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Smt. Sumon Yash D/o Col. Gurbax Singh Through Shri Kuldip Singh General Attorney, R/o EH-176-A, Civil Lines, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Kumari W/o Shri Jagdish Kanda R/o EH-176-A, Civil Lines, Jalandhar,

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 Property No. EH-176-A, Civil Lines, Jalandher and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3053 of July, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

> K. K. MITTAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-3-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 6th March 1982

Ref. No. A.P. No /3087.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULF situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

24--6GI/82

 Smt, Kulwant Kaur D/o Col. Gurbax Singh Through Shri Kuldip Singh General Attorney, R/o EH-176A, Civil Lines, talandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Kumari w/o Shri Jagdish Kumar Kanda R/o EH-176A, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

to be interested in the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/4 Property No. EH-176A, Civil Lines, Ialandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3054 of July, 1981 of the Registering Authority Jalandhar.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 6th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3088.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faichtaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the microses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Neel Kamal D/o Col. Gurbax Singh, Through Shri Kuldip Singh General Attorney, R/o EH-176A, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Kumar w/o Shri Jagdish Kumar Kanda R/o EH-176A, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/4 Property No. EH-176A, Civil Lines, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3054 of July, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-3-1982

### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 6th March 1982

Ref. No. A.P. No./3089.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kuldip Singh S/o Col, Gurbax Singh R/o EH-176A, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Kumari W/o Sh. Jagdish Kumar Kanda R/o EH-176A, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4 Propert No. EH-176A, Civil Lines, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3054 of July, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ΛCQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 14th March 1982

Rcf. No. A.P. No./3090.—Whereas, I, K K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing AS PFR SCHFDULE situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties how not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Shri Palla Singh S/o Kunda Singh R/o Bhatinda

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Dass S/o Salig Ram S/o Ram Chand (10/90), Sant Ram S/o Tilak Ram (10/90), Shri Santosh Kumar S/o Parshotam Dass (30/90), Smt. Serla Devi W/o Suresh Kumar (10/90), Smt. Asha Garg W/o Sat Paul Garg (20/90) Smt. Daya Wanti W/o Tarsem Singh (5/90) and Smt. Sushma Rani W/o Shiv Kirpal Singh (5/90), Smt. Sushma Rani Wo Shiv Kirpal Singh (5/90), C/o M/s. Jindal Pipes, Sirki Bazar, Bhatinda.

(3) As S. No. 2 above. (Transferees)
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this vetice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 48-10B in Khasra No. 4830 s/a Bhatinda and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3480 of July, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3091,—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jamsher (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parkes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kashmiri Lal S/o Shri Gurdas Ram & Smt. Raksha Wati W/o Shri Ram Sarup R/o Jamsber, Tehsil & Distt. Jalandhar. (Transferors)
- (2) Shri Kuldip Singh S/o Shri Nazar Singh R/o Jamsher Teh. & Distt. Julandhar. (Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(4) Any other person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 28 Kanals situated at V. Jamsher and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2815 of July, 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3092.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under submettion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. Gora Lal
 S/o Shri Nagina Ram
 R/o Post Office, Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani W/o Shri Som Parkash C/o M/s. Som Parkash & Co. Cloth Merchants, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferees)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 2921 Sq. Yds. (share of M.C. No. BII-78) situated at Bhatinda and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3484 of July, 81 of the Registering Autho-Bhatinda.

K. K. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandbar.

Date: 14-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982 Ref. No. A.P. No.3093.—Whereas, I, K. K. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to exceeding Rs. 25,000/- and bearing that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No, as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on July, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. Gora Lal
 S/o Shri Nagina Ram
 R/o Post Office, Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar S/o Shri Som Parkash C/o M/s. A. Som Parkash & Co. Cloth Merchants, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 2921 Sq. Yds. M.C. No. BII-78) situated at Bhatinda and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3641 of August, 81 of the Registering Authority, Bhatinda.

K. K. MITTAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3094.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 25 0001/2 and bearing Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair murket value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Jeona S/o Shri Nathu Ram R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh Seo Shri Malkiat Singh R/o Behman Koer Distt. Bhatinda, and Shri Darshan Singh S/o Shri Sarwan Singh R/o V. Mansa Khurd. Tehsil Phool, Distt. Bhatinda,

(Transferees)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 1 B-0 B Khasra No. 5400/3531 m in situated at Bhatinda and persons as mentioned in the Registering Authority, Bhatinda.

> K. K. MITTAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1982

### FORM No. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3095.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kala Bakra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agretd to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
25—6GI/82

(1) Shri Mehru
S/o Shri Biru
R/o V. Kala Bakra, Teh. Jalandhar
(Transferor)

(2) S/Shri Nirmal Singh, Surinder Singh Ss/o Shri Resham Singh R/o V. Kala Bakra, Teh. Jalandhar,

(Transferees)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 48 Kanals situated at Village Kala Bakra Tehsil Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2854 of July 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

## FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3096.—Whereas, I. K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Khurla, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranbir Singh
S/o Shri Bahadur Singh
S/Shri Amarjeet Singh, Gurjit Singh
S/o Shri Ranbir Singh
G.A. Shri Dipak Khanna,
R/o Nakodar Raod, Jullundur.

(Transferors)

(2) Smt. Soma Rani
W/o Shri Jagdish Chand,
Shri Hukam Singh
S/o Shri Sant Singh,
Shri Ramesh Kumar
S/o Shri Des Raj
S/Shrt Harkirat Singh, Jagdish Singh,
Reno Dua, Kulwant Singh,
Smt. Jaswant Kaur, Baljit Kaur, and
Smt. Khushwant Kaur
W/o Shri Swarn Singh
R/o Nakodar Road, Jullundur.

(Transferees)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immedvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 4k-1m situated at Khurla Teh. Jullundur and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3098 of July 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

SeaJ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3097.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranbir Singh S/o Shri Bahadur Singh S/Shri Amarject Singh, Gurjit Singh S/o Shri Ranbir Singh G.A. Shri Dipak Khanna, R/o Nokodar Road, Jullundur.

(Transferors)

(2) Smt. Jagjit Minhas W/o Shri Prithi Pal Singh, Shri Jagjit Singh S/o Shri Kartar Singh, Shri Jodh Raj S/o Shri Vidya Parkash, Shri Gurcharan Singh S/o Shri Harbans Singh and Smt. Prem Kaur W/o Shri Harbans Singh, R/o Jullundur.

(Transferees)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 4K-8M situated at Vill. Khurla Teh. Jullundur and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2955 of July, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

### FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3098.—Whereas, I, K, K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per Schedule situated at Khurla Teh, Juliundur

No. as per Schedule situated at Khurla Teh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrainant of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ranbir Singh S/o Shri Bahadur Singh Amarjit Singh, Gurjit Singh Ss/o Shri Ranbir Singh G.A. Shri Dipak Khanna, R/o Nakodar Ro ad, Juliundur.

(Transferor)

(2) Smt. Harnam Kaur W/o Shri Kartar Singh, Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Waryam Singh, Smt. Kamal Khanna W/o Shri Dipak Khanna, Smt. Daljit Kaur W/o Shri Bhag Singh, Gurpal Kaur, Sukhpal Kaur Ds/o Shri Aaya Singh, R/o Nakodar Road, Jalandhar.

(3) As Sr. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 4K-8M situated at vill. Khurla Teh. Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3077 of July, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3099 .- Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ranbir Singh S/o Shri Bahadur Singh, Shri Amarjit Singh Gurjit Singh Ss/o Shri Ranbir Singh, G.A. Shri Deepak Khanna, R/o Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Aruna Sehgal W/o Shri Kuldip Singh Shri Vinod Kumar S/o Shri Ram Nath R/o Model House, Jalandhar, Smt. Bhupinder Kaur W/o Shri Rajinder Singh, Shri Ashwani Kumar S/o Shri Devinder Nath, Smt. Joginder Kaur W/o Shri Avtar Singh and Shri Jagdish Singh S/o Shri Bhola Singh, R/o Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4-K-16Mls, situated at Khurla and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2998 of July. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

> K. K. MITTAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3100.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. as per Schedule situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranbir Singh S/o Shri Bahadur Singh, Amarjit Singh, Gurjit Singh Ss/o Shri Ranbir Singh G.A. Shri Harjinder Singh R/o Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur W/o Shri L. S. Sandhu Smt. Dhanwant Kaur W/o Shri Teja Singh, Shri Amardeep Singh S/o Shri Sarabjit Singh, Shri Kalwant Singh S/o Shri Kartar Singh, Smt. Sital Sharma W/o Shri Arun Sharma R/o Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4K-8Mls. situated at vill. Khurla and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2956 of July, 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMEN'T OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3101.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ranbir Singh S/o Shri Bahadur Singh Amarjit Singh, Gurjit Singh Ss/o Shri Ranbir Singh G.A. Harjinder Singh, R/o Nakodar Road, Jullundur,

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Jain W/o Shri Amir Chand Smt. Shakuntla Rani W/o Shri Ramji Lal, Shri Balbir Singh S/o Shri Kartar Singh, Smt. Harbans Kaur W/o Shri Pritam Singh Shri Harcharan Singh S/o Shri Labh Singh & S/Smt. Harbans Kaur and Santokh Kaur W/o Shri Lal Singh R/o 132, Shakti Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 kls. 16 Mls. situated at Vill, Khurla, and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3058 of July 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

> K. K. MITTAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3102.-Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ranbir Singh S/o Shri Bahadur Singh, Sylv Shri Manohar Singh, G.A. Shri Manohar Singh S./v Shri Manohar Singh S./v Shri Manohar Singh, R/o Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sat Paul Jhanji S/o Shri Roshan Lal Shri Jodh Raj Gupta (HUF) S/o Shri Vidya Parkash Gupta & Shri Jai Kishan S/o Shri Mani Ram & Smt. Veena Chopra W/o Shri Ved Parkash, Shri Anil Datta son and Smt. Anita Datta daughter of Shri D. K. Datta, Smt. Joginder Kaur W/o Shri Dalbir Singh & Smt. Gurdev Kaur W/o Shri Basta Singh through Shri Sat Pal Jhangi, R/o EO-138, Jaura Gate Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4-K-8Mls, situated at V. Khurla and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2997 of July, 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

> K, K, MITTAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2349.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Part of House plot No. 78/3, situated at Gol Bazar, Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 23-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—26—6GI/82

S/Shrl

- (1) Shaligram, S/o Shri Dwarikaprasad Soni
  - Sukhsagar,
     Anand Mohan,
  - Manmohan, All sons of Shligram Soni, r/o Tikari, Tah. Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Ganeshprasad s/o Malikram Soni, r/o Tikari, Teh. Bilaspur, At present Gol Bazar near the shop of Shri Sukhdeoprasad Raghunath Sahari Dixit, Gol Bazar, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House bearing plot No. 78/3, Nazul Sheet No. 32, situated at Gol Bazar, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

### BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ, BPL/2350.—Whereas I. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Incomp-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House plot No. 78/3, situated at Gole Bazar, Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 23-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shri Shaligram s/o Dwarikaprasad Soni.
  - Sukhsagar, Anand Mohan,

  - Manmohan, All sons of Shaligram Soni, r/o Tikari, Tah. Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Manharanlal Soni S/o Shri Malikram Soni, r/o Tikari, Tah. Bilaspur, At present Gole Bazar near the Shop of Shri Sukhdevo Prasad, Raghunath Sahari Dixit. Gole Bazar, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givn in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of House bearing plot No. 78/3, Nazul Sheet No. 32, situated at Gol Bazar, Bilaspur.

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-2-1982

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Kashinath Rao Tole,
2. Krishna Rao Tole S/o
Kashinath Rao Tole,
r/o Laxmipura, Sagar.

(1) 1. S/Shri Pursottam Rao S/o

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar s/o Kashinath Rao Tole, r/o Bariyaghat, Sagar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th February 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2351.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

Plot adjoining to H. No. 258/2,

situated at Laxmipura, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Sagar on 8-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot adjoining to H. No. 258/2, situated at Laxmipura, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-2-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Purshottam Rao, s/o Kashinath Rao Tole,
 Krishna Rao Tole s/o Kashinath Rao Tole, r/o Laxmipura, Sagar.

(Transferor)

(2) Smt. Pyari Bahu wd/o Shri Ramlal Jain, r/o Kariya Hazari, Tah. Sagar.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2352.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House bearing No. 258/2, situated at Laxmipura, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sagar on 8-7-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House bearing No. 258/2, situated in Laxmipura, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2353.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot, situated at Civil Lines, Damoh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Damoh on 25-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Dr. Lekhraj Duaa s/o Bhawaui Das Duaa
 2. Shri Prithviraj Duaa s/o Bhawani Das Duaa,
 r/o Damoh.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Devi w/o Abhaykumar Asati, c/o Bhagawati Asati, Post Master, Damoh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot measuring 1,000 sq. ft. situated in Civil Lines, Near Bela, Tah. Damoh.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th February 1982

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/2354.--Whereas I, D. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

Plot Kh. No 162/61, situated at Pandri Tarai, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 6-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Prema Bai w/o Shri Kripa Ram Sahu, r/o Bajuathpara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Prakash Jha, s/o Late B. Ramprasad Jha, r/o 747, Shanti Nagar, Raipur.

(Trausferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot bearing Kh. No. 162/61 situated in Pandri Tarai, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. 'T. Nagar, Bhopal

Date: 25-2-1982

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./2355.—Whereus I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

269(B) of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Kh. No. 162/61.

situated at Pandri Tarai, Raipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 6-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, parally:—

 Smt. Prema Bai w/o Shri Kripa Ram Sahu. r/o Bajnathpura, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Subhadra Jha w/o Shri Surendra Prakash Jha, 1 o 747, Shanti Nagar, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot bearing Kh. No. 162/61, situated in Pandri Tarai, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2356.—Whereus I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the ammountable property, baying a fuir market value exceeding

ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 255, situated at Bhatapara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prahlad Sharma 3/0 Sukdeo Prasad Sharma, r/o Bhatapara, Raipur.

(Transferor)

 Master Shishupul,
 Vijay Kumar,
 Sanjay Kumar,
 all Minor sons of Shri Kishanlal Balani,
 r/o Matadewalaya Ward,
 Bhatapara,
 Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of House No. 255, situated at Hatari Bazar, Sindhi Market, Bhatapara, Raipur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Ruilding,
T. T. Nagar, Bhopal

Date 25-2-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Prahlad Sharma s/o Sukhdeo Prasad Sharma, r/o Bhatapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Kishanlal Balani s/o Dusumal Balani, r/o Matadewalaya Ward, Bhatapara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ BPL/2357.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 255,

situated at Bhatapara, Raipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—6GI\$82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of House No. 255, situated at Hatri Bazar (Sindhi Market), Bhatapara, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 25-2-1982

### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2358.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agril. land, Kh. No. 209/2,

situated at Village Mouza, Kadarka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 23-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Rao, S/o Purshottam, r/o Kushmi, Tah. Bemetara.

(Transferor)

(2) Shri Sushilkumar s/o Biyandmal, r/o Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4.38 Acres Kh. No. 209/2. Mouza Kadarka.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-2-1982

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2359.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land, Kh. No. 213/3, situated at Kadarka, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 23-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manohar Rao, s/o Purshottam Rao, r/o Kushmi, Tah. Bemetara, Durg.

(Transferor)

(2) Shri Shamandas 8/0 Jayandmal, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9.73 Acres, situated at Village (Mouza) Kadarka, Raipur. (Kh. No. 213/3).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-2-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2360.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land, Kh. No. 213/3,

situated at Village Mouza, Kadarka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur on 23-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manohar Rao, s/o Purshottam, Rao r/o Kushmi, Durg.

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Das s/o Rup chand, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9.70 Acres, Kh. No. 213/3, situated at Village (Mouza) Kadarka.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-2-1982.

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2361.—Whereas I, PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bungalow No. 2(E) Survey No. 101, situated at Cantt., Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabulpur on 16-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Rajmata Smt. Priyamvada Devi, w/o Shri Dharmaraj Singh, r/o Kawardha House, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Th. Devendra Singh,

 Th. Devendra Singh,
 s/o Th. R. B. Singh,
 Smt. Darshan w/o Th. B. Singh,
 Shri Yogendra Singh s/o Th. B. Singh,
 Mahendra Singh, s/o Th. B. Singh,
 Satyendra Singh s/o Th. B. Singh,
 Ir/o 1225, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned (-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bungalow No. 2(E) Survey No. 101, situated on Morris road, Cantt., Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhonai

Date: 23-2-1982

### FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2362.-Whereas I, PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House bearing No. 26/339, situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 30-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Balkishanlal Agarwal, 2. Damodhurprasad Agarwal, 3. Lambaderprasad Agarwal,

  - B. P. Agarwal,
     Smt. Kunjmati wd/o B. P. Agarwal, r/o Kaukalipara, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Birbalprasad s/o Devkinandan. Satyanarain Agarwal, C/o. M/s. Garg Rolling & Binding Works, Sadar Bazar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing No. 26/339, Kankalipara Ward, Raipur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-2-1982

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th December 1981

Ref. Notice No. 381/81-82.—Whereas I, Smt. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 295 & 296,

situated at Hebbasala village, Saklespur kasaba,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Saklespura under document number 631/81-82 on 30-7-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Noor Jahan w/o Haji B. M. Mohammad Shafee, Estate Owner, B.M. Road, Saklespur.
- (2) Shri G. M.Vittal Prabhu s/o M. Vaikunt Prabhu, Agriculturist, r/o Belthangady Kasba, Village, Distt. Mangalore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 631 Dated 30-7-1981]
Following Lands, situnted at Hebbasala Village, Saklespur Kasba.

 S. No.
 Extent

 295
 3.27 Acre

 295
 15.09 Acre

 296
 2.08 Acre

SMT. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

### ΛCQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 14th December 1981

C.R. No. 62/31602/81-82/ACQ-B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17, and New No. 107 (Hotel Shalivahan), situated at Cart stand Road, Jolly mohalla, Bangalore-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhi Nagar, under document No. 1561/81-82 on 20-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, at the following persons, namely:

 Shri B. V. Ramachandrappa, No. B. 19, Police Road, Bangalore.

(Transferer)

(2) Shri R Shankar, No. 5, Gejje Basappa Setty Lane, Cottenpet, Bangalore.

(Transferec)

(3) M/s. Hotel Shalivahan, Represented by its partner, K. Pandyan S/o Ganapathiya Pillai, No. 17, and New No. 107, Cart Stand Road, Bangalore (Jolly Mohalla). (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1561/81-82 Dated 20-7-1981]

All that property bearing No. 17, and new No. 107, (Hotel Shalivahan), situated at Card Stand Road, Jolly Mohalla, Bangalore-53.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-12-1981

# FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560001, the 15th January 1982

Ref. No. Notice No. 401/81-82.--Whereas, I. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Survey No.

4/10P, situated at Thalagodu village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere under Document Number 282 on 6-7-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley :-28-6GI/82

(1) Shri J. M. Vasanthakumar, s/o Shri J. Manjappaiah, r/o Jalimane, Thalagodu Village, Isalasa Hobli, Tal. Mudigere, Dist. Chickmagalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri H. Singappaish

2. Shri H. V. Srinivasaiah
3. Shri H. V. Subba Rao
4. Shri H. V. Sheshagiri Rao
5. Shri M. R. Padmanabha,

r/o Hothanagadde, Heroor village, Megunda Hobli, Post : Basarikatte, Taluk Koppa.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 282

Dated 6-7-19811

8 Acres Coffee Land bearing Survey No. 4/10P, situated at Thalagodu Village.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1982

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th February 1982

C.R. No. 62/31971/81-82/ACQ/8.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/- and bearing No.

1554, situated at Vanivilas Road, K.R. Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Doc. No. 1611/81-82 on 28-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Janakkari Bai, c/o Sri Mohanlal, Whole Sale Cloth Merchant, Ashoka Road, Lashkar Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri Dharamchand Bafana, President c/o Sri Sri Jaina Swethambara Terepant 'Trust, Vanivalas Road,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1611/81-82 Dated 28-7-1981.] No. 1554, Vanivilas Road, K. R. Mohalla, Mysore-4.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-2-1982

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 27th January 1982

C. R. No. 62/31989/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 260/37, situated at 36th Cross Road, 8th Block Jaya-Nagar, Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaya Nagar, Doc, No. 2731 on 19-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lattern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Iacilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269P of the said Act to the following persons, namely

(1) Shri B. C. Subraya Murthy, 103, Prakashnilayam, Shankar Mutt Road, Shankarapuram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri D. N. Naidu, Jargana Halli Village, Uattar Halli Hobli, Bangalore South Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2731 Dated 19-9-'82]
No. 260/37, 36th Cross Road, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-1-'82

Sea1:

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore,: the 19th February 1982

R. No. 62 31604/81-82/Acq./8,—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36, and premises No. 37 situated at States Picture House Kempegowda Road, Bangalore-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Under document No. 1456/81-82 on 10-7-198! for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) 1. Smt. Hardevibal K. Bajaj.

No. 181, 6th Cross, Gandhinagar, Bangalore.

2. Smt. Bhagavathi Bai. L. Chabria No. 406,
12th Cross, R. M. Vilas Extension, Bangalore.

3. Sri Shyamlal K. Bajaj, No. 14,

Dr. Radhakrishnan Road, 9th Lane, Mylapore, Madras-4.

Sri Giridhar K. Bajaj, No. 181, 6th Cross, Road, Gandhinagar, Bangalore.
 Sri Tulsidas K. Bajaj, No. 43, Cunningham Road,

Bangalore 52.

6. Sri Srichand K. Bajaj, Hardevi Chambers, Panthem Road, Madras-8.
7. Sri Chandrakumar K. Bajaj, No. 181, 6th Cross, Gandhinagar, Bangalore-9.

(Transferor)

(2) M/s. Kaushik Enterprises Represented by Sri Tollam N. Nanjunda Shetty S/o Tallam Peddanarayana Shetty, No. 133, Kumarapark West Extension, I Block, Railway Line, Parallel Road, Bangalore-20.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1456/81-82 Dated 10-7-81)

All that property bearing No. 36 (Old No. 6) and premises No. 37 (Old Nos. 10 & 31) called states picture house situated at Kempegowda Road, Bangalore.

Bounded by:

On East—Building belonging to L.l.C. of India. On West—Devanga Sangha Building. On North—Central College Hostel Compound. On South—Kempegowda road.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-2-1982

# FORM ITNS ---

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 26th February 1982

C. R. No. 62/32769/81-82 Acq/B.—Whereas 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 143-2, and 43/7 Agricultural lands, situated at Hoskeri Kanthur village, Kodagu district and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara Doc. No. 508 on 10-7-1981

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri W. A. Madaiah, s/o Sri Appaiah, Kanthur Village, and six others.

(Transferor)

(2) Shri B. Jaigopal and Sri Susah Jaigopal, Maragodu village, Madikeri, Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 508 Dated 10-7-'81]

Agricultural lands situated at Hoskeri, Kanthur villages of Kodagu Driet. The extent of lands is 26-01 acres in Sy. No. 143/2, and 43/7 (Schedule A) and 32.05 acre in Schedule 'B'.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 17th December 1981

Ref. No. III-530 Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a<sub>3</sub> the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Touzi No. 439 Ward No. 11, Circle No. 28, Sheet No. 70, H.S. Plot No. 293, Holding No. 276, Present Holding No. 288 situated at Amrudi Machua Toli known as Abulas lane, P.S. Kadamkuan, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 13-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shail Kumari Devi W/o Sri Laxman Sharma R/O Bheldi P.S. Parsa Dist. Saran (Chapra)
  At Present residing at Budha Colony near Police station, Patna.

  (Transferors
- (2) Shri Hari Ram Agrawal S/o Sri Ruli Ram Agrawal, R/o Sabzibagh. P.S. Pirbahore Dist, Patna At present residing at Amrudi Machuatoli known as Abulas lane P.S. Kadamkuan, Patna-4.

(Transferce)

(3) Self occupated by transferees.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the 'respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Five anaa's four paisa share equivalent to land 10 1/3 dhurs with triple storied building situated at Amrudi Machua Toli Known as Abulas lane P.S. Kadamkuan, Patna-4 morefully described in deed No. 5296 dated 13-7-81 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Gompetont Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bihar, Patna

Date: 17-12-81

Scal:

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 17th February 1982

Ref. No. III-544/Acq./81-82.—Whereus, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 161 sub Plot No. 57 Khata No. 207 under Khewat No. 9/1 situated at Village Hinoo, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Radha Krishna Vijayvargiya S/o Late Laxmi Narain Vijayvargiya R/o Doranda P.S. Doranda Dist. Ranchi and (ii) Shri Ram Swaroop Vijayvargiya S/o Late Suwa Lal Vijayavargiya R/o Chutia P.S. Chutia Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Prem Lata Shrivastava W/o Shri Binoy Kumar Sinha R/o Village Gulab Bagh P.S. Bettiah Dist. West Champaran At present residing at Dady Doctors Quarters in Sader Hospital Compound, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kathas 6 chatakas and 11 square feet with small house and boundary wall situated at village Hinoo P.S. Doranda Dist. Ranchi morefully described in deed No. 8607 dated 30-7-81 registered with D.S.R. Ranchi.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 12-2-1982

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 12th February 1982

Ref. No. F. 11523.—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8B/46-48 situated at Dr. Radhakrishna Road, Tatabad Coimbatore (Doc. 3418/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transserred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Ammani Ammal 8B/46 to 48, Dr. Radhakrishna Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) T. R. Nanjappan, 6/5, Thenamanallur, Coimbatore 7k

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at 8B/46 to 48, Dr. Radhakrishna Road, Coimbatore.
(Doc. 3418/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Europeanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 12-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st March 1982

Ref. No. F. No. 127, 128 and 129/July/81,-Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 173/3 S. Nos. 170/2, 170/1, R.S. No. 171/2, S. Nos. 170/3 & 171/1, Kondappanaickenpatty, situated at Salem Taluk, Salem District

and more fully described in the Schedule nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer J.S.R. I, salem on 27-7-81 (Document No. 5170/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than gfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India I Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the sai. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C f the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquir ion of the aforesaid property by the issue of this ratice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--29—6GI/82

- (1) (1) Smt. Ruth Ammal, W/o Sri Devanesan
  - (2) Sri Yesunesan(3) Sri Siluvainesan
  - (4) Sri John-Thomas (5) Sri Kirupakardas
  - (6) Sri Reuban (S. Nos. 2 to 6 are sons of Srl Devanesan)

  - Devanesan)
    (7) Smt. D. Esther, W/o Sri Fredrik Selvaraj
    (8) Smt. D. Marthal, W/o Sri Sundaram
    (9) Smt. D. Elizabath, W/o Sri Jayapal
    (10) Smt. D. Christmasnesam, W/o Sri Mohan
    (11) Smt. D. Easternesam, W/o Sri Raju and
    (12) Smt. D. Esther, Superbit W/o Sri Raju and
  - (12) Smt. D. Esther Suganthi, W/o Sri Pachappan (Sl. Nos., 7 to 12 are daughters of Sri Devanesan) All are residing at Kondappanaickenpatti village,
    - Salem Tk. Salem Dt.
- (2) (1) Sri Navnits S Metha, S/o S. B. Metha, 6th Floor Amar Building Thiruppathi Apartments, Warden Road, Bombay

  - (2) Shri Harshkant, S. Metha, S/o S. B. Metha, No. 855, Poonamalli High Road, Madras-10, (3) Smt. Aaita S. Metha, W/o Srikant S. Metha, Brassy Banks Yercaud.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from ' c date of publication of this notice in the Of cial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 173/6, Acre 1-52; S. No. 170/2—Acre 2.94; S. No. 170/1—Acre 0-07; R.S. No. 171/2
-Acre 5-26; S. No. 170/3—Acre 0-36; S. No. 171/1—Acre
-0-12 in all 10 acres & 27 cents and 3 tiled houses and one thatched house—Kondappanaickenpatty village, Salem Taluk, Salem Dt.—Document No. 5170/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2 Madras-6

Date: 1-3-1982

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11517.—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS situated at 1100/1B and 1100/2B (part) Krishna-rayapuram, Coimbatore (Doc. 4110/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely

- (1) G. R. Govindarajulu & Sons Charities
  Educational Trust, Peclamedu, Coimbatore.
  (Transferor)
- (2) R. C. Reddy, K. Srinivasan, K. Selvaraj, Damunagar, 14. Puliakulam, Coimbatore-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 1100/1B and 11002B, Krishnarayapuram, Coimbatore.

(Doc. 4110/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay.
Acquisition Range-2
Madras-6

Date: 2-3-1982

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 123. MOUNT ROAD, MADRAS-6 Madras, the 2nd March 1982

Ref No. F. 11535.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 518 situated at 519, 520, 509 (part) 530 (Doc. 1268/

81) Singenallur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Singanallur on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of 'm' income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be div.losed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 2957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) S. R. Palaniappan S/o Ramasamy Naicker 69, SRT Lay out, Singanallur. (Transferor)
- (2) S. M. Palaniswamy, 8, Pattatharasiamman, Koil St., Singanallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 518, 519, 520, 509 (part) 530, Singanallur. (Doc. 1268/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2 Madras-6

Date: 2-3-1982

#### FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11535.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 520, 521, 509 (part) 530 situated at Singanallur (Doc. 1269/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 S. R. Palaniappan S/o Ramaswamy Naicker 69, S.R.T. Lay out, Singanallur.

(Transferor)

(2) S. M. Subramaniam, 9, Pattathasiamman Koil II St., Singanallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 520, 521, 509, 530, Singanallur. (Doc. 1269/81)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11535.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No 521, 509 (part), 522 situated at Singanallur (Doc. 2170/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Singanallur on July 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to section (1) of Section 269D of the said Act, to the following instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. R. Palaniappan S/o Ramaswamy Naicker 69, S.R.T. Lay out, Singapallur.

('Transferor)

(2) S. K. Murugan 35, Pattatharasiamman Koil St., Singannallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 521, 509, 522, Singanallur. (Doc. 1270/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) S. R. Palaniappan S/o Ramaswamy Naicker 69, S.R.T. Lay out, Singanallur.

(Transferor)

(2) S. M. Kandaswamy, 6, Pattatharasiamman Koil II St., Singanallur.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11535.-Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 522, 509/17, 509/18, 523A, 530 situated at Singanallur (Doc. 1271/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Singanallur (Doc. 1271/81)

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parxies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 522, 509/17, 509/18, 523A, 530, Singanallur, (Doc. 1271/81)

> R. RAVICHANDRAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269Dh1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# (1) S. R. Palaniappan S/o Ramaswamy Naicker 69, S.R.T. Lay out, Singanallur.

(Transferor)

(2) S. M. Lakshmanan, 7, P. Amman Koil St., Singanallur.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11535.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and hearing No.

S. No. 523, 524, 509/16 (part), 530 situated at Singanallur (Doc 1272/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Singanallur on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe rwith the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 523, 524, 509/16 (part) 530, Singanallur. (Doc. 1272/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 2,
H-Block, Vikas Bhavan,
Madras-6.

Date: 2-3-1982.

NG11CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# S. R. Palaniappan S/o Ramaswamy Naicker 69, S.R.T. Lay out, Singanallur.

(2) Ayyammal, Palaniammal, Karuppathal, Naryammal, 6, 7, Pattatharasiamman Koil St., Singanallur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123. MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11535.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 524, 525, 509/18 (part) 530, situated at Singanallur (Doc. 1273/81)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 524, 525, 509/18 (part), 530, Singanallur (Doc. 1273/81)

R. RAVICHANDRAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

of :-

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11535.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding S. No. 525, 526, 519/18 (part), 509/19, 530, situated at Singmallur (Doc. 1274/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singapallur on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—6G1/82

 S. R. Palaniappan S/o Ramaswamy Naicker 69, S.R.T. Lay out, Singanallur.

(Transferor)

(2) S. A. Vellingiri, S/o Arumugham Devendra Mariamman Koil St., Singanallur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 525, 526, 519/18 (part), 509/19, 530, Singanallur (Doc. 1274/81)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Madras-600 018.

(Transferor)

(2) The Modern Electric Co. 13, Vasudevpuram, Madras-600 005.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11535.-Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
No. 242, 243 situated at Avanashi Road, Coimbatore (Doc. 4120/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore on July 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(1) J. Walter, 52, Kavinagar Bharathidasan Road,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at 242, 243, Avanashi Road, Coimbatore. (Doc. 4120/81)

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11517.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 1100 1B, 1100/2B, 1100/3A, 1100/4A, situated at Krishnarayapuram (Doc. 4113/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16-of 1908) in the Office of the Registering Officer at Combatore on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely: -

(1) G. R. Govindarajulu S/o P. S. G. Rangaswami Peelamendu, Coimbatore.

(Transferor)

(2) L. G. Balakrishnan & Brathers Ltd. India House Trichy Road, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land at TS 1100/1B, 1100/2B, 1100/3A, 1100/4A, Krishna-rayapuram. (Doc. 4113/81)

R. RAVICHANDRAN.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11517.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25,000/-and bearing

No. TS 1100/1B situated at 1100/IIB, Krishnarayapuram (Doc. 4114/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ':—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) G. R. Govindarajulu & Sons Charities Peelamedu, Combatore-4.

(Transferor)

(2) T. Balaji Naidu, Mrs. B. Gayathri, Sujay. Gea Estate Compound, Race Course Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at TS 1100/1B, 1100/IIB, Krishnarayapuram, Coimbatore. (Doc. 4114/81)

R. FAVICHANDRAN, (i/c)
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

Scal:

#### FORM LT.N.S.-

(1) G. R. Govindarajulu & Sons Charities Peelamedu, Coimbatore.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. R. Narayanaswamy, R. Venkatarangappa Naidu, A. R. Gopalaswami, L. R. B. Naidu Educational Trust, India House, Trichy Road, Coimbatore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11517.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 1100/1B situated at 1100/2B, Krishnarayapuram (Doc. 4112/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) we been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at TS 1100/1B, 1100/2B, Krishnarayapuram (Doc. 1112/81)

R. RAVICHANDRAN, (I'C)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

# FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11516.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 25,000/- and bearing No. TS 8/28 situated at Telungupalayam (Doc. 4068/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kuppanna Gounder, Kumaraswamy, Hangovan, Imayavaramban, 9, V.O.C. Road, RS Puram, Colmbatore.

(Transferor)

(1) S. P. K. Veluswamy Gounder, Seripalayam, Andipalayam, Pollachi, Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at S. No. 8/28, Telungupalayam, Coimbatore. (Doc. 4068/81)

R. RAVICHANDRAN, (I/C)
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982,

# FORM 1.T.N.S.— ---

(1) Mohmed Jaffer Abdul Rahiman Sait, Erin Villa, Coonoor-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11526.—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS. No. situated at 41, 42, 43B, 44, 7, 8, 9 at Arakode and 14 and 33 at Kakode, Kotagiri Tk (Doc 746/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotagiri in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

(2) P. George Philip, A. B. Mohammed Kutty, C. V. Kuruvilla, L. K. Prabhu, P. G. Thomas, Mrs. Susy Philipose, Mrs. Elizabeth George John K. Thomas 1/12B D. C. Road, Port Cochin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at RS No. 41, 42, 43B, 44, 7, 8, 9 at Arakode and 14 and 33, Kakode Kotagiri. (Doc. 746/81)

R. RAVICHANDRAN. (I/C) Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

FORM I.T.N.S.--

(1) G. R. Govindarajulu & Sons Charities Peelamedu, Coimbatore-4.

(Transferor)

(2) P. Sasivaranan, R. Srinagesh S. Indirakumari, D. Chandrasekaran 24, Siriyankandathu Colony, Gandhipuram, Coimbatore-12.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11517.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1100/1B situated at 1100/2B, Krishnarayapuram (Doc. 4111/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at TS 1100/1B, 1100/2B, Krishnarayapuram Village. (Doc. 4111/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982.

#### FORM J.T.N.S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR. IIANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th February 1982

Ref. No. P.F. No. 1487 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, cr. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 96/1, FP. No. 297, C.S. No. 7462 situated at Station Road, Uniba;

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uniha on 3-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—6GI/82

(1) 1. Smt. Suaben Bheekchandji, wife of Bheekchand Rudhnathji; 2. Smt. Shantaben Sumarimal, wife of Sumarimal Kheekchanadj; Both staying at Unjhu, Mehsana District

(Transferor)

(2) Shah Champalal J. Seth; Madhukunj Society, Unjha; Dist, Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Building bearing S. No. 96/1, F.P. No. 297, C.S. No. 7462 situated in station Road, Unjha and as fully described in sale deed (No 665) registered in the office of Sub-Registrar, Unjha on 3-7-1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10th February, 1982,

Scal:

#### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIO NRANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1490 Acq 23-II/81-82,—Whereas I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 802-803-804-805 Hissa No. 1/1 situated at Kasba Palanpur sim

(and more fully described in the schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palanpur on 27-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

Patel Becharbhai Jethabhai Staying at Sejalpura;
 Patel Becharbhai Hirabhai Staying at Palanpur.
 Patel Becharbhai Celabhai staying at Rampur (Sadarpur)

4. Patel Ramchandbhai Manjibhai;)

 Patel Virchandbhai Ratnabhai) Rampur (Sadarpur). All of Palanpur Taluka.

(Transferor)(s)

(2) 1. Minor Samirkumar Babulal Somani;

 Minor Jagdishkumar Babulal Somani;
 both through: Guardian Babulal Popatlal Somani Chandisar.

 Salinkumar Babulal Somani, Palace Road, Palanpur.

(Transferee) (

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land as described in the sale deeds registered with sub-Registrar, Palanpur, vide Regn. Nos. 2128, 2130 and 2131 on 27-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangell, Ahmedabad

Date: 17th February, 1982.

પ્રાથા :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1491 Acq 23-JI/81-82.--Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Moje Magdalla—S. No. 78, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Kamuben Gulabbhai;

Dalatbhai Gulabbhai; 3. Bababhai Gulabbhai;

Village: Abhava, Tal. Choryasi,

(Transferor)

(2) 1. Deviben wife of Narottambhai Chhanganlal;

Jagdishbhai Ramanlal;

Village Magdalla, Tal. Choryasi.

(Transferce)

Objections ,if any, to the acquisition of the said may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Magdalla-S. No. 78, registered in July, 1981. Ahmelabad.

> G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition RangeII, Ahmedabad.

Date: 17th February, 1982.

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> Ahmedabad-380 009, the 17th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1492 Acq 23-11/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

at village—Vesu—Tal. Choryasi situated at S. No. 32(P) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, increfore, in pursuance of Section 269C of the said int. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mehruben Adarji Tadiwala; Ugamano Mahollo, Shahpor, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Karsanbhai Ahir; Shri Somabhai Haribhai Ahir; Piplod, Tal. Choryasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Vesu Tal. Choryasi, S. No. 32, registered in July, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1493 Acq. 23-11/81-82. - Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nd bearing

S. No. 95/2, Block No. 2, situated at Village Vashiar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscription (1) of Section 269D of his said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Keti Hasang P. Vandrawala; Prop. Van & Company, Moje Village—Vashiar, Tal. Valsad.

(Transferor)

(2) Satyajit Chemical Pvt. Ltd.89, Mittal Chambers,Nariman Point, Bombay-400021.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Vashiar S. No. 95/2, Block No. 2, registered in July, 1981.

G. C. GARG. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

9: 17th February, 1982. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1494 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 15, Block No. 21 & 28 situated at S. No. 19-2, Village: Bhatha.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the cartie has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ? hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Manuben Lavibhai Patel;
  - at Bhatha, Tal. Choryasi, 2. Jadavbhai Kesharbhai;
  - 3. Hasmukhbhai Jadavbhai;
  - at Bhatha, Tal. Choryasi.

(Transferor)

(2) Shrikant Ochhavlel Shah, 12/2726, Aganovad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Bhatha S. No. 15 and 19-2, Block No. 21 & 28, registered in July, 1981.

G. C. GAR()
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17th February, 1982.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1495 Acq 23-II/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 48 situated at Moje Pal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market( value of the property as afor: said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Anilkumar Chhotabhai Desai.
- (Transferor)
- (2) Manubhai Zaverbhai Patel, Karta of H.U.F.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Village Pal, Block No. 48, registered in July, 1981.

> G. C. GAP Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

17th February, 1982. Date:

SeaI:

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1496/- Acq. 23-II/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Wd. No. 16, R.S. No. 284 (P) Plot 8A situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Bhikhiben Babubhai; Maniben Gopalbhai; Rander Road, Gorat, Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Kotumal Parbhamal Tekchandani; Gopipura, Kaji Medan, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 16, R.S. No. 284(P) Surat, registered in July, 1981,

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-2-1982

# FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1497 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Wd. No. 16, R.S. No. 284 paiki Plot 9 situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

32-6GI/82

- (1) Bhikhiben Babubhai; Maniben Gopalbhai; Rander, Gorat, Dist. Surat. (Transferor)
- (2) Shri Kishanchand Jamyatrai Patani: C/o Rizumal Gajanmal Vatiani; Gopipura, Kaji Medan, Surat.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 284 (P) Wd. No. 16, Surat registered in July 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) The Udhna Udyognagar Sahakari Sangh Ltd. Central Road No. 10, Udyognagar, Udhana. (Transferor)

# (2) Shri M. A. Kalayadwala; Plot No. 201, New Extension Udyognagar, Udhna, Surat.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1498 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot -B/IND/201, Udhna, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the ablication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Plot B/IND/201, New Extension Udyognogar Udhna, registered in July 1982.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-2-1982

(Transferce)

# FORM ITNS-

(1) Shri Chhaganlal Dahyabhai Desai; Мајша Gate. Nanpura, Surat. (Transferor)

(2) Shri Krishnalal Chhaganlal Desai: Rushina Coop. H. Society, Surat.

may be made in writing to the undersigned-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 IIND FLOOR,

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1499 Acq 23, II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1395/12/B, Wd. No. 1, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Nordh No. 1395/12/B, Wd. No. 1, registered in July 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabud

Date: 17-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUÍSITION RANGE-II, IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1500 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 20, situated at Majampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Meera Apartment Coop. Hsg. Society, C/o Rameshchandra Amratlal Gandhi, Gandhi Bazar, Broach.

(Transferor)

(2) Jaysantoshima Construction Co., Navsari Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 25 given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 20, Majampur, registered in July 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18-2-1982

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1501 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 27, 26, 63, 24, situated at Ali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Yunusbhai Umarji Musa, Sherpur, Tal. Broach.

(Transferor)

(2) Partner of Narayan Land Estate, Shri Jayantibhai D. Panchal, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 27, 26, 63, 24 at Ali, registered in July, 1981,

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-2-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1502 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 66 (P) and 59-B situated at Ali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sakariben Naginlal, Hajikhana Bazar, Broach.

(Transferor)

(2) Partner of Ghanish Builders; Smt. Bhanuben Indravadan Shah, Kamla Pole, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 66 (P) and 59-B at Ali, registered in July, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1503 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 64 & 28 (P) Ali situated at Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on July 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dalsukhbhai Dhanjibhai; Kanubhai Dhanjibhai; Kashiben Dhanjibhai Guardian of Minor Jayshreeben, Dhanjibhai.
 P. A Holder: of above Shri Mangubhai Vithalbhai, Acharvad-ni-Khadki, Brossli.

(Transferor)

 Sh, Arvindkumar Kesurbhai Patel; Broach, Hajikhana Bazar, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Ali Patti, S. No. 64 & 28 (P) registered in July, 1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dated: 18-2-82

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1504 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 3/2, Dangari, situated at Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Broach on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Ahmadvali Abhram; Muşavali Abhram; Mahmadsafi Abdulla Patel; Abrahim Abdulla Patel; Minor Rukhsana Isapvali guardian Shri Fazalmohmad; Ismali Patel, Dungari, Broach.

(Transferor)

(2) Partner of Narayan Housing Corporation; Chimonbhai Sukhabhai Panenal; Narayannagar Office, Nilkanth Mandir, Gujarat Housing Board, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the case of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at Dungari S. No. 3/2, registered in July, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dated: 18-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>(</sub>1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 18th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1505 Acq. 23-11/81 82. --Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 93/2, Ghadkhol situated at

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ankleshwar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33 - 6GI/82

(1) Sh. Prabhubhai Hansjibhai Patel; Ghadkhol, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Sh. Kanchanlal Mathurdas Gandhi; Ambaben Kanchanlal; Kansar Falia, Ankleshwar, Snehal Champaklal Tralshwala; Mina Tarun Near Kaburtarkana, Lallubhai Chakla, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Ghadkhol—S. No. 93/2, registered in July, 1982.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dated: 18-2-82

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1506 Acg. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No 413 (P) Ankleshwar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ankleshwar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bai Khatijabibi Yusuf Hasanji Patel; Ahmad Yusuf Hasanji Patel; Makbul Yusuf Hasanji Patel; Abdulkadar Yusuf Hasanji Patel; Mullavad, Ankleshwar—P. A. Holder of above Sh. Ayub Ahmad Motala, Nr. Jitali Naka, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) President & Secretary: of Viratnagar Coop. Housing Society, Shri Sudhirkumar Maganlal Shah Opp. Panchayat Quarters, Ankleshwar, Shri Shankarbhai Karsanbhai Patel; Piramannaka, Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 413(P) Ankleshwar, registered in July, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dated: 19-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE II. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1507 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 419-2-4(P) (Paiki) situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bai Hava Ahmad Mahmad Motala; her P. A. Holder; Ayub Ahmad Motala; Near Jitalinaka, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Promoter of Shri Dwarkesh Coop. Housing Society:

Nanabhai Hasmukhlel Kotia, 128, Pritam Socy.
 Kishorbhai Dahyabhai Kotia, 131, Pritam Socy.

3. Rughunath Laxminarayan Dalmiya; Vishvas Colony, Ankapuri, Baroda.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 419-2-4(P) Ankleshwar registered in July, 1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 19-2-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 20th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1508 Acy. 23-II/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 1360 & 1359 situated at Mota Parsivad, Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Sh. Narendrabhai Romanlal Tatia Sh, Mahendrabhai Ramanlal Tatia; 6Λ, Utkarsh Society, Bhuderpura, Ambayadi, Ahmedabad-15,
- (Transferor) (2) 1. Sh. Rayindrabhai Gatubhai Kansara;
- 2. Sh. Bhogilal Pranjivandas Kansara; 3. Sh. Kantilal Pranjivandas Kansara;

  - 4. Sh. Prakashchandra R. Konsara;

Sh. Dipak G. Kansara; Mota Parsivad, Valsad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 1360 and 1359, at Valsad, registered in July, 1981.

> G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. Ahmedabad.

Date : 20-2 1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1699 Acq. 23-1/81-82,--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 2028 paiki M.C. No. 973 paiki situated at Kalupur-3, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hit can per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Sh. Madanmohan Jekishandas Mehta & others; Panchbhaini Pole, Gheekanta, Ahmedabad. Jitendrabhai Jekishandas Mehta & others; New Commercial Staff Society, Opp. Rajhans, Navrangpura, Ahmedabad, Indravadan Jekishandas Mehta; Panchbhaini Pole, Gheekanta, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Panchvati Appt. Owners Association; through: President: Bipinchandra Dhirajlal Vora, Panchbhaini Pole, Gheekanta, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I VPI ANGHON — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property situated at Kalupur-3, Ahmedabad bearing C.S. No. 2028 paiki M.C. No. 973 paiki adm. sq. yds. 210 paiki as fully described in the sale deeds registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. Nos. 14826, 24827, 24827 dated 15-12-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 12th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1700 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 182/191 M.C. No. 141 to 141-33-1 situated at Dariepur-2, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Panchal Kalidas Hiralal; Shri Panchal Girish Kalidas; Shri Panchal Mukesh Kalidas; Shri Panchal Sailesh Kalidas; Shri Parshottamdas Hiralal; Dariopur Chakla, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Gulamrasul Abdul Rahim Shaikh; Mirzapur, Kasaivado, Hasumiyani Chawl, Ahmedabad. Shri Usmanbhai Shakurbhai Ajmeri; Shahpur, Halimni Khadki, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Dariapur-2, bearing S. No. 182/191, adm. 764,50.14 sq. mts. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Rogn. No. 15532 dated 29-12-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 12-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1701 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Open land situated at Manavadar, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Manavadar on 2-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Pa. Dharamshi Meghji Matadiya of Manavadar; Dist, Junagadh,

(Transferor)

(2) Gayatrinagar Coop, Hsg. Society Ltd., through: President: Sh. Mulji Dharamshi Maradiya, Manavadar, Dist. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 3966.97 sq. yds, situated at Manavadar Dist. Junagadah, duly registered by Sub-Registrar, Manavadar vide sale deed No. 1426/2-7-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangel, Ahmedabad

Dated: 19-2-82

#### FORM ITNS .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1702 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 4 paiki, Paiki Plot Nos. 2, 4, 5, 6, 7, 8 & No. 9 Eastern side Plot No. 10 eastern side & Plot No. 12 & 13 situated at Manavadar Dist. Junagarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manavadar on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Maganlal Keshavji & others;

(Transferor)

(2) Krishnanagar Coop, Housing Society Ltd. through: President Shri Gokaldas Manjibhai Butani of Manavadar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lend adm. 4425.7 sq. yds, bearing S. No. 4 paiki situated at Manavadar, Dist. Junagadh duly registered vide sale deed No. 1412/July, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 19-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1703 Acq. 23-1/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Comperent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 560/2 paiki & S. No. 560/2 paiki situated at Village Shahpur, Tal. Vantholi, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manayadar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—34-6~GI/82

Sh. Bhagwanji Trikamji Bhalani;
 Shri Devraj Trikamji Bhalani;
 Village Timbawadi, Dist, Junagadh.

(Transferor)

(2) N. G. Paper Pvt. Ltd., Mahatma Gandhi Road, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land adm. 7A--11 G bearing S. No. 560/2 paiki and S. No. 560/2 paiki, situated at village Shahpur, Dist, Junagadh duly registered by Sub-Registrar, Manavadar vide sale deed No. 1529/23-7-81 i.e. property as fully described therein,

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I, Ahmedabad.

Dated: 19-2-82

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1704 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referrde to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6/Chha/ situated at

Krishanagar Cricket Ground, Veraval

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Verawal on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property se aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Jaishriben Nareshkumar Radio; Krishnagar, Veraval. 2. Sh. Parshottaam Bhanji Kanabar; Kr.shnanagar, Veraval. 3. Sh. Harkishan Pragjibhai Kanabar; Krishnanagar, Verawal, 4. Shri Chhelshankar Durgashankar Bhatt; Krishnanagar, Veraval. (Transfetor)
- (2) Sonal Appt. Coop. Hsg. Society; through: President: Shri Ramniklal Vithalji Popat, Krishnanagar, Verawal, Dist. Junagadh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 79.525 sq. mts. +80.268 sq. mts. + 79.804 sq. mts. + 79.525 sq. mts. bearing Plot No. 6/Chha paikt bituated at Krishnanagar, Near Cricket ground, Venawal, duly registered by Sub-Registrar, Varawal vide sub-Registrar Veraval vide sale deed Nos. 2500, 2501, 2631 and 2632/July, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dated: 19-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1705 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 316 paiki situated at Village Shapur,

Dist. Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Manavadar on 6-7-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Patel Mohan Punjolal Nagaria; Village Shapur, Dist. Junagadh.

(Transferor)

(2) Sh. Gordhandas Ratanshi Marvania & others; Village Shapur, Dist. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 316 paiki, adm. 10A--19G, situated at Village Shapur, Dist. Junagadh, duly registered by Sub-Registrar, Junagadh vide sale-deed No. 537/6-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 19-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1706 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 1, S. No. 7672 to 7679 situated at

Porbandar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Porbandar on 7-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

 Smt. Kokila Dhirajlal Thakrar; through P.A. Holder; Sh. Dhirajlal Jadavji Thakrar, Porbandar.

(Transferor)

(2) Sh. Nirmalaben Jayantilal Rajani Porbander.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wnichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaig as given in that Chapter?

## THE SCHEDULE

Bldg, standing on land adm. 415 sq. yds. situated at Porbander, duly registered vide sale-deed No. 2462/7-7-82 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 19-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND ILOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1707 Acq. 23-1/81-82,—Whereus, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1382 paiki situated at Verawal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Verawal on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rabari Arjan Bhoja & others; Khadkhal, Opp. Play Ground, Verawal Dist. Junagadh.
  - (Transferor)
- (2) Sh. Jagjivan Hemraj Nathwani & another, Nathwani Sheri, Keshod, Dist. Junagadh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 3A—26 G. bearing S. No. 1382 paiki situated at Verawal, duly registered by Sub-Registrar, Verawal vide sale-deed No. 2839 / July, 1981 i.e. property fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Dated: 19-2-82

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1708 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 3574 paiki Wd. No. 10, situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 20-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ratilal Vithalji Rawal, Kiran Society, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Sh. Swaminarayan Plastic Industries; Sh. Patel Kanjibhai C., Aradhana Society, Surendranagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 3574 paiki adm. 2087 sq. yds., situated at Wadhawan duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale deed No. 3101/20-7-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 19-2-82

#### FORM I.T.N.S.----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1709 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

S. No. 24 Ratanpar, Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 6-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the 'ransfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Vajabhai Amarshibhai Dalwadi; Ratanpat, Surendranogar

(Transferor)

(2) Sh. Ratilal Shah Family Trust, Ratanpai, Dist. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 6390.12 sq. mts. bearing S. No. 24, situated at Ratanpur, Dist. Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale deed No. 2951/6-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-2-82

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1710 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

S. No. 1928 paiki situated at Wadhawan Dist.

Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 4-7-881

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part es has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ashwinkumar Chandulal Shah & another; Swastik Society, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Sh. Vishnubhai Bhikhabhai Batot and another; Kasba Sheri, Wadhawan, Dist. Surendranagar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

l and bearing S. No. 1928 paiki adm. 10238 sq. yds. situated at Wadhawan, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale deed No. 293/4-7-81.

G C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 19-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1711 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 727 paiki situated at Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surendranagar on 1-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

<sub>3</sub>5—6 GI|82

- (1) Shri Jagjivanbhai Ujamshibhai Shah, & anohter, 32, Sardar Society, Surendranagar.
- (2) Shri Suresh Shantilal Shah & anothre. Vithal Press, Surendranagar.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 3751 sq. yds. bearing S. No. 527 paiki situated at Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Surendranagar, vide sale deed No. 2859/1-7-81 i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 19-2-81

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1509 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 334-B and 337-B—Chala situated at Vapi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rameshchandra Uttamehand Shah, Zanda Chowk, Vapi.

(Transferor)

(2) Smt. Bhavna Rameshchandra Shah, Sureshchandra Amarchand Shah, Bazar Road, Vupi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Chala—S. No. 334-B, 337-B registered in July, 1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 22nd Feb. 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1510 Acq. 23-11/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No T.H 812-A and A/4, C.S. No. 2/4597A situated at Station Road, Khambat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-7-81

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arboresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Azizbhai Abdultaiyab Princess Building, 2nd Floor, Opp. J. J. Hospital, Ibrahim Rahimtulla Road, Bombay-400003.

(Transferor)

(2) Dr. Fazleabbas Fakhruddin Chhatriwala, Dr. Ziani W/o Dr. Fazleabbas Chhatriwala, Flat B-4, Breach Candy Apartment, Warden Road, Bombay-400026.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2 shops as detailed in the sale deed No. R-912 registered in the office of Sub-Registrar, Bombay on 8-7-1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22nd Feb. 1982

#### FORM I.T.N.S --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1982

Ref No PR No 1511 Acq 23 II/81-82 —Whereas, I, G C GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

5 No 250 1 2 & 251 situated at Bardoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bardoli on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pathes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) President of Sh Rambag Coop. Housing Society, Shri Hirabhai Makanji Patel & others, Bardoli

(Transferor)

(2) President
Jay Amba Coop Housing Society,
Sh Prayinchandra Chhaganlal Patel & others,
Bardoli

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Bardolt S. No 250-1-2+251 registered in July 1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated 23-2 81 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR

Ahmedabad-390 009, the 23rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1512 Acq 23-II/81-82 -- Whereas, I, G C. GΛRG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No. 432, Village Kathiria situated at Tal. Daman (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1408) in the office of the Registering Officer at

Tal Daman on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the afores iid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh Jamshedji Sorabji Luth; Kathua-Nani Daman, Taluka . Daman

('Transferor)

- (2) Sarvodaya Agricultural Farming & Housing Society: through its members:

  1. Sh. Bhagwanbhai Madhavbhai Machhi;

  2. Sh. Govindbhai Chhotubhai Desai;

  3. Sh. Bhulabhai Girdharbhai Bhathela,

  - 4. Sh Bhagwan Bhula Tandel,5. Sh. Vallabhbhai Fakirbhai Tandel;
  - 6. Sh Bavabhai Dhedabhai; 7. Sh. Ramabhai Bhagwanbhai Tandel,
  - 8 Smt. Jamnaben Lallubhai Tandel; All at Nani Daman, Tal. Daman

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at S. No. 432 village Kathina, Nani Doman, registered in July, 1981

> G. C. GARG. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 23-2-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune 1, the 25th February 1982

Ref. No. 1AC/CA5/SR Karvir|Sep 81|575|81-82 — Whereas, 1 R k AGGARWAI ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

CS No 27 Kh/2D situated at F-Ward, Tarabai Park, Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Kuvii on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores and property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kumarsinh D. Nimbalkar—Khardekar, At & Post Danoli, Tel. Shirol, Dist. Kolhapur

(Transferor)

(2) Shii L M Powar,
Chief Piomotor, Niyojit,
Electricity Engineers Co-op Housing Society Ltd
B Ward, Varsha Nagar, Block No 94,
Kolhapur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

i XILANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property bearing CS No 27 Kh/2D situated at E-Ward, farabar Park, Kolhapur

(Property as described in the sale deed registered under document No 3210 in the office of the Sub-Registral Karvii in the month of September 1981)

R K AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date 25-2-1982 **Seal** .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 25th February 1982

Ref. No. 1AC/CA5/SR. Karvir/Aug. 81/576/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 27Kh/2D (1/4 Hissa situated at E-Ward, Tarabai Park, Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Karvir on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Fattesinh Dadasaheb Nimbalkar—Khardekar, At Danoli, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri L. M. Powat, Chief Promotot, Niyojit, Flectricity Engineers Co-op. Housing Society Ltd., B-Ward, Varsha Nagar, Block No. 94, Kolhanur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 27 Kb/2D situated at E-Ward, Tarabar Park, Kolhapur (1/4th Hissa).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3103 in the office of the Sub-Registrar, Karvir in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-2-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, FUNE-1

Punc-1, the 25th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Karvir/Aug. 81/577/81-82.—Whoreas, I. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.S. No. 27Kh/2D (1/4 Hissa situated at E-Ward, Tarabai Park, Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Karvir on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijaysinh Dadasaheb Nimbalkar—Khardekar, At Danoli, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri I. M. Powar, Chief Promotor, Niyojit, Electricity Engineers Co-op. Housing Society Ltd., B-Ward, Varsha Nagar, Block No. 94, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 27 Kh/2D situated at E-Ward, Tarabai Park, Kolhapur (1/4th Hissa).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2982 in the office of the Sub-Registrar, Karvir in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 25-2-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>((1)</sub> OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNF-1

Pune-1, the 25th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Karvin/Aug. 81/578/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 27Kh/2D (1/4 Hissa) situated at E-Ward, Tarabai Park, Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR, Karvir on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

36—6GI/82

 Shri Manajirao Pratapsinh Nimbalkar—Khardekar, At Danoli, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri I. M. Powar.
Chicf Promotor, Niyojit,
Electricity Engineers Co-op. Housing Society Ltd.,
B-Ward, Varsha Nagar, Block No. 94,
Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 27 Kh/2D situated at E-Ward, Tarabai Park, Kolhapur (1/4th Hissa).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3021 in the office of the Sub-Registrar, Karvir in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. PUNE-1

Pune-1, the 25th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/July 81/583/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shet Gat No. 30/3 situated at Mouje Pimprale Tal. & Dist Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Jalgaon on July 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby juitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Sakharam Ganpat Attarde, Vithal Peth, Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Devichand Hirachand Jain, Partner of Hirachand & Sons Jalgaon, Bhavani Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 30/3 situated at Moule Pimprale, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No 2810 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon in Luky 1981)

in July, 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-2-1982

#### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th February 1982

Ref. No. JAC/CA5/SR, Jalgaon/July 81/584/81-82.—Whoreas, I, R. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shet Gat No 30/1 situated at Mouje Pimprale Tal. & Dist Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Jalgaon on July 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sarlabai Sakharam Attarde, Vithal Peth, Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Devichand Hirachand Jain, Partner of Hirachand & Sons Jalgaon, Bhavani Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 30/1 situated at Mouje Pimprale, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2808 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon in July, 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th Lebruary 1982

Ref No LAC/CA5/SR Jalgaon July 81/585 81-82 — Whereas I R K AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Shet Gat No 30 2

situated at

Mouje Pimpiale, Tal & Dist Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Jalgaon on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(.) Son Kasturabai Sakharam Attarde, Vitthal Peth, Julgaon

(Transferor)

(2) Shri Devichand Hirachand lain, Paitner of Hirachand & Sons Jalgaon, Bhavani Peth, Jalgaon

('Iransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Agricultural I and bearing Shet Gat No. 30/2, situated at Mouje Pimpitale Tal & Dist Jalgaon (Property as described in the sale deed registered under document No. 2809 in the Office of the Sub-Registrat, Jalgaon in the month of July 1981)

R. K AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/July 81/586/81-82.—Wheteus I, R. & AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shet S No. 57

situated at Mouje Khedi Bk. Tal. & Dist. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferted under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Jalgaon on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13 -516GI/81

 Shii Supadu Nathu Bari
 Shri Shankar Nathu Bari
 Shri Nathu Tapiram Bari, All 100 Vitthal Peth, Ialgaon.

(Transferor)

(2) Shri Omprakash Sitatam Agrawal, Partner of Saibaba Development Corporation, Jalgaon, 122, Navi Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing Shet S. No. 57, situated at Mouje Khedi Bk. Tal. & Dist. Jalgaon.
(Property as described in the sale deed registered under document No. 2957 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona,

Date: 25-2-1982

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

CPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE,

Pune, the 25th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Thane/Aug.81/597/81-82.—Whereas I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 245 to 250, Tikka No. 2, situated at Kalwa, Tal. & Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. There on August, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Rapid Construction Company, Shriprasad. Near Maruti Mandir, Kalwa, Tal. & Dist. Thane.
- (Transferor)
  (2) The Chairman of Chandragiri Co-op. Housing Soc. Ltd.,
  Kalwu, Tal. & Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 245 to 250, Tikka No. 2, situated at Kalwa, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the saie deed registered under document No. 785 in the office of the Sub Registrar, Thane in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 26th February 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Karvir/July 81/587/81-82.—Whereas 1, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 1, Bleck No. 13, A-Ward,

situated at City Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Karvir on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hindurao Balvantrao Dakare, Chairman of Rayat Seva Sheti Dhanda Upyogi, Maal Utpadak & Puravatha Sahakari Mandal, Maryadit, E-Ward, House No. 17, Jadhav Wadi, Kolbapur.
- Shri Ranjit Shripatrao Bondre, C.S. No. 1514, A-Ward, Kolhapur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 1, Block No. 13, A-Ward situated at City Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2454 in the office of the Sub-Registrar, Karvir in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 26-2-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 26th February 1982

Ref. No. 1/.C/CA 5/SR. Nasik/July 81/588/81-82—Whereas I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 646/78/1/1/1-

A/1-174, situated at Tilak Wadi Nasik

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officers at SR. Nasik on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahadeo Ramchandra Wagh & Othet 5, Navik.

(Transferor)

(2) Shii Sanjay Bachhulal Gujur, Chankeshwara Building, Bhavain Peth Solapui.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 646/7B/1/1/1-A/1-1/4 situated at Tilak Wadi, Nasik (Property as described in the sale deed registered under document No. 2300 in the Office of the Sub-Registrar, Nasik in July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Poona.

Date: 26 2-1932

#### FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 26th February 1982

Ref. No. IAC/CA.5/SR. Ahmednagar/July 81/589/81-82.—Whereas I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

situated at Mouje Nagapur, Tal. Ahmednagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ahmednagar on July, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

S/Sbri

- (1) 1. Keeu Bhau Bhor Bhanudas Kesu Bhor
  - 3. Baban Kesu Bhor All At Nagapur Tal, & Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

- Laxmikant Mallikarjun Kshirsagar
  - Sou. Mangulabai Sharad Muthall Shit, Vasantabai Shivlal Gandhi Gokul Shivlal Gandhi 3.

  - Indrakumar Motilal Mutha 6. Prakash Fulchand Kataria, bll r/o Vardhaman Sarada Galli, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing S. No. 59/1C situated at Mouje Nagapur, Tal. & Dist. Ahmednagar.
(Property as described in the sale deed registered under document No. 1918 in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 26-2-1982

Seal:

37-6GI/81

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 26th February 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Haveli-I/July 81/590/81 82.—Whereas I, R. K AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 42A/3/3A/3B, Parvati T.P.S. No. 3, F.P. No. 477A/4/A & 477 A/4/C, situated at Shahu College Road, Peth Parvati, Pune-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR .Haveli-I on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. Vasant Vishwanath Phule 2. Ranikrishna Vasant Phule
  - 3. Sou, Kusum Vasant Phule,

(Transferor)

(2) The President Sumedha Co-operative Housing Soc. Ltd., 477A/4A, Parvati, Shahu College Road, Punc-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 42A/3/3A/3B Parvati T.P.S. No. 3 F.P. No. 477A/4/A & 477A/4/C situated at Peth Parvati, Shahn College Road, Pune-9.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 131 in the office of the Sub-Registrar, Hiveh-I, in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 26-2-1982

Scal;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc-1, the 26th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Rahuri/July 81/591/8/81-82.—Whereas I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 87, situated at Shilegaon, Tal. Rahuri, Dist. Ahmednagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR. Rahuri on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri
(1) Yamunabai Kashinath Tagad,

At Shilegaon, Tal. Rahuri, Dist. Ahmednagar,

(Transferor)

 1. Govind Kesu Tagad
 2. Pradurang Kesu Tagad, At Smlegaon, Tal. Rahuri, Dist Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing Gat No. 87, situated at Shilegaon, Tal. Rohuri, Dist. Ahmednagar.
(Property as described in the sale deed registered

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1646 in the office of the Sub-Registrar, Rahuri in the month of July. 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 26-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Pune-1, the 26th February 1982

Rof. No. IAC/CA 5/SR. Kalyan/July 81/592/81-82.— Whereas I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 12 Hista No. 4/3 Plot No. 3 & 4, situated at Mouje Gajbandhan Patharli Domh!vali, Tal Kalyan, Dist. Ihane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Kelvan or July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act at the following persons, namely:—

 Dharma A, Mhatre & 9 others, All At Gajbandhan Patharli, Dombivali, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Yashavant Sadashiv Davane, Ganeshdarshan, Mulund, Bombay-400 981.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motion in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 12 Hissa No. 4/3, P.o. No. 3 & 4, situated at Mouje Gajbandhan Patharli, Dombivasi, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1083 in the Office of the Sub-Registrar, Kulyan in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisituda Range Foons

Date: 26-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOMP.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 26th February 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Vasai/July 81/593/81-82.— Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 23 situated at Navghar, Tal. Vasai Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Vasai on July 81

for an apperent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h, facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Haribhau Govind Vartak, President of Vidyavardhini, Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(2) Manish Construction Co., 63. Kika Street, 1st Floor, Gulabwadi, Bombay-400 004. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 23 situated at Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 62 in the Office of the Sub Registrar, Vasai in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 26-2-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th February 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Jalgaon/July 81/594/81-82.—Whereas, I R. K. AGGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shet S. No. 188/18 situated at Mouja Mehrun,

Tal. & Distt. Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jalgaon on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Murlidhar Sonu of Khadake, On Behalf of Sou, Vijaya Murlidhar Khadake, Gaywada, Jalgaon.
  - (Transferor)
- Shri Pravinchandra Bhimjibhai Seth,
   Sou. Manjulaben Manoharlal Seth.
  - Demla Colony, Jalgaon.

    3. Shri Baliram, Ughadu Choudhari, At Asoda, Tal & Dist. Jalgaon.
  - Shri Khushal Hari Bhole, At Vaghali, Tal. Chalisgaon, Dist. Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet S. No. 188/18 situated at Mouje Mehrun, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2917 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of July 1981.)

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 26-2-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 26th February 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR, Nasik/July 81/595/81-82.-Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 646/7B/1/1-A/1-1/4 situated at Tilok Wadi, Nasik (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Nasiki on July 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Mahadeo Ramchandia Wagh, & Others 5, Nasik

(Transferor)

 Shri Digvijay Arvindlal Shah, At, Post Satana, Dist. Nasik,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 646/7B/1/A/1-1/4 situated at Tilak Wadi Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2299 in the Office of the Sub Registrar, Nasik in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 26-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 26th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/July 81/596/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Shet S. No. 188/1A situated at Mouja Mehrun Tal & Dist. Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Jalgaon on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfe., and /ot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(1) Shri Prabhakar Sonu Khadake, At Gaywada, Jalgaon.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Pravinchandra Bhimibhai Seth 2. Sou, Manjulaben Manoharlal Seth.
  - Demla Cojony, Jalgaon.

    3. Shri Khushal Hari Bhole
    At Vaghali, Tal. Chalisgaon, Dist. Jalgaon. 4. Shri Baliram Ughadu Choudhari,

At Asoda, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mething as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shot S. No. 188/1A situated at Mauja Mehrun, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2916 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in July 1981).

> R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 26-2-1982

Seal

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Thane/Aug, °1/573/81-82.—Whereas, I. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. C.S. No. 222, Tikka No. 3, Mun. Ward No. 3 situated at Mahagiri Kazi Kasam Road Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at GR. Thane on Aug 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent condition and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691 the said Act, to the following persons, namely:—

38—6G/81

Chaganlal Ranchodd Saschdev, Chhaganlal Ranchoddas Sachdev, C/O Asian Leo Pharma, Station Road, Thane.

(Transferor)

(2) Uttam Bhaskar Joshi, Anand Bhaskar Joshi, 'Tapascharya', Opp. Krishna Stores, Thone.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 222, Tikka No. 3, situated at Municipal Ward No. 3, Mahagiri, Kazi Kasam Road, Thane. (Property as described in the sale deed registered under document No. 820 in the office of the Sub Registrar, Thane in the month of August 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Bipin M. Zaveri, Partner of M/s. Universal Chemicals (India), At Shatada Chambers, 1st Floor, New Marine Lines, Bombay-400 020.

(2) Cyclic Chemicals Pvt. Ltd. Industrial Assurance Building, 3rd Floor, Churchagate,

Bombay-400 020.

(Transferec)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# **DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 27th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Bombay/Aug. 81/574/81-82.—Whereas, I. R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 169-A situated at Vill. Shahad, Tal. Kalyan, Dist.

Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at SR. Bombay on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 169-A situated at Village Shahad, Tal. Kalvan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R 1004 in the office of the S.R. Bombay in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-2-1982

Seal;

(1) Smt. Laxmibai M. Balaugi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sukiran Marwaha.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1982

No. AR-II/3214-15/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. BSDS, No. 32/CTS No. 238 situated at Yerongal Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at BANDRA BOMBAY on 8-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 924/1980 and the same is Registered with Sub-Registrar, Bandra on 8-7-1981.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 30-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1982

Ref. No. AR-III/2007/14/81-82.--Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 26, S. No. 80 (pt), S. No. 27, H. No. 1 (pt) and S. No. 88 (pt) situated at

Mahakali Caves, Rd Andheri (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering

Officer at Bombay on 31-7-81 Doc. No. s-2211/1976 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s New Eta Paint Works.

(Transferor)

(2) M/s Themis Agencies.

(Transferee)

(3) M/s Themis Agencies.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period copies later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registering Deed No. S-2211/1976 and is a milited on 31-7-1981 with the Sub-Registrar of Lombiy

SUDHAKAR VARMA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-2-1982

FORM I.T.N.S.

(1) Sh. Balasubramanian.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Zoeb Dawoodbhoy Contractor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1982

Ref. No. AR-III/1997/81-82.—Whereas, I,

SUDHAKAR VARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 33, H. No. 4 situated at Kurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bombay on 17-7-81 Document No. R/1019/73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R/1019/ 73 and registered with the Sub-Registrar, Bombay. on 17-7-81.

> SUDHAKAR VARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 4-3-82

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1982

Ref No AR-III/2002/81-82—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

No CS No 663/21 to 663/23 situated at Peston Sagar Chembur

exceeding Rs. 25,000 '- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-7-81 Document No S-672/81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than latter per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Nagar Co-op, Housing Society Ltd
- (Transferee)
- (2) Sh. Harihar Putra Bhajan Samaj.

(Transferee)

(4) Sh. Nagar Co-op. Housing Society Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. S-672/81 and registered on 21-7-81 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 6-3-1982

#### FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1981

Ref. No. AC-71/Acq R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 311/1 situated at Pratappur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 27-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afiresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Sri Dhirendra Nath Hazta, Pratappur, PS. Chuchura, Dist. Hooghly,

(Transferor)

(2) Sri Achyut Kumai Sadhu Chuchura Barabazar, PS Chunchura Dist-Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land 3 cottans 39 sft with building. Address 311/1. Ptatappur, P.S. Chunchura, Dist-Hooghly. Deed No. 6117 of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd Floor)
Acquisition Range-IV. (alcutta.

Dated: 14-12-1981

FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1981

Ref. No. AC-72/Acq.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16 situated at Tanupukur Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 7-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Longadas Banerjee 2, Sh. Niharbindu Banerjee 3.
   Sh. Amiyabindu Banerjee 4. S. Sri Susanta Isr. Banerjee 5.
   Sh. Santimoyee Banerjee 6.
   Smt. Parul Baneree, Beldanga, P.S. Beldanga, O.S. Mu Shidabad
- (2) Sri Manabendra Chakravorty, 16-Tanupukur Road, Calcutta-31.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land=2K 10Ch 44 sft, with building, Address 16. Tanupukur Road, Dhakuia, Calcutta-31. Deed No. 3484 of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquistion Range-IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (8nd Floor)
Calcutta.

14-12-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1982

Ref. No. AC-85/Acq.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. . situated at Ramband Burnpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 10-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39—6GI/82

 Smt. Tura Sundari Biswas, W/o Late Ipanendra Nath Biswas, Rambandh, Burnpur, P.S. Hirapur, Dist. Burdwan.

(Transferor)

(2) Sri Chittaranjan Banerjee F. 9/1, Upper Road, I.I.S. Qr., P.O. Burnpur, Dist, Burdwan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 4K. 1 Chattaks with building. Address—Rambendh, Burnpur, P.S. Hirapur. Dist. Burdwan. Deed No. 5101 of 1981.

K. SINHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Dated: 11-1-32

 Sri Dilip Kumar Dutta, 55-A, Jainaddi Mistri Lane, P.S. Alipore, Dist. 24-Pargs.

(Transferor)

(2) Sii Tarakeswas Prosad Sing, Bishra, P.S. Diamond Harbour, Dist. 24-Pargs.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1982

Ref. No. AC-86/Acq.R-IV/Cal/81-82.--Whereas, I,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Bishra,

Diamond Harbour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Felta on 14-7-81

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than lifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 200 Satak,

Address—Mouja, Bishua, P.S. Diamond Harbour, Dist. 24-Pargs.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Dated: 11-1-82

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Sri Tarak Nath Dutta, 55-A, Joynaddi Mistiri lane, P.S. Alipore, Dist. 24-Pargs.

(Transferor)

(2) Sri Badri Narayan Sing Bishra P.S. Diamond Harbour, Dist. 24-Pargs. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1982

Ref. No. AC-87/Acq.R-IV/Ca1/81-82.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Bishra, P.S. Diamond Harbour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Falta on 14-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land=797 Satak.

Address=Mouja—Bishra P.S. Diamond Harbour, Dist-24-Pargs.

K. SINHA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Dated: 11-1-82

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 29th January 1982

Ref. No. AC-88/Acq.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 32/1 situated at Kali Kumar Mukherjee Lane, Dist. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 28-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Suhasini Banerjee of 34, Green Park, Jessore Road, Calcutta-35.

(Transferor)

(2) Sri Bidyapati Mukherjee of 8-Ananda Ram Mukherjee Lane, Howrah, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land=2 Cottahs with building.

Address=32/1, Kali Kumar Mukherjce Lane,
P.S. Shibpur, Dist-Howrah,
Deed No. 4022 of 1981.

K, SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiiton Range-IV, Calcutta.

Dated: 29-1-82

FORM NO. I.T.N.S.—— (1) Sh. Bholanath Ghosh & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Uma Chakraborty.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th February 1982

Ref. No. 1006/Acq.R-III/81-82.-Whereas, f, M AHMAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. 9 & 9H situated at

Barrygunge Station Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of b) in the Office of the Registering

Officer at Calcutta on 28-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoreable property, within 45 days from the date of that publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that 3K 5Ch 10 sft. of land together with brick built house elected thereon at premises No. 9 & 9H, Ballygunge Station Road, Calcutta-19.

> M. AHMAD, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta.

Dated: 9-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1982

Ref. No. AC-49/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-68A situated at C.I.T. Scheme No.

VII(M), Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 31-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Sh. Sureswar Saha & Ors. P-68A, C.I.T. Scheme No. VII (M), Calcutta.

(Transferor)

 Smt. Sandya Rani Das, 20/20E, Muraripukur Road, Calcutta,

(Transferee)

(3) Sandya Saha.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3/20th share of 116.79 sq. mtr. lands with building at P-68A, C.I.T. Scheme No. VII(M), Calcutta. More particularly described in deed No. 6427 of S.R.A. Calcutat of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Dated: 1-3-82

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJ, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1982

Ref. AC-51/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-68A situated at C.I.T. Scheme No. VII(M), Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 31-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Sh. Sureswar Saha & Ors., P-68A, C.I.T. Scheme No. VΠ(M), Calcutta.

(Transferor)

(2) Sh. Gopal Chandra Das, 20/20E, Muraripukar Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Sanda Saha.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share of 116.79 sq. mtr. of land with building at P-68A, C.I.T. Scheme No. VII(M), Calcutta. More particularly described in deed No. 6426 of S.R.A. Calcutta of 1981.

> K. SINHA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta.

Dated: 1-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1982

Ref. AC-48/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-69A situated at C.I.T. Scheme No.

VII(M), Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 31-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ianstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sureswar Saha & Ors., P-68A, C.I.T. Road, Scheme No. VIII(M), Calcutta,

(Transferor)

(Transferee)

(2) Smt. Krishna Dasi Das, 20/20E, Muranipukur Road, Calcutta,

(3) Sandya Saha.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th share of 116.79 sq. metre of land with building at P-68A, C.I.T. Scheme No. VII(M), Calcutta. More particularly described in deed No. 6429 of S.R.A. Calcutta of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Dated: 1-3-82

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th February 1982

Ref. No ASR/81-82/399.—Whereas, 1, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One house situated at Model Town, Pathankot tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than faften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

ing persons, namely : -

(1) Sh. Rattan Singh 8/0 Sh. Faqir Chand r/o Model Fown, Pathankot.

(Transferor)

 Smi. Shubh Lata w/o Sh. Mukesh Chand r/o 160-Model Town, Pathankot.

(Transferce)

(3) As at St. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property that be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One residential house situated in Model Town, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1237 / dated 13-7-81 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amtilsar.

Dated: 27-2-82

Scul: